हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 10.10.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 81 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

मोदी कैबिनेट का अहम फैसला, गरीबों को दिसंबर 2028 तक मिलता रहेगा मुफ्त अनाज

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत जुलाई 2024 से दिसंबर, 2028 तक मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जारी रखने को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को फोर्टिफाइड चावल की सार्वभौमिक आपूर्ति जारी रखने को मंजूरी दी।

मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप पोषण सुरक्षा की दिशा में यह बड़ा कदम है। 75वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के संबोधन के अनुरूप चावल फोर्टिफिकेशन पहल की निरंतरता भारत सरकार की एनीमिया मुक्त भारत रणनीति के तहत अपनाए गए हस्तक्षेपों का पूरक होगी।

दुनियाभर में फोर्टिफिकेशन आबादी के कमजोर वर्गों में एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों के कुपोषण को दूर करने का एक सुरक्षित और प्रभावी उपाय है। भारतीय संदर्भ में सूक्ष्म पोषक तत्वों की आपूर्ति के लिए चावल एक आदर्श माध्यम है। भारत की 65 प्रतिशत आबादी मुख्य भोजन के रूप में चावल का सेवन करती है। चावल फोर्टिफिकेशन में नियमित चावल (कस्टम मिल्ड राइस) में एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों (आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी 12) से समृद्ध फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफआरके) को शामिल किया जाता है।

चावल फोर्टिफिकेशन पहल पीएमजीकेएवाई (खाद्य सब्सिडी) के हिस्से के रूप में भारत सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त पोषण के साथ एक केंद्रीय क्षेत्र की पहल के रूप में जारी रहेगी।

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के विकास को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत

परिसर (एनएमएचसी) के विकास को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने स्वैच्छिक संसाधनों या योगदान के माध्यम से धन जुटाकर और धन जुटाने के बाद मास्टर प्लान के अनुसार चरण 1बी और चरण 2 के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है। परियोजना का चरण 1ए 60 प्रतिशत पूरा हो चुका है और 2025 तक पूरा करने की योजना है।

केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि भारत की 4,500 साल पुरानी समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुसार बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय लोथल में एक विश्व स्तरीय राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) स्थापित कर रहा है।

एनएमएचसी परियोजना के विकास में 15 हजार प्रत्यक्ष रोजगार और 7 हजार अप्रत्यक्ष रोजगार के साथ लगभग 22 हजार नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है। परियोजना कार्यान्वयन से विकास को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय समुदायों, पर्यटकों और आगंतुकों, शोधकताओं और विद्वानों, सरकारी निकायों, शैक्षणिक संस्थानों, सांस्कृतिक संगठनों, पर्यावरण और संरक्षण समूहों तथा व्यवसायों को काफी मदद मिलेगी।

परियोजना के चरण 1ए में 6 दीघाओं वाला एनएमएचसी संग्रहालय होगा। इसमें भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल की एक गैलरी भी शामिल है, जिसे देश की सबसे बड़ी गैलरी में से एक माना जा रहा है। इसमें बाहरी नौसेना कलाकृतियाँ (आईएनएस निशंक, सी हैरियर युद्धक विमान, यूएच3 हेलीकॉप्टर आदि), खुली जलीय गैलरी से घिरा लोथल टाउनशिप का प्रतिकृति मॉडल और जेटी वॉकवे शामिल होगा।

चरण 1बी में 8 और दीघाओं वाला एनएमएचसी संग्रहालय होगा। लाइट हाउस संग्रहालय जिसे दुनिया का सबसे ऊंचा संग्रहालय बनाने की योजना है। बगीचा परिसर, जिसमें लगभग 1500 कारों के लिए पार्किंग की सुविधा, फूड हॉल, मेडिकल सेंटर आदि हैं।

चरण 2 में तटीय राज्यों के मंडप (संबंधित तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा विकसित किए जाएंगे)। आतिथ्य क्षेत्र (समुद्री थीम वाले इको रिसॉर्ट और संग्रहालयों के साथ), वास्तविक समय में लोथल शहर का मनोरंजन होगा। समुद्री संस्थान और छात्रावास तथा 4 थीम आधारित पार्क (समुद्री और नौसेना थीम पार्क, जलवायु परिवर्तन थीम पार्क, स्मारक पार्क और साहसिक एवं मनोरंजन पार्क) होगा।

एक नजर

राष्ट्रपति 13 से 19 अक्टूबर तक अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की यात्रा पर

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 13 से 19 अक्टूबर तक तीन अफ्रीकी देशों अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की राजकीय यात्रा पर जाएंगी। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की तीन अफ्रीकी देशों की पहली यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू 13 से 15 अक्टूबर तक अल्जीरिया के पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने के निमंत्रण पर वहां का दौरा करेंगी। यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। काउंसिल ऑफ नेशन (अल्जीरियाई संसद के ऊपरी सदन) के अध्यक्ष और नेशनल पीपुल्स असेंबली (अल्जीरियाई संसद के निचले सदन) के अध्यक्ष सहित कई अल्जीरियाई गण्यमान्य व्यक्तियों के उनसे मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रपति भारत-अल्जीरिया आर्थिक मंच और सिदी अब्दुल्ला विज्ञान और प्रौद्योगिकी पोल विश्वविद्यालय को संबोधित करेंगी। वह जार्डिन डी'एसाई के हम्मा गार्डन में इंडिया कॉर्नर का भी उद्घाटन करेंगी। भारत और अल्जीरिया तेल और गैस, रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग जैसे रणनीतिक क्षेत्रों सहित कई क्षेत्रों में सहयोग के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध साझा करते हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार अपनी यात्रा के दूसरे चरण में राष्ट्रपति मुर्मू 16 अक्टूबर को मॉरिटानिया का दौरा करेंगी। यह यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रही है जब मॉरिटानिया अफ्रीकी संघ की अध्यक्षता संभाल रहा है। यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू मॉरिटानिया के राष्ट्रपति मोहम्मद औलद शेख अल गजौनी से बातचीत करेंगी।

अब झामुमो लेकर आ रहा जेएमएम सम्मान योजना, महिलाओं को मिलेंगे 30 हजार सालाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बुधवार को झामुमो की तीन सदस्यी टीम जेएमएम के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग पहुंची थी। इस दौरान झामुमो की तरफ से जेएमएम सम्मान योजना चलाने की स्वीकृति चुनाव आयोग से मांगी गई है। इसके तहत महिलाओं को हर साल 30 हजार रुपये दिए जाएंगे। यह नई योजना है जिसे झामुमो लॉन्च करना चाहती है। दरअसल झामुमो निर्वाचन आयोग के पास भाजपा की शिकायत लेकर पहुंची थी। झामुमो की तरफ से एक पत्र भी सौंपा गया है जिसमें कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक पंजीकरण फॉर्म प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें आवेदकों को "गोगो दीदी योजना" के तहत पंजीकरण के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इस फॉर्म में नाम, पता, मोबाइल नंबर, पंचायत, ब्लॉक,

जिले का नाम आदि जैसे विवरण मांगे जा रहे हैं। इस योजना में हर महीने की 11 तारीख को प्रत्येक महिला को 2100 रुपये और प्रति वर्ष 25000 रुपये देने का वादा किया गया है। यह एक चुनावी हथकंडा है, और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 के तहत परिभाषित भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है। यह 1951 के प्रावधानों के तहत रिश्वत का प्रलोभन है। इसके बाद पत्र में कहा गया है कि यदी भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी फॉर्म गोगो दीदी योजना 'आपके दिशा-निर्देश के विरूद्ध नहीं है तो हमें भी "झामुमो सम्मान योजना" लागू करने की अनुमती दि जाय।

पार्टियों के बीच योजना चलाने की होड़ लगी

बता दें कि झारखंड में योजनाओं को लेकर पक्ष विपक्ष आमने सामने नजर आ रहा है। एक तरफ जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा की तरफ से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना चलाई जा रही है तो वहीं विपक्ष यानि भाजपा ने भी अपने घोषणापत्र में यह ऐलान कर दिया है कि अगर उनकी सरकार बनती है तो हर महिला को 2100 रुपये दिए जाएंगे। इसी के साथ अब जेएमएम सम्मान योजना की बात सामने आ गई है। जिसके तहत महिलाओं को हर साल 30 हजार रुपये दिए जाएंगे। हर महीने के 1 तारीख को 2500 रुपये दिए जाने की बात जेएमएम की तरफ से कही जा रही है।

सीएम हेमन्त सोरेन गए दिल्ली मल्लिकार्जुन खरगे से मिले

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बुधवार को दिल्ली पहुंचे। जहां पर वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके आवास पर मिले। मिली जानकारी के अनुसार सोरेन झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया एलायंस के बीच सीट शेयरिंग, सीटों की अदला-बदली और अन्य साथी दलों को सीट देने आदि मुद्दे पर बातचीत की। सोरेन अभी दिल्ली में हैं और कांग्रेस नेताओं से बातचीत जारी है। जानकारी के अनुसार झामुमो कांग्रेस को वर्तमान सीटिंग सीटों के अलावा गत विधानसभा चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे सीटों को देने को तैयार है। कांग्रेस की ओर से 33 सीटों की डिमांड इस बार है। अब देखना है कि किसे कितना सीट मिलता है। क्योंकि इंडिया एलायंस के दो अन्य सहयोगी दल राजद और माले को भी खुश और संतुष्ट करना है। यह भी संभव है कि पहले दौर की बातचीत के बाद फाइनल राजद एवं माले के साथ बैठकर किया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इंडिया गठबंधन का सीट शेयरिंग का पिक्चर क्लीयर हो जाएगी कि कौन कितने सीटों पर चुनाव लड़ेगा।

लातेहार में वज्रपात से चार मजदूरों की मौत, दो की हालत नाजुक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लातेहार : जिले के महुआडांड़ प्रखंड अंतर्गत ओरसा गांव में बुधवार को वज्रपात से चार मजदूरों की मौत गई जबकि दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में संजय नागाशिया (32), रवि शंकर नगेसिया (27), जितेंद्र लोहार (30) और लालू नगेसिया हैं।

जानकारी के अनुसार, सभी मजदूर मजदूरी कर लौट रहे थे। इसी दौरान ओरसा गांव के पास बारिश होने लगी। सभी मजदूर बारिश से बचने

के लिए एक पुलिया के नीचे जा छुपे। इसी दौरान वज्रपात हुआ और सभी लोग घायल हो गए। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस के सहारे सभी को महुआडांड़ अस्पताल लाया गया, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने चार मजदूरों को मृत घोषित कर दिया जबकि दो अन्य मजदूरों की स्थिति गंभीर बनी हुई थी।

इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक रामचंद्र सिंह तत्काल अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिलकर उन्हें हर संभव मदद देने की बात कही। सूचना पर थाना प्रभारी अवनीश कुमार ने भी अस्पताल पहुंचकर मृतक के परिजनों से पूरी घटना की जानकारी ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास पर कार्रवाई, पीडब्ल्यूडी ने किया सील

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास को लेकर घमासान तेज हो गया है। लोक निर्माण विभाग का दावा है कि यह मकान अरविन्द केजरीवाल के लिए आवंटित किया गया था। आधिकारिक रूप से खाली करते समय उन्हें विभाग को चाबी सौंपनी चाहिए थी, जिसके बाद नए मुख्यमंत्री को यह आवास आवंटित किया जाता। लेकिन जिस तरीके से आतिशी मालेर्ना मुख्यमंत्री आवास में दाखिल हुईं, उसके चलते मुख्यमंत्री आवास की चाबी को लेकर विजिलेंस विभाग ने भी नोटिस जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देने के बाद अरविन्द केजरीवाल ने 6 फ्लैगस्टाफ रोड़ स्थित सरकारी आवास खाली कर दिया था। उस दिन जाते समय मकान की चाबी मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने एक कर्मचारी को दी थी। नियमानुसार यह चाबी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को मिलनी चाहिए थी, जो नहीं मिली। बजाय इसके नव नियुक्त मुख्यमंत्री अचानक उस सरकारी आवास में रहने पहुंच गईं। इसी को लेकर विजिलेंस विभाग ने नोटिस जारी किया है।

दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी का कहना है कि उपराज्यपाल के निर्देश पर मुख्यमंत्री आवास से मुख्यमंत्री आतिशी का सारा सामान बाहर निकलवा दिया गया है। मुख्यमंत्री आवास को पीडब्ल्यूडी ने लॉक कर दिया है।

उल्लेखनीय यह भी है कि इस बंगले के निर्माण में की गई अनियमितताओं के मामले की भी जांच चल रही है। वैसे भी जब कोई मंत्री या मुख्यमंत्री कोई भी

आरबीआई ने लगातार 10वीं बार ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव, होम लोन नहीं होगा सस्ता

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार 10वीं बार नीतिगत ब्याज दरों में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया है। उसने 6.5 प्रतिशत पर कायम रखने का फैसला किया है। एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक के बाद बुधवार 9 अक्टूबर 2024 को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने रेपो रेट का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक उतार-चढ़ाव के बावजूद मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने और आर्थिक वृद्धि को गति देने में सफल रही है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने रुख को बदलकर तटस्थ करने का निर्णय किया।

बेहतर मानसून रहने पर घटेगी खाद्य महंगाई

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि बेहतर मानसून, पर्याप्त बफर स्टॉक की वजह से इस साल आगे खाद्य महंगाई में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि लचीले मौद्रिक नीति ढांचे को आठ साल पूरे हो गए हैं। यह प्रमुख संरचनात्मक सुधार है। महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े

अर्थव्यवस्था में मजबूत गतिविधियों के संकेत दे रहे हैं, बुनियाद मजबूत बनी हुई है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में निवेश का हिस्सा 2012-13 से सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने ब्याज दर को यथावत रखने के पक्ष में 5:1 से फैसला किया है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। घरेलू मांग में सुधार, कच्चे माल की कम लागत और सरकारी नीतियों से विनिर्माण क्षेत्र में तेजी आ रही है। इसके साथ चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति के 4.5 प्रतिशत रहने के अनुमान को भी बरकरार रखा गया है।

होम लोन की ईएमआई में नहीं आएगी कमी

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की ओर से रेपो रेट में बदलाव नहीं करने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में बदलाव की संभावना कम है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने पुनर्गठित मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सोमवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि एमपीसी ने नीतिगत दर को यथावत रखने का निर्णय किया है। समिति के छह सदस्यों में से पांच ने रेपो रेट को यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया।

ईएसआईसी रांची में खोलेगा मेडिकल कॉलेज रक्षा राज्यमंत्री के प्रस्ताव पर केंद्र की मुहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ के प्रयास से रांची में एक मेडिकल कॉलेज खोलने का रास्ता साफ हुआ है। ईएसआईसी के जरिये रांची में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा केंद्रीय श्रम एवं नियोजन मंत्री मनसुख भाई मंडवीय ने नई दिल्ली में की है।

रक्षा राज्य मंत्री बनने के तुरंत बाद नई दिल्ली में संजय सेठ ने मनसुख मांडवीय से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के क्रम में रक्षा राज्य मंत्री ने उन्हें बताया था कि रांची में ईएसआईसी का एक अस्पताल है, जिसे बड़ा रूप दिए जाने की

आवश्यकता है। रांची के ईएसआईसी अस्पताल पर झारखंड के विभिन्न संस्थाओं से जुड़े कर्मचारी आश्रित हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि अस्पताल विस्तृत रूप दिया जाए और अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

बातचीत के क्रम में रक्षा राज्य मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को मेडिकल कॉलेज खोलने से संबंधित प्रस्ताव पर भी विचार करने का आग्रह किया था। इसी आलोक में केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में ईएसआईसी के 194वें बैठक में कई घोषणा की है। इसमें रांची में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा भी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेडिकल सीटों को 75000 बढ़ाने पर जोर दिया था। इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना प्रधानमंत्री के उसी विचार से संबंधित है। इस घोषणा के बाद रक्षा राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार जताया है।

एक नजर

शहीद सुनील प्रसाद फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता का फाइनल आज

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के सेंड पंचायत अंतर्गत शिवादी फुटबॉल ग्राउंड में स्वर्गीय सुनील प्रसाद फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। इस खेल में कुल 32 टीमों ने भाग लिया है जिसका फाइनल मुकाबला आज शिवाजी फुटबॉल ग्राउंड में खेला जाएगा प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि बड़कागाँव विधानसभा के विधायक और अंबा प्रसाद होंगे। जिनके हाथों विजेता एवं उपविजेता के टीमों को प्रोत्साहन हेतु पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रमुख फुलवा देवी, बड़कागांव मध्य जीप सदस्य सुनीता देवी, अध्यक्ष सोहनलाल मेहता, उप प्रमुख वचन देव कुमार, सांढ़ पंचायत मुखिया सुलेखा देवी एंव पंसस उपेंद्र प्रसाद है। टूर्नामेंट के आयोजन कुशवाहा समाज शिवाडीह के द्वारा किया जा रहा है। खेल प्रेमियों से अध्यक्ष खिरोधर प्रसाद, सचिव वास्तव प्रसाद दाँगी , कोषाध्यक्ष मुकुल देव कुमार एवं खेल मंत्री टेकलाल प्रसाद ने अपील करते हुए कहा है कि क्षेत्र ज्यादा से ज्यादा खेल प्रेमी उपस्थित होकर इस फुटबॉल मैच के मुकाबले को देखें और लुत्फ उठाएं।

रावण दहन कार्यक्रम रद, प्रशासनिक स्वीकृति में देरी

हजारीबाग : डॉ. अमित सिन्हा ने सूचित किया कि कर्जन ग्राउंड, हजारीबाग में 12 अक्टूबर 2024 को आयोजित होने वाले रावण दहन कार्यक्रम को रद्द करना पड़ रहा है। लंबे इंतजार और सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बावजूद प्रशासनिक स्वीकृति अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा, यह सनातन विरोधी सरकार अकसर ऐसे आयोजनों के प्रति नकारात्मक रवैया अपनाती है। हमने इस कार्यक्रम के लिए सभी तैयारियों को पूरा किया था, लेकिन प्रशासनिक स्वीकृति में देरी ने हमें मजबूर कर दिया है। उन्होंने आगे बताया कि रावण बनाने वाले कारीगरों ने भी समय की कमी के कारण काम करने में असमर्थता जताई है, जिससे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करना असंभव हो गया है। डॉ. सिन्हा ने प्रशासनिक अड़चनों को लेकर गहरा खेद व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजनों में बार-बार की जाने वाली देरी सरकार की सनातन विरोधी मानसिकता को दशार्ती है। यह आयोजन न केवल धार्मिक भावनाओं से जुड़ा था, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रतीक था, जिसे बिना किसी ठोस कारण के रद करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

शेफाली गुप्ता धार्मिक सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में हुईं शामिल

हजारीबाग : भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने दिन बुधवार को अपनी दौरा की शुरूआत शहर के गडिखाना चौक में डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल होकर किया। यहां स्थानीय लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा नमन किया। उनके जीवन संघर्षों को प्रकाश डालकर आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित की। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ. अम्बेडकर भारतीय संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने विविधता लिए भारत देश को एक मजबूत किया साथ सभी महिलाओं और पुरुषों को अच्छी शिक्षा लेकर आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया है।

डीएमएफटी से स्वास्थ्य सेवाओं में किए गए सार्थक प्रयास ला रहे हैं रंग

डीएमएफटी मद के सदुपयोग से हर क्षेत्र में हो सकता है विकास : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : डीएमएफटी मद से जिला के स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त नैंसी सहाय द्वारा किए गए सार्थक प्रयास अब रंग ला रहे है। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के ऑथोर्पेडिक विभाग में अब तक कुल 49 हिप रिप्लेसमेंट (कूल्हा प्रत्यारोपण) और 21 टोटल नी रिप्लेसमेंट (घुटना प्रत्यारोपण) के ऑपरेशन किए गए हैं। पहले इस तरह के ऑपरेशन की सुविधा रांची और बड़े शहरों में ही उपलब्ध थी। डीएमएफटी की ओर से ऑथोर्पेडिक विभाग में सभी सुविधाओं वाला आधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर बनवाया गया है, ताकि हजारीबाग और आसपास के जिलों के लोगों को हड्डी से संबंधित सभी तरह के इलाज की सुविधा शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में ही मिल सके। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल,हजारीबाग के गायनोकोलॉजी विभाग में इस वर्ष सितंबर तक सफलता पूर्वक 301 सिजेरियन ऑपरेशन और 500 से अधिक नॉर्मल डिलीवरी हुई है जो निश्चय ही उल्लेखनीय कार्य है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा जिले के कई स्वास्थ्य केंद्र सम्मानित भी हुए है। मैटर्निटी ओटी और लेबर रूम प्रमाणीकरण प्रक्रियाधीन हैं। सभी दस्तावेजीकरण किया जा रहा है और आंतरिक मूल्यांकन में दोनों विभागों का स्कोर 80% से अधिक है। डीएमएफटी मद से दोनों विभागों का नवीनीकरण किया है एवं गायनोकोलॉजिस्ट, स्टाफ नर्स,ओटी सहायक और पैरामेडिक्स आदि रिक्त पदों पर कर्मी उपलब्ध कराए गए है। उपायुक्त और उप विकास आयुक्त के द्वारा सीएसआर फंड का उपयोग करके पूरी तरह से सुसज्जित आधुनिक मॉड्यूलर ओटी का निर्माण कराया जा रहा हैं ताकि हजारीबाग और आसपास के जिलों के लोगों को गायनोकोलॉजी से संबंधित उपचार शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में ही मिल सके। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग के ईएनटी विभाग में ईएनटी से संबंधित 28 बड़े ऑपरेशन किए गए, जिनमें टिम्पेनोप्लास्टी, मास्टोइडेक्टोमी, राइनोलिथ, प्रीऑरिकुलर साइनस और थायरोग्लोसल सिस्ट शामिल हैं। डीएमएफटी मद से ईएनटी विभाग में एक ईएनटी विशेषज्ञ, स्टाफ नर्स और ऑडियोलॉजिस्ट की व्यवस्था की है, ताकि हजारीबाग और आसपास के जिलों के लोगों को ईएनटी से संबंधित बड़े ऑपरेशन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग में उपलब्ध हो सकें।

विधायक के प्रयास से आजादी के बाद चौपारण को मिला डिग्री कॉलेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

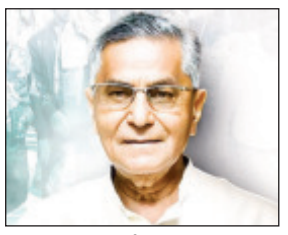

चौपारण : बरही विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला क्षेत्र के चिर परिचित मांगो को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। चौपारण में डिग्री कॉलेज नहीं होने के कारण यहां के बच्चों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। गरीब परिवार के बच्चे आर्थिक तंगी और दूरी के कारण पढ़ाई को बीच में छोड़ने को मजबूर हो जाते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि बरही विधायक उमाशंकर अकेला के प्रयास से आजादी के 74 वर्षो बाद प्रखण्ड को डिग्री कॉलेज मिल गई। डिग्री कॉलेज निर्माण को लेकर झारखंड कैबिनेट ने 37 करोड़ 85 लाख 20 हजार की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी है। इसके बाद बहुत जल्द ही भवन का निर्माण शुरू होगा। और जल्द ही पढ़ाई शुरू होगी। वहीं प्रखण्ड के पंचायत भगहर में ग्राम परसातरी में ढ़ाढर नदी पर चौदह करोड़ उनहत्तर लाख सताइस हजार नौ सौ रुपये की लागत से पुल निर्माण की भी मंजूरी ग्रामीण कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग अंतर्गत मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजनान्तर्गत पुल परियोजना से प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। इससे झारखंड बिहार में आवागमन बिल्कुल आसान हो जाएगा। विधायक उमाशंकर अकेला ने बताया कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयासरत हूँ और हर बार नई गाथा लिख रहा हूँ और जो भी अबतक अधूरे रह गए हैं उसे भी जल्द ही पूरा करने का प्रयास कर रहा हूँ।

हरली में 33 करोड़ की लागत से डिग्री कॉलेज बनेगा : अंबा प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के नेतृत्व में बड़कागांव विधानसभा के विकास के अध्याय में एक ऐतिहासिक आयाम जुड़ गया। बड़कागांव के हरली में डिग्री कॉलेज निर्माण कार्य की स्वीकृति कैबिनेट से प्राप्त हो गई है। उक्त आशय की जानकारी विधायक अंबा प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दिया है। उन्होंने आगे बताया कि प्रखंड क्षेत्र के हरली पंचायत अंतर्गत हाई स्कूल के बगल में लगभग 33 करोड़ की लागत से डिग्री कॉलेज का निर्माण होगा। विधायक अंबा प्रसाद द्वारा लगातार किए गए मेहनत के बाद यह कार्य सफल हो पाया है। हरली में बनने वाले डिग्री कॉलेज में एकेडमिक एडमिन ब्लॉक स्टाफ क्वार्टर, लाइट की उत्तम व्यवस्था, फुटबॉल ग्राउंड क्रिकेट ग्राउंड वॉलीबॉल कोर्ट बास्केटबॉल कोर्ट समेत सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होगी। बड़कागांव में बनने वाला डिग्री कॉलेज विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग अंतर्गत हजारीबाग जिले के बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में पहले पूर्ण रूप से सरकारी महाविद्यालय होगा उक्त कार्य झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा कराया जाएगा। विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि आज मुझे आप सबको यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि बड़कागांव में डिग्री कॉलेज निर्माण कार्य को झारखंड कैबिनेट से स्वीकृति मिल गई है।

मुन्ना सिंह ने कटकमदाग प्रखंड के दुर्गा पूजा पंडालों का किया भ्रमण, कहा- मां दुर्गा हम सब पर बनाए रखें आशीर्वाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने आज कटकमदाग प्रखंड के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सार्वजनिक पूजा समिति बानादाग, दुर्गा पूजा समिति कुसुंभा, दुर्गा पूजा समिति अडरा, दुर्गा पूजा समिति सुल्ताना, दुर्गा पूजा समिति मैयातु और सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति पकरार इत्यादि का अवलोकन किया। मुन्ना सिंह ने पूजा समितियों के आयोजनों की सराहना की और कहा कि दुर्गा पूजा का यह पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, नवरात्रि के इस पावन अवसर पर मेरी यही मंगलकामना है की मां दुर्गा हम सब पर आशीर्वाद बनाए रखें। जिया प्रकार मां दुर्गा बुराई का विनाश करके संसार में अच्छाई स्थापित करती हैं, उसी प्रकार हम सब को भी अपने भीतर के बुराई का वध करना चाहिए। इस अवसर पर कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। जिनमें जानकी प्रसाद, सुजीत सिंह, पप्पू सिंह, दिनेश यादव, रंजीत यादव, उपेन्द्र कुशवाहा, अजय कुमार, दिनेश्वर यादव, अशोक यादव, सुनील यादव, पूर्व मुखिया गणेश टूरी, पप्पू यादव, प्रकाश यादव, रविंद्र यादव, प्रभु यादव, अनिल यादव, बालेश्वर प्रजापति, संतोष प्रजापति, धीरेंद्र दुबे, तारकेश्वर प्रसाद, नवल किशोर महतो, पूरन महतो, दुखन महतो, कमल महतो, जानकी महतो, करण प्रसाद, पप्पू कुमार, ज्योतिष कुमार, शशि कुमार महतो, रीवा प्रसाद महतो, नीरज सिंह और दिलेश्वर प्रसाद महतो शामिल थे। इस भ्रमण के दौरान सभी ने दुर्गा पूजा के आयोजन में श्रद्धा और भक्ति के साथ भाग लिया और मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

मुखिया संघ के अध्यक्ष ने इलेक्ट्रॉनिक एंड सेनेटरी दुकान का किया उद्घाटन

बड़कागांव : बड़कागांव टंडवा रोड सूर्य मंदिर के समीप आरुषि इलेक्ट्रॉनिक एंड सेनेटरी दुकान का उद्घाटन किया गया। सेनेटरी दुकान का उद्घाटन बड़कागांव मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार ने विधिवत फीता काटकर किया। प्रोपराइटर शिव शंकर कुमार उर्व शिबू ने बताया कि हमारे यहां सारे इलेक्ट्रॉनिक एवं सेनेटरी के समान उचित मूल्य पर उपलब्ध है। मौके पर मुख्य रूप से मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार, दीपक कुमार, उप मुखिया सत्यदेव कुमार, राकेश कुमार, गोरा अश्विनी कुमार, उपेंद्र कुमार, कुंदन कुमार, दशरथ महतो, सरवन कुमार, गौतम कुमार, पन्नू महतो, रोहित महतो, शिव शंकर कुमार आदि उपस्थित थें।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में नवरात्रि पर गरबा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : आईसेक्ट विश्वविद्यालय हजारीबाग के मुख्य कैंपस सभागार में बुधवार को नवरात्रि गरबा का आयोजन आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद विश्वविद्यालय के प्राध्यापक - प्रध्यापिकाओं व कर्मियों के अलावा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जमकर डांडिया नृत्य किया। इस कार्यक्रम में 50 से भी अधिक वैसे प्रशिक्षणार्थियों को भी शामिल किया गया था, जो आईसेक्ट विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित निः शुल्क डांडिया कार्यशाला के हिस्सा थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि दुर्गोत्सव के मौके पर डांडिया और गरबा का आयोजन किया जाता है। दरअसल यह त्यौहार हमें यह सीख देता है कि अधर्म चाहे कितना भी बलशाली क्यों न हो, एक दिन वह धर्म के आगे घुटने जरूर टेकता है। उन्होंने बताया कि नवरात्रि में डांडिया और गरबा का विशेष महत्व होता है। साथ ही कहा कि ऐसे आयोजन से धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है और भाईचारे का संदेश भी फैलता है। बता दें कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जय अम्बे जगदम्बे मां गीत पर आकर्षक डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद राम आएंगे, शहनाई-शहनाई, अंगना पधारो महारानी शारदा भवानी जैसे गीतों के शानदार प्रस्तुति पर सभी मौजूद लोगों के पांव जमकर थिरके। इस दौरान विद्यार्थियों ने अलग-अलग ग्रूप बनाकर पूरे जोश के साथ गरबा और डांडिया नृत्य की प्रस्तुति दी। रंग-बिरंगे परिधानों से सजे छात्र-छात्राएं जब भक्तिमय संगीत के साथ डांडिया और गरबा किया तो पूरा विश्वविद्यालय परिसर में भक्तिमय माहौल बन गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ प्रीति व्यास, कुमारी सीमा, डॉ रोजीकांत, डॉ रितेश कुमार, डॉ अरविंद कुमार, रविकांत, सबिता कुमारी सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं व कर्मियों में डीन एकेडमिक डॉ एम के मिश्रा, सहायक कुलसचिव ललित मालवीय, एचआर राज तिवारी, एएफओ सौरभ सरकार, पीआरओ मो शमीम अहमद, माधवी मेहता, डॉ पूनम चन्द्रा मुकेश कुमार, विशाखा बाला, राहुल राजवार, पंकज प्रज्ञा, नागेश्वरी कुमारी, डॉ गीता कुमारी, डॉ जयदीप सन्याल, एसएनके उपाध्याय, सबा प्रवीण, डॉ दीपा गोस्वामी, संजय कुमार दांगी, डॉ ओमप्रकाश दास, डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, फरहीन सिद्दीकी, प्रतिभा हेंब्रम, उदय रंजन, प्रभात कुमार, राहुल कुमार, विजय लाल, प्रीति वर्मा, शुभा कुमारी, रोहित राणा, मनोज कुमार, शिवांजली के अलावा विद्यार्थियों में क्रांति, सुहानी, शहनवाज, काजल, विद्या, सचिन, ऋतिक, आर्यन, पम्मी सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बालू से भरे ट्रैक्टर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दुर्घटना में युवक घायल

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरियाकर्मा के निचितपुर टोला के पास एक सड़क दुर्घटना में प्रकाश कुमार भुइयां पिता ननकु भुइयां गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब बालू से भरी गाड़ी जिसे बिना लाइसेंस वाले युवक चला रहे थे, तेज गति में बाइक को ओवरटेक करने का प्रयास कर रही थी। जानकारी के अनुसार निचितपुर घाट से बालू उठाकर यह गाड़ी तेज गति से जा रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि गाड़ी में बैठे युवक बिना लाइसेंस और तेज रफ्तार में वाहन चला रहे थे, जिसके कारण यह हादसा हुआ। बाइक सवार प्रकाश कुमार जो उधर से आ रहे थे इस दुर्घटना का शिकार हो गए। ग्रामीणों के सहयोग से घायल युवक को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि अवैध रूप से बालू की तस्करी को रोका जाए और ऐसे वाहनों एवं चालको पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। बरही क्षेत्र में अवैध बालू खनन की गतिविधियां तेजी से चल रही हैं। एनजीटी के दिशा-निर्देशों के बावजूद बालू घाट से खुलेआम अवैध रूप से बालू का उठाव हो रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता और नाराजगी बढ़ रही है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कुछ लोग नियमों की अनदेखी कर बिना किसी अनुमति के घाट से बालू निकाल रहे हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं और पर्यावरण भी प्रभावित हो रहा है। हाल ही में हुई एक दुर्घटना में बालू से भरे ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि अवैध बालू खनन पर कड़ी कार्रवाई की जाए और उन लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं जो नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि यह स्थिति इसी तरह जारी रही, तो न केवल दुर्घटनाएं बढ़ेंगी, बल्कि पर्यावरण पर भी बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से समाधान की मांग की है ताकि क्षेत्र की सुरक्षा और पर्यावरण की रक्षा की जा सके।

हरियाणा में प्रचंड जीत पर भाजपा नेता बटेश्वर प्रसाद मेहता ने दी बधाई

हजारीबाग : भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बटेश्वर प्रसाद मेहता ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर हरियाणा भाजपा सहित केंद्रीय नेतृत्व को बधाई देते हुए कहा कि जैसे देश के लोगों ने विकासवाद को अपनाते हुए लगातार तीसरी बार माननीय नरेंद्र मोदी को जनमत देते हुए केंद्र में मजबूत सरकार बनाया उसी तरह हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी हरियाणा के लोगों ने भाजपा पर विश्वास जताते हुए लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत दिया आगे उन्होंने कहा कि भाजपा विकास की राजनीति करने वाली पार्टी है विपक्षी पार्टी के लोग के द्वारा चुनावों में जो घोषणा करती है उसे पूरा नहीं कर पाती है और पूरे कार्यकाल भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे रहते हैं जिसे देश की जनता समझ चुकी है आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव पर श्री मेहता ने कहा कि जैसे हरियाणा ने भाजपा को प्रचंड बहुमत दिया वैसे ही झारखंड में भी भाजपा की मजबूत सरकार बनेगी और हमारा झारखंड विकास की मार्ग पर आगे बढ़ेगा ।

सलगा में मशहूर भक्ति गायिका सहनाज अख्तर के भजनों पर झूमे भक्त

केरेडारी : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सलगा के सियानी मैदान में पिछले वर्ष कि भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा समिति द्वारा मशहूर भक्ति गायक शहनाज अख्तर का भक्ति जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत फीता काट कर व दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद उप प्रमुख अमेरिका महतो मुखिया पार्वती देवी पंचायत समिति सदस्य मीना देवी ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम को विधायक अंबा प्रसाद आजसू पार्टी के बड़कागांव विधान सभा प्रभारी रौशन लाल चौधरी जेएलकेएम के वरिष्ठ नेता बालेश्वर कुमार ने संबोधित किया। जागरण कार्यक्रम में उपस्थि महिला पुरुष भक्त रात में शहनाज अख्तर के भजनों पर झूमते रहे। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित होकर थाना प्रभारी अजीत कुमार ने विधि व्यवस्था से लोगों को अवगत कराया। इस मौके पूजा समिति अध्यक्ष कुंवर प्रसाद साहू सचिव राजेंद्र कुमार महतो, कोषाध्यक्ष बलराम साव, विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव आजसू नेता पंकज साहा भोला महतो कंचन यादव भाजपा कार्यकर्ता जयराम साव सलगा के मुखिया पार्वती देवी पंचायत समिति मीना देवी उप मुखिया जागेश्वर कुमार महतो भोला महतो, बिनोद कुमार राम, मुखिया पति जगनारायण राम सुबोध कुमार साव, टिकेश्वर साव, प्रमोद कुमार साव, कृष्ण कुमार महतो, रविंद्र कुमार महतो, प्रदीप महतो, विष्णु कांत राम, संजय कुमार दास, पवन दास, समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष मौजूद थे।

बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा भव्य पंडाल का हुआ उद्घाटन

हजारीबाग : बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन समारोह अत्यंत धूमधाम से आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह से पूर्व बंगाल से पहुंचे पुजारी के द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया,उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महासमिति के संरक्षक गणेश गोप रहे, जिन्होंने विधिवत रूप से पंडाल का फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके पश्चात पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अंग वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत व अभिनंदन किया।माता रानी की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना के साथ शुभारंभ हुआ, और पट खुलते ही भक्तों में अद्वितीय उत्साह के साथ भक्ति की लहर दौड़ गई। उद्घाटन के अवसर पर गणेश गोप ने कहा बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति हर वर्ष विशेष समर्पण के साथ भव्य आयोजन करती है, और यह परंपरा हमारे समाज को एकजुट करती है। माता रानी का आशीर्वाद सभी के लिए मंगलकारी हो। इस दौरान कई संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे वातावरण में भक्ति और आनंद का माहौल रहा। महासमिति के सचिव दीप नारायण निषाद ने कहा कि इस अवसर पर कहा, हमारा लक्ष्य हर साल पूजा के अनुभव को बेहतर बनाना है। इस बार पंडाल की थीम और सजावट कुछ विशेष है,हम सभी श्रद्धालुओं से अपील करते हैं कि वे माता रानी के आशीर्वाद का लाभ उठाएं और सभी नियमों का पालन करते हुए आयोजन को सफल बनाएं। पूरे आयोजन को सफल बनाने के लिए महासमिति के सभी सदस्यों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक नजर

सही समय पर नहीं मिली एंबुलेंस, बुजुर्ग की मौत

रांची : रांची में सही समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने से एक व्यक्ति की इलाज के अभाव में हार्ट अटैक से मौत हो गयी। यह घटना करम टोली चौक की है। एक बुजुर्ग व्यक्ति को बुधवार की सुबह हार्ट अटैक आया। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने एंबुलेंस को कॉल किया लेकिन सही समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पायी। इसके बाद उस व्यक्ति को ऑटो से नजदीकी अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। इस मामले में 108 एंबुलेंस सर्विस के आपरेशन हेड विक्रम चक्रवर्ती ने बताया कि ऐसी कोई जानकारी तो फिलहाल नहीं है। एंबुलेंस कॉल आते ही पहुंचती है। इस मामले की जानकारी ली जा रही है कि लापरवाही कहां हुई है।

ओम प्रकाश गुप्ता बने योजना और विकास विभाग के अवर सचिव

रांची : राज्य सरकार ने दो आईएएस अधिकारियों के तबादले किए है। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने मंगलवार देर रात अधिसूचना जारी की है। जारी अधिसूचना के अनुसार बोकारो के चास के अनुमंडल पदाधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता को स्थानांतरित करते हुए योजना एवं विकास विभाग का अवर सचिव बनाया है। साथ ही पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर के अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढ़ाडा को बोकारो के चास का अनुमंडल पदाधिकारी बनाया गया है।

रांची हिंसा मामले में तीन और आरोपी के खिलाफ आरोप तय

रांची : राजधानी रांची में 10 जून को हुई हिंसा से जुड़े एक मामले में तीन और आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किया गया है। अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने बुधवार को नवाब चिस्ती उर्फ समद, शकील उर्फ कारू और नदीम अंसारी पर आरोप तय किया गया है। मामले में अब अभियोजन पक्ष की ओर से गवाही कराई जाएगी। मामले में पूर्व से 11 आरोपित ट्रायल फेस कर रहे हैं। इसमें मो. अफसर, मो. शाहबाज, मो. उस्मान उर्फ करण कच्छप, मो. तबारक कुरैशी, अफसर, अरमान हुसैन, मो. रमजान, मो. अमजद, मो. माज, मो. सरफराज एवं मो. इरफान अंसारी शामिल है। रांची हिंसा मामले में अलग-अलग थानों में 48 से अधिक मामले दर्ज हैं। इसमें सिर्फ एक मामले (डेली मार्केट कांड संख्या 17/2022) की जांच सीआईडी ने की है जबकि अन्य मामलों में भी ट्रायल जारी है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल कैद की सजा और जुर्माना

रांची : पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने बुधवार को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के मामले में दोषी युवक प्रभुनाथ लोहरा उर्फ टुप्पा लोहरा को 20 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उस पर 15 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर उसे अलग से सजा काटनी होगी। अदालत ने पिछले सप्ताह आरोपित को मामले में दोषी करार दिया था। वह बेड़ो निवासी है। घटना को लेकर पीड़िता की मां ने 27 मई, 2020 को बेड़ो थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। लोहरा ने खेल रही नाबालिग को सुनसान जगह पर ले जाकर घटना का अंजाम दिया था। साथ ही धमकी दी थी कि घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मार देंगे।

ऊर्जा उत्पाद निगम के खाते से 109 करोड़ रुपये की फर्जी निकासी की सीबीआई जांच हो : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। मरांडी ने राज्य के मुख्यमंत्री सह ऊर्जा मंत्री को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि हेमंत सरकार में झारखंड ऊर्जा उत्पाद निगम लिमिटेड के खाते से 109 करोड़ की फर्जी निकासी हुई है, जो गंभीर आर्थिक अपराध है। मरांडी ने कहा कि कुछ अधिकारियों पर केस दर्ज कराकर राज्य सरकार फर्जी निकासी मामले में सीआईडी जांच करने का नाटक कर रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार में सीआईडी जांच की विश्वसनीयता हमेशा शक-सवालों के घेरे में रही है? सीआईडी जांच करा के सरकार क्या बड़ी मछलियों को बचाने का प्रयास कर रही है? उन्होंने कहा कि अरबों रुपये की धोखाधड़ी एवं इसके तार दूसरे राज्यों से जुड़े होने के उद्भेदन के लिए राज्य सरकार अविलंब उक्त मामले की जांच सीबीआई को सौंपे। मरांडी ने कहा कि राज्य में बैंक कर्मियों और अधिकारियों के साथ मिलकर भ्रष्टाचारियों ने बड़े पैमाने पर बिजली विभाग में सुनियोजित तरीके से भ्रष्टाचार को अंजाम दिया है। झारखंड में यह नया मामला नहीं है, बल्कि इससे पहले भी मिड-डे मील

योजना में ठीक इसी तरह का घोटाला सामने आ चुका है। उन्होंने कहा कि अनौपचारिक रूप से अधिकारियों से हुई बातचीत में यह पता चल रहा है कि करीब 500 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी संपत्ति का गबन घोटालेबाजों एवं भ्रष्टाचारियों द्वारा किए जाने की संभावना है, जो राज्य सरकार की भ्रष्ट नीतियों और लचर प्रशासन का परिणाम है। मरांडी ने कहा कि पूरी घटना को क्रमबद्ध तरीके से देखें तो यह बात स्पष्ट होती है कि झारखंड के दूसरे विभागों में भी इस तरह की घोटाले हुए होंगे, जो सामने आने बाकी हैं। इसमें बैंक अधिकारी, कर्मचारी तथा दूसरे राज्य के लोग भी मिले हुए हैं। इसलिए इसकी जांच सीआईडी या झारखंड पुलिस के बस की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि विभाग के मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री ने इस मामले की तुरंत सीबीआई से जांच नहीं कराई तो यह स्पष्ट होगा कि सरकार खुद इस घोटाले को दबाने और दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है। मरांडी ने कहा कि बिना विलंब किए इस मामले की जांच सीबीआई को हस्तांतरित करना चाहिए ताकि घोटाले में घोटालेबाजों के साथ इस षड्यंत्र में शामिल लोगों का खुलासा हो सके। उन्होंने कहा कि यह भी साफ पता चल रहा है कि ये मनी लॉन्ड्रिंग का भी मामला है। इसलिये ईडी के निदेशक से अनुरोध है कि इस मामले को हाथ में लेकर तुरंत जांच शुरू करे।

पुलिस ने दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी पुलिस ने दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए आम लोगों से अपील की है। रांची पुलिस ने बुधवार को अपील करते हुए कहा है कि दुर्गा पूजा के दौरान सभी नागरिकों से अनुरोध है कि आपसी भाईचारा बनायें रखें। किसी भी प्रकार का सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न करने वाली गतिविधियों से बचें और सौहार्दपूर्ण वातावरण का समर्थन करें। रांची पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक, तथ्यहीन या आपत्तिजनक पोस्ट, फोटो, वीडियो और संदेशों को साझा करने से पूरी तरह बचें। ग्रुप एडमिन भी सुनिश्चित करें कि उनके ग्रुप में किसी प्रकार की गलत जानकारी या

आपत्तिजनक सामग्री साझा न हो। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और ऐसी जानकारी प्राप्त होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। किसी भी प्रकार की गलत सूचना या अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध रांची पुलिस के जरिये सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी। इसलिए जिम्मेदारी से सोशल मीडिया का उपयोग करें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। शहर में किसी भी प्रकार के डीजे बजाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। इससे न केवल ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किया जाएगा, बल्कि सार्वजनिक शांति भी बनी रहेगी। पंडाल भ्रमण के दौरान अपने बच्चों के पॉकेट में अभिभावक का नाम, पता और मोबाइल नंबर लिखकर अवश्य डाल दें। अपनी गाड़ी को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही पार्क करें। साथ ही शराब और नशीले पदार्थ का सेवन कर वाहन न चलायें।

रांची में 11 पुलिस पदाधिकारियों के तबादले

तबादला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिलाबल में पदस्थापित 11 पुलिस पदाधिकारियों का एसएसपी ने बुधवार को तबादला किया है। इससे संबंधित आदेश जारी कर दी गई है। जारी आदेश के अनुसार नगर नियंत्रण कक्ष में पदस्थापित इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो को डोरंडा थाना प्रभारी बनाया गया है। डोरंडा थाना प्रभारी के पद पर पदस्थापित आनंद किशोर को नगर नियंत्रण कक्ष, बीआईटी मेसरा ओपी प्रभारी के पद पर पदस्थापित एसआई रोशन कुमार सिंह को कांके थाना, खादगढ़ा टीओपी प्रभारी एसआई संजीव कुमार को मेसरा ओपी प्रभारी, मुरी ओपी में पदस्थापित एसआई दिवाकर कुमार को खादगढ़ा टीओपी प्रभारी, एदलहातु टीओपी प्रभारी के पद पर पदस्थापित एसआई टिंकू रजक को कांके थाना, एसआई पूजा विभूति उरांव को एदलहातु टीओपी प्रभारी, एसआई चूड़ामणि टुडू को टाटीसिलवे थाना, उदय कुमार को सिल्ली थाना, एएसआई सुरेंद्र प्रसाद को कांके थानाऔर एएसआई जुल्फिकार अली को रातु थाना में पदस्थापित किया गया है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने जोड़ा तालाब सौंदर्यीकरण का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और कांके विधायक समरी लाल ने संयुक्त रूप से बरियातू जोड़ा तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का बुधवार को शिलान्यास किया। जोड़ा तालाब सुंदरीकरण का कार्य कई वर्षों से स्थानीय लोग सौंदर्य करण कार्य कराने कि मांग कर रहे थे। मौके पर सेठ ने कहा कि जोड़ा तालाब में लोक आस्था का महापर्व छठ कई वर्षों से भव्य रूप से मनाया जा रहा है। छठ व्रतधारियों का एवं जोड़ा तालाब निवासियों का कई वर्ष का मांग आज पूरी हो रही है। यह काम जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। सेठ की अनुशंसा पर सीसीएल का सीएसआर फंड से यह कार्य कराया जाएगा। सौंदर्यीकरण हो जाने से छठ व्रतधारियों को महाछठ पर्व करने में सुविधा होगी। तालाब में नाली का गंदा पानी का बहाव हो रहा था, जिसे देखकर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ एवं विधायक समरी लाल ने नाराजगी जताई है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि तालाब को साफ सुथरा बनाकर रखें और गंदे पानी को तालाब में न जाने दे। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रकाश चंद्र सिन्हा, हरिनंदन शर्मा, रामाशीष सिंह, रवि पाठक, विपिन सिंह, लोटन चौधरी, रणधीर सिंह, सुनील शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

रांची में 65 फीट के रावण का होगा दहन, मुंबई से आए आतिशबाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची: शारदीय नवरात्र के मौके पर रांची में भव्य पंडालों की सजावट के साथ-साथ पंजाबी हिंदू बिरादरी द्वारा दशहरा और रावण दहन कार्यक्रम की तैयारियां भी जोरों पर हैं। यह आयोजन 1948-49 से लगातार मोरहाबादी मैदान में आयोजित किया जा रहा है। बिहार के गया जिले से आए कारीगर मोहम्मद मुस्लिम और उनके सहयोगी द्वारा रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद का पुतला बनाया जा रहा ह। बता दें कि 10 अक्टूबर को ये पुतले कडरू के लाला लाजपत राय मध्य विद्यालय से मोरहाबादी मैदान लाए जाएंगे. 12 अक्टूबर की शाम मोरहाबादी मैदान में लंका दहन होगा। पंजाबी हिंदू बिरादरी के राजेश खन्ना ने बताया कि इस बार 65 फीट ऊंचा रावण, 60 फीट का कुंभकर्ण और 55

फीट का मेघनाद का पुतला बनाया जा रहा है। रावण का कपड़ा आकर्षक और वाटरप्रूफ होगा, ताकि खराब मौसम में भी दहन कार्यक्रम प्रभावित न हो। आतिशबाजी होगी बेहद मनभावन इस बार विशेष आतिशबाजी का आयोजन मुंबई से आई एक टीम द्वारा किया जाएगा। सभी पटाखे और फुलझड़ियां रिमोट संचालित होंगी। लंका दहन के दौरान परंपरागत गीत-संगीत का प्रदर्शन भी किया जाएगा। साथ ही, एक 3030 फीट की स्वर्ण नगरी बनाई जाएगी, जिसका दहन रामभक्त हनुमान रूपी कलाकार करेंगे। इस भव्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन होंगे, जो रावण के पुतले का दहन करेंगे। वहीं, रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ कुंभकर्ण का और पूर्व मंत्री सह विधायक सीपी सिंह मेघनाद का पुतला दहन करेंगे। इस बार का रावण दहन कार्यक्रम बेहद खास होने वाला है, और सभी के लिए एक यादगार अनुभव बनाने की तैयारी है।

दुर्गा पूजा महोत्सव बेलवरण पूजा के साथ शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : तीन दिवसीय पूजा का उद्घाटन, श्रवण कुमार वर्मा, कार्यपालक निदेशक, सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी (सेट), सेल , श्री वेद प्रकाश, कार्यपालक निदेशक, (डी. टी.), सेल , एस. के.कार, कार्यपालक निदेशक, लौह एवं इस्पात का अनुसंधान केंद्र (आर डी सी आई, एस), सेल, शशि वशिष्ठ, मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रभारी, सेल सुरक्षा संगठन (एस एस ओ), सेल द्वारा संयुक्त रूप से माता के भक्तों के सामने किया गया। इस अवसर पर, पूजा समिति के अध्यक्ष, सर्वश्री अनिल कुमार मिस्त्री, उपाध्यक्ष,सर्वश्री, सलीम भट्टाचार्य, राजू जयसवाल, संजीव कुमार, विष्णु कुमार दास, महासचिव, सर्वश्री आनन्द त्रिवेदी, एवं सचिन कुमार, कोषाध्यक्ष, मिथिलेश कुमार सिंह, संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री बसंत कुमार साहू,

आडिटर श्री आलोक कुमार, कार्यकारणी सदस्य सर्वश्री संजयशील कुमार, आर आर चौधरी, डा बबलू घोष, एस एक मजुमदार सुरेश प्रसाद, आलोक मिश्रा, सोमनाथ,अवधेश प्रसाद, मनोज कुमार सिंह, ,रविन्द्र प्रसाद दूबे, आनन्द तिवारी, कैप्टन आर के झा एम कालेत अन्य लोगों के के साथ हजारों की संख्या में माताराणी भक्त उपस्थित थे। इसी के साथ, तीन दिवसीय दुर्गा पूजा का प्रारंभ हुआ। जैसे ही माता के दरबार का पट खुला तो माताराणी की जयकारा लगाते हुए माँ का दर्शन करते हुए आगे बढते रहे। पूरा पण्डाल क्षेत्र में नवरत्री का उत्साह और श्रद्धा वातावरण दिखाई दिया। पूजा पंण्डाल और आसपास जगमग जगमग हो उठे। आयोजन समिति के महासचिव सचिन कुमार और आनन्द त्रिवेदी ने बताया कि इस वर्ष पौराणिक मंदिर की तर्ज पर माता का पण्डाल कुशल कारीगरों द्वारा बनाया गया है। पूजा पण्डित की ऊंचाई 50 फीट एवं चौड़ाई 55 फीट है। प्रवेश द्वार पर, दोनों ओर नक्काशीदार खंभों, की श्रृंखलाओं के उपर, चौकोर अट्टलिकाएं, बनाकर गोल गुंबदों, का आकार बनाया गया है। पण्डित के गर्भगृह में मां दुर्गा की 15 फीट विशाल प्रतिमा शोभायमन हो रहा है। रांची के प्रसिद्ध मूतीर्कार अजय पाल द्वारा माता रानी का भव्य प्रतिमा बनाया गया है। पूजा महोत्सव में महा षष्ठी से लेकर विजयादशमी तक विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें बच्चो का नृत्य और चित्रकारी, महिलाओं की रंगोली, गरबा डांडिया, धुनुची नृत्य एवं ढ़ाक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। महानवमी की रात्रि में भजन, झांकी एवं नृत्य से सुसज्जित जागरण का आयोजन किया गया है।

दुर्गा पूजा के मद्देनजर 15 तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टी रद

रांची : दुर्गा पूजा को लेकर झारखंड में सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गयीं हैं। पुलिस मुख्यालय ने बुधवार को बताया कि 15 अक्टूबर तक सभी पुलिस पदाधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। इस संबंध में डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर आईजी अभियान एवी होमकर ने आदेश जारी किया है। झारखंड के सभी 24 जिलों के एसपी, एसएसपी, रेंज के डीआईजी, आईजी ओर पुलिस के अन्य विंग के समादेष्टा और प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य को यह आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार दुगार्पूजा के अवसर पर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संधारण के लिए काफी संख्या में बलों की प्रतिनियुक्ति विभिन्न जिलों में की गई है। इस अवसर पर आकस्मिकता के मद्देनजर सभी प्रकार का अवकाश 15 अक्टूबर तक स्थगित किया जाता है। विशेष परिस्थिति में संबंधित एसपी, रेंज के डीआईजी ओर आईजी ही अवकाश स्वीकृत करेंगे। इसके अतिरिक्त आकस्मिक स्थिति में सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संधारण के लिए सभी प्रकार के कार्यालयों में पदस्थापित प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों की सूची तैयार कर उन्हें तैयारी हालत में रखते हुए उपलब्ध कराने को कहा गया है।

संक्षिप्त खबरें

दुर्गा पूजा में महिलाओं की सुरक्षा के लिए शक्ति कमांडो की तैनाती

रांची : दुर्गा पूजा के दौरान राजधानी रांची में छेड़खानी करने वाले और छिनैती करने वाले अपराधियों पर पुलिस विशेष नजर रख रही है। इसे लेकर रांची पुलिस के साथ शक्ति कमांडो की तैनाती की गई है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए जगह-जगह शक्ति कमांडो की तैनाती की गई है। सभी पूजा पंडालों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में शक्ति कमांडो गश्त करेगा और मनचलों पर नजर रखेगा। दुर्गा पूजा को लेकर रांची के सभी स्कूलों और कॉलेजों के साथ-साथ कोचिंग संस्थान में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। ऐसे में शक्ति कमांडो अब स्कूलों और कॉलेजों की ड्यूटी से फ्री हो गई हैं। इसलिए अब शक्ति कमांडो को दुर्गा पूजा के दौरान छेड़खानी और छिनैती जैसी वारदातों को रोकने के लिए ड्यूटी पर तैनात किया गया है। डीआईजी अनूप बिरथरे ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि न सिर्फ शक्ति कमांडो, बल्कि महिला पुलिसकर्मियों के साथ-साथ महिला थाना प्रभारियों को भी दुर्गा पूजा को लेकर अलर्ट मोड में रखा गया है। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में डायल 112 के माध्यम से कई शिकायतें आ रही हैं। ऐसे में शक्ति कमांडो और महिला थाना प्रभारी सहित महिला पुलिसकर्मियों को यह निर्देश दिया गया है कि वह अलर्ट मोड में रहें और जैसे ही कोई सूचना मिलती है तुरंत मूव करें। शक्ति कमांडो के पास एक मोबाइल होता है, जिसमें शक्ति एप को ट्रैक किया जाता है। शक्ति एप से जुड़े क्यूआर कोड शहर भर में लगे हुए हैं। इसके माध्यम से भी महिलाएं पुलिस की सहायता ले सकती हैं।

मिड-डे-मील घोटाले के आरोपी संजय तिवारी की जमानत याचिका खारिज

रांची : झारखंड में 101 करोड़ रुपये के मिड-डे-मील घोटाले के आरोप में जेल में बंद भानू कंस्ट्रक्शन के संचालक संजय कुमार तिवारी को रांची की पीएमएलए कोर्ट ने जमानत देने से इनकार किया है। अदालत ने उसकी जमानत याचिका तीसरी बार खारिज कर दी है। इससे उसको जबरदस्त झटका लगा है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने जेल में लंबी अवधि का हवाला देते हुए जमानत पर छोड़ने का अनुरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट को गुमराह करके कुछ दिन पैसा वापस करने के नाम पर अंतरिम जमानत पर बाहर निकला था लेकिन पैसा वापस नहीं किया। इसके बाद जेल जाने के समय फरार हो गया था। किसी तरह उसकी गिरफ्तारी कर पुनः जेल भेजा गया था। ईडी ने उसे नवंबर 2021 को मनी लांड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। तब से वह बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में बंद है। पैसा लौटाने के नाम पर करीब डेढ़ महीने बाहर निकला था। उस पर एसबीआई की हटिया शाखा से मिड-डे-मील का 101 करोड़ रुपये गबन करने का आरोप है। घटना का अंजाम 5 अगस्त, 2017 को दिया गया था। पकड़ में आने पर मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

आनलाइन वोटिंग सुविधा देने की पहल करे निर्वाचन आयोग : विजय शंकर

रांची : उपरोक्त बाते बुधवार को आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड को ईमेल पत्र भेजकर अपने सुझाव मे कहा । इन्होने अपने भेजे गये सुझाव पत्र मे यह भी कहा कि जो निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदाताओ को जागरूक करने के लिए आर्ट 81 कार्यक्रम 18 से 19 अक्टूबर को जयपाल सिंह स्टेडियम, रांची मे आयोजित की जा रही है जिसमे झारखंड की विभिन्न कला विधाओ से मतदान के प्रति ज्ञानवर्धन एंव सजग करने का जो कार्य किया जा रहा है और आर्ट 81 कार्यक्रम से संबंधित पोस्टर एंव विडिओ का लांचिंग हो रहा है वह सिर्फ पैसा का बबार्दी भर है उससे आम मतदाताओ को मतदान प्रतिशत बड़ने वाला नही है। नायक ने आगे कहा की जब झारखंड राज्य निर्वाचन विभाग शहरी क्षेत्र के मतदाताओ को अधिक समय तक कतार मे न रहना पड़े उसके लिए एक (ऐप) भी लांच कर रही है जिसमे अपने मतदान केंद्र पर कतार मे कितने लोग है इसकी जानकारी भी मतदाताओ को घर बैठे मिल सकेगी तो उस (ऐप) मे आनलाईन वोटिंग देने की भी सुविधा देने की पहल की जानी चाहिए ताकि मतदान केंद्र मे मतदाता न जाकर घर से ही आनलाईन वोट दिया जा सके। नायक ने यह भी कहा है की जब बैलेट पेपर के जगह इवीएम का उपयोग किया जा रहा है तो क्यों नही नये टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा सकता है और इसका प्रयोग शहरी क्षेत्र के मतदाताओ को वोटिंग प्रतिशत बड़ाने हेतु वोट देने की सुविधा को आनलाईन किया जाना चाहिए ।

श्री श्याम मित्र मण्डल द्वारा सुन्दरकांड का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मण्डल द्वारा हरमू रोड़ के श्री श्याम मंदिर में आज नवरात्र के शुभ अवसर पर 122 वां श्री सुन्दरकाण्ड - श्री हनुमान चालीसा का सामुहिक पाठ आयोजन किया गया। कार्यक्रम के यजमानश्री सुनील मोदी, आशा मोदी, व बलराम मोदी ने श्री हनुमान जी महाराज अखण्ड पावन ज्योति प्रज्जवलित कर गुड़, चना, केशरिया पेड़ा, केला व मौसमी फल का भोग अर्पित किया। मोदी परिवार ने झारखंड राज्य की खुशहाली व प्रगति की प्रार्थना कर दरबार में धोक लगायी। उन्होंने श्रीरामचरितमानस ग्रन्थ का पूजन - वंदन करके पाठ वाचक मनीष सारस्वत - ओम शर्मा अन्य का तिलक वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मण्डल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने यजमानश्री परिवार से पूजन अनुष्ठान विधिवत करवाया। 122 वें इस आयोजन के लिए पुष्पा देवी पौदार ने केसरिया पेड़ा, राजेश जायसवाल ने केला फल, श्रवण ढाढ़निया ने चना प्रसाद व मुकेश मित्तल ने गिरीगोला की सेवा अर्पित निवेदित की। पाठवाचको ने श्री गणेश वंदना करके श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके श्री सुन्दरकाण्ड का पाठ प्रारंभ किया। ढोलक - ढफली - आरगेन - झांझ -कडताल के संगीतमय स्वर के साथ पाठ किया। श्री हनुमान महाराज की जयकारो से पुरा मंदिर परिसर गूंज रहा था।

'पत राखो हे मेरी माता' काव्यसंग्रह का लोकार्पण

रांची : साहित्यकार 'मीनू' मीना सिन्हा की चौथी कृति काव्य संग्रह 'पत राखो हे मेरी माता' का लोकार्पण दुर्गा मंदिर, अरसंडे, रांची में दुर्गा महासप्तमी के दिन नौ मातृशक्तियों द्वारा किया गया। वीणा श्रीवास्तव, रश्मि शर्मा, डॉ. आभा कुमारी, डॉ. रश्मि कुमारी, डा. राजश्री जयंती, डॉ.चित्रलेखा सिन्हा, पूनम रानी तिवारी और गिरिजा सोनी ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर दुर्गा पूजा समिति, अरसंडे , कांके के अध्यक्ष डॉ शंभू प्रसाद सिंह (चेयरमैन रेडक्रॉस), डॉ एमपी सिन्हा, महेश प्रसाद सिंह, लता कुमारी, डॉ सीएम प्रसाद, अशोक कुमार द्विवेदी , डॉ बीके राय आदि लोग मौजूद थे। 'मीनू' की यह आध्यात्मिक कृति एक सुखद पड़ाव से गुजरी है। एक नवरात्रि को देवी के नौ रूपों का चित्रांकन किया तो दूसरी नवरात्रि में नौ रूपों पर चौपाइयां लिखी गईं। पांडुलिपि वैष्णो देवी, कटरा में समर्पित की गई । पूणार्हुति के रूप में यह पुस्तक देवी दरबार में लोकार्पित हुई। 'मीनू' के पांच काव्यसंग्रह जीवनधारा-2018, बिटिया-2021, अनुभव के दरख्त-2023, पत राखो हे मेरी माता-2024 और गिरिपथ-2024 प्रकाशित हो चुके हैं। कहानी संग्रह 'अखंड अहिवात' तथा यात्रा वृतांत 'कश्मीर से कन्याकुमारी' शीघ्र प्रकाश्य हैं। लेखिका सतत सृजन को ही साधना का सत्य पथ मानती हैं।

एक नजर

नए अपर लोक अभियोजक का हुआ स्वागत

बोकारो : बोकारो के दो अपर लोक अभियोजक श्री सर्वेश आनंद एवम रवि शंकर चौधरी ने आज बोकारो का नया अपर लोक अभियोजक ने पदभार ग्रहण किया। ये दोनो इसके पूर्व गिरिडीह में पदस्थापित थे। दोनो पदाधिकारियों को आज इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स ने बधाई और शुभकामनाएं दी है । एसोसिएशन के नेशनल कौंसिल मेंबर रणजीत गिरि ने गुलदस्ता भेंट कर पदाधिकारियों को शुभकामना और बधाई दी। इस अवसर पर अधिवक्ता संतोष कुमार श्रीवास्तव, संजीत कुमार सिंह, दीपिका सिंह, संदीप कुमार, अतुल कुमार, राज श्री, अंकित ओझा, सुनील चांडक, कामदेव पाठक, वंशिका सहाय, मो. हसनैन आलम, रंजन कुमार मिश्रा, फटिक चंद्र सिंह, राणा प्रताप शर्मा, संजय कुमार प्रसाद, ओम प्रकाश लाल, विजय कुमार समेत दर्जनों अधिवक्ता मौजूद थे।

विधायक ने कसमार में दो पथों का किया शिलान्यास

बोकारो : गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने बुधवार को कसमार प्रखंड के दुगार्पुर व त्रियोनाला में दो सड़कों का शिलान्यास किया। दुगार्पुर पंचायत के डुंडाडीह से बरवाटांड़ तक एक किमी व त्रियोनाला से चुकादा तक एक किमी पथ का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से किया जाएगा। डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि उन्होंने पांच साल के कार्यकाल में अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव-गांव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम किया है। विकास का इतना काम अन्य किसी विधायक ने नहीं किया है। पुल-पुलियों से लेकर सड़क समेत हजारों छोटी-बड़ी योजनाओं को जमीन पर उतारा गया है। मौके पर विधायक की पत्नी कौशल्या देवी, मुखिया बबीता देवी, पंसस जगेश्वर मुर्मू, महेश शर्मा, घनश्याम महतो, बानेश्वर महतो, उपमुखिया पंचानन महतो, रामकिसुन महतो, भीम प्रसाद महतो, जगेश्वर शर्मा, कपिल महतो, सिद्धेश्वर महतो आदि मौजूद थे।

पुलिस का छापा, 12 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त, एक गिरफ्तार

धनबाद : दुर्गा पूजा के मद्देनजर कतरास थाना व रामकनाली ओपी पुलिस ने मंगलवार की देर रात सलानपुर बस्ती पंखा घर में संयुक्त रूप से छापामारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब व बियर की बोतलें जब्त की। पुलिस ने धंधेबाज राजकुमार चौहान को गिरफ्तार कर लिया। उसे रामकनाली ओपी ले जा कर पूछताछ की गई। पुलिस अवैध शराब के धंधे में लिप्त बड़े कारोबारी को पकड़ने की जुगत में जुट गई है। पकड़े गए राजकुमार चौहान ने बताया कि घर के समीप एक छोटी दुकान है, जिसमें वह अंग्रेजी शराब, बियर, सिगरेट आदि बेचता है। ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने बताया कि वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर यह छापामारी की गई।

त्योहारों के मद्देनजर मिठाई दुकानों का हुआ निरीक्षण

जलेबी में मिलाई जा रही थी इंडस्ट्रियल कलर, बिना लेबल के बिक रही नमकीन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : त्योहारों में मिलावटी मिठाई की बिक्री होने की संभावना काफी अधिक रहती है। डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीपश्री श्रीवास्तव ने मंगलवार को रामगढ़ शहर में कई दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें कहीं बिना लेबल के नमकीन की बिक्री होती हुई दिखाई दी, तो कहीं जलेबी में ही इंडस्ट्रियल कलर मिलाकर बेचा जा रहा था। कुछ ऐसे उत्पाद भी मिठाई में मिले जा रहे थे, जिससे शरीर को काफी नुकसान हो सकता है। जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने ऐसे दुकानदारों पर न सिर्फ कार्रवाई की, बल्कि उन्हें आर्थिक दंड भी लगाया है। साथ ही सभी दुकानदारों को यह चेतावनी भी दी है कि त्योहारों में मिलावटी खाद्य सामग्री नहीं बेची जाए। यदि शिकायत आती है तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मोतीलाल और जनप्रिया चनाचूर के मालिकों पर आर्थिक दंड लगाया है। इसके अलावा चट्टी बाजार में हरियाणा जलेबी बेचने वाले को भी जुमार्ना लगाया गया है। जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीपश्री श्रीवास्तव ने बताया कि सुभाष चौक पर पूनम स्वीट्स, शालीमार स्वीट्स, प्रिया स्वीट्स, अमर स्टोर, अमित स्टोर, मोतीलाल स्टोर, बिहार भोजनालय, जनप्रिया चनाचूर, आयुष फास्ट फूड, मारवाड़ी होटल, चिली हाउस, चौपाटी, हरियाणा जलेबी, राज रसोई और वी-मार्ट में जांच अभियान चलाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

बाघ की खबर से आस-पास के इलाके में डर का माहौल

बोकारो : जिले के बेरमो प्रखंड के पेंकनारायणपुर गांव में ग्रामीण द्वारा बाघ देखने का मामला सामने आया जिसमें ग्रामीण ने बताया कि पेंकनारायणपुर गांव के आस पास के इलाके में एक बाघ को घूमते पाया गया है और एक फोटो भी सकुर्लेट किया गया। बाघ की सूचना जैसे ही वन विभाग को मिली तुरंत वन विभाग द्वारा एक टीम गठित कर पेंकनारायण पुर गांव भेजा गया वहां जांच के दौरान बोकारो फॉरेस्ट के आईएफएसस प्रोविसनर संदीप शिंदे ने बताया कि नारायणपुर इलाके से बाघ दिखाई दिया है साथ ही फोटो वायरल हुई है जिसमें बाघ दिखाई दे रहा है इसी सिलसिले में जब उसे इलाके मुयाना जमीनी अस्तर एवं ड्रोन के माध्यम से जांच किया गया तो जहां से यह फोटो लिया गया वहां पर न तो बाघ के पैर के निशान मिले। ना ही उसकी विष्ठा मिली है और न ही वहां आसपास के इलाके में बाघ के द्वारा कोई भी जानवर को मर गया ऐसा कोई भी निशानी उसे जगह से नहीं मिली है गांव में भी जब इसकी पूछताछ की गई तो वहां मात्र दो व्यक्तियों ने देखे जाने की पुष्टि की बाकी लोगों ने बताया कि अभी तक बाघ उन लोगों को कहीं भी नहीं दिखा है जिसने या फोटो वायरल किया है फोटो लेने के बाद वह व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से फोटो को सकुर्लेट कर फरार हो गया है जब उसे व्यक्ति को फोन किया गया तो उसे व्यक्ति का लगातार मोबाइल बंद बता रहा है उन्होंने बताया कि इसके बावजूद भी हमने गांव के रेडियस से 3 किलोमीटर के इलाके में ड्रोन के माध्यम से जांच किया गया परंतु इस तरह का किसी भी तरह की कोई भी निशानी या मौजूदगी कहीं नहीं दिखाई दी। अधिकारी ने बताया कि हम लोगों ने जो जांच की है इसका वीडियो भी रिलीज किया गया है इसके बावजूद भी अगर किसी को भी किसी तरह की कोई शिकायत हो तो इसकी सूचना वन विभाग को आप लोग तुरंत दे ताकि हम लोग सही समय पर मदद पहुंच सके और इस तरह की जो फेक न्यूज फैलाया जा रहा है उन लोगों पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए।

पीएन सिंह ने पूजा पंडाल का किया उद्घाटन

बोकारो : निवर्तमान धनबाद सांसद ने बुधवार को लोहांचल दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पूजा अर्चना कर राज्य और देश की खुशहाली की कामना की। सिंह ने कहा कि यहां की पूजा आडंबर रहित है और यहां पूजा करने में घर सा सकून मिलता है। त्योहार हमारी संस्कृति की पहचान है, जो हमें जोड़ने का काम करती है। दुर्गा पूजा में मां शक्ति की पूजा की जाती है और शक्ति से ही सृष्टि का संचार हुआ है। यह शक्ति उपासना का पर्व है, जो जन-जन को जोड़ने का काम करती है। साथ ही जन-जन को जोड़ते हुए झारखंड राज्य और भारत को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए शांति, एकता और सद्भावना के साथ त्योहार मनाए। अजय चौधरी ने कहा कि लोहांचल दुर्गा पूजा का आयोजन पिछले 19 वर्षों से निर्बाध किया जा रहा है। उद्घाटन उपरांत सभी खिचड़ी प्रसाद ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व गिरिडीह सांसद रविन्द्र कुमार पांडेय, हरे राम मिश्रा, भैया आरएन ओझा, मृगेंद्र प्रताप सिंह, विद्या सागर सिंह, ललन सिंह, अखिलेश सिंह, एके वर्मा सहित बियाडा व लोहांचल के नागरिक वृंद उपस्थित रहे।

एक नए सफर की शुरुआत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : स्टील प्लांट से अक्टूबर 2024 में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से बुधवार को लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में एक नए सफर की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक कल्पना ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया। डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसर और योग विशेषज्ञ श्री कृष्ण बंधु मिश्रा ने इस्पात कर्मियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया। उप महा प्रबंधक अनुपम शी ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी। पंजाब नेशनल बैंक सेक्टर -01 के सर्किल हेड राजेश श्रीवास्तव, सहायक महा प्रबंधक श्री एम के नेहरू तथा उनके टीम के लोगों ने कार्यक्रम में उपस्थित सुधिजनो को धन निवेश पर सुझाव तथा बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। सुश्री फिजा परवीन, ओ.सी.टी. (एच आर -फाइनल सेटलमेंट) ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक कल्पना के धन्यवाद ज्ञापन से संपन्न हुआ।

सदर अस्पताल में जन्मीं 4 बेटियों का ढोल-नगाड़े व सोहर गीत से हुआ स्वागत

बोकारो : बिटिया है अनमोल रत्न, इसको तुम अपनाओ.. बोझ नहीं होती है दुनिया को बतलाओ बोकारो डीसी की पहल पर सदर अस्पताल में बुधवार को जन्म लेने वाली चार बेटियों का स्वागत ढोल-नगाड़ों व सोहर गीत से किया गया। डीसी विजया जाधव, डीडीसी गिरजाशंकर प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ एबी प्रसाद ने अस्पताल पहुंचकर बेटियों को आशीर्वाद दिया। डीसी ने बेटियों की माताओं को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। वहीं, डीडीसी ने उनके पिता को पगड़ी पहनाई। उन्हें गिफ्ट हैंपर, बेबी किट, मांझ बेटी के लिए वस्त्र, मिठाई आदि भेंट की। ट्रांसजेंडर राजकुमारी देवी ने सोहर गीत गाए। डीसी ने कहा कि बेटी के जन्म पर खुशियां मनाएं। पुरानी सोच को बदलें, अब स्थिति बदली है। आज महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर रही हैं। बेटियां बोझ नहीं हैं। उन्होंने माता-पिता को बेटी के जन्म पर गर्व करने व आसपास के लोगों को भी ऐसा सोचने के लिए प्रेरित करने को कहा। मौके पर जिला नजारत उप समाहर्ता वंदना शेजवलकर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, सदर अपस्ताल उपाधीक्षक डॉ अरविंद कुमार, नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, अविनाश कुमार सिंह, दीपक कुमार, कंचन कुमारी आदि उपस्थित थे।

पूजा पंडाल का विधायक व तेतुलमारी थाना प्रभारी ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति तेतुलमारी कोलियरी पूजा पंडाल व मेला का उद्घाटन टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो,तेतुलमारी थाना प्रभारी सत्येन्द्र यादव,कोलियारी प्रबंधक संतोष चौधरी, रामप्रीत प्रसाद,नागेंद्र वर्मा,उपेन्द्र प्रजापति, पूर्व पार्षद बिरजू बाउरी सहित अन्य ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर अतिथियों ने कहा कि माँ दुर्गा की कृपा से क्षेत्र का विकास की गति व श्रद्धलुओं में सुख समृद्धि आयेगी। उद्घाटन समारोह के सचिव मंटू महतो व कोषाध्यक्ष महिराम मांझी,रामेश्वर सिंह, नागेंद्र वर्मा,उपेन्द्र प्रजापति, प्रकाश वर्मा, पूर्व पार्षद बिरजू बाउरी, राजू मल्लाह, उमेश साहनी, बसंत महतो, राजेश कुमार, सत्येंद्र सिंह, बीरू सिंह, सत्यनारायण चौहान, महिला नेत्री प्रेमा पांडेय, उर्मिला देवी, भुटाली सिंह, अनिल वर्मा, गौरी पांडेय, बिजय चौहान,योगेंद्र प्रसाद,पुलिस अधिकारी आरएन सिंह, शंकर उरांव, निर्भय सिंह, नंदलाल प्रसाद,पंकज ठाकुर सहित सैकड़ो अन्य लोग उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों ने पूजा मंडप का फीता काटकर किया शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददात

धनबाद : नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चो की विशेष स्कूल पहला कदम के दिव्यांग बच्चो ने बुधवार को शक्ति की देवी दुर्गा के महापर्व के अवसर पर पुराना बाजार, रतनजी रोड मारवाड़ी मोहल्ला धनबाद के श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा मंडप के शुभारंभ का सौभाग्य प्राप्त किया। सभी दिव्यांग बच्चो, सचिव अनिता अग्रवाल और सुपरवाइजर कौशल अग्रवाल ने पूजा मंडप का फीता काटकर शुभारंभ किया। तत्पश्चात स्कूल के दिव्यांग बच्चो ने माता के समक्ष एक भक्तिमय नृत्य की प्रस्तुति की जिसकी सभी दर्शकों ने भरपूर प्रसंशा की। आयोजको के द्वारा सभी बच्चो को जलपान वितरित किया गया और पूजा के अवसर पर स्कूल बैग भेट किए गए। उन्होंने कहा की ये उनका सौभाग्य की इन दिव्यांग बच्चो के हाथो से मंडप का शुभारंभ किया गया।सभी दिव्यांग भगवान के ही अंश है हम सभी को इनकी यथा संभव मदद करनी चाहिए जिससे ये बच्चे भी अपने आपको सामान्य बच्चो की तरह जान सके।सचिव अनिता अग्रवाल ने तथा पहला कदम परिवार ने पुराना बाजार रतनजी रोड मारवाड़ी मोहल्ला के सार्वजनिक पूजा समिति के अध्यक्ष संजय सवारियां, सचिव प्रदीप अग्रवाल और पूरी टीम का आभार प्रकट करते हुए कहा की हमारे दिव्यांग बच्चो को ये सौभाग्य देकर इन बच्चों को स्पेशल महसूस करा इनके चेहरे पर आई हुई मुस्कान भगवान की सेवा के समान ही है।सभी बच्चो ने उपहार प्राप्त कर काफी प्रसन्नता जाहिर की। पहला कदम परिवार ने सभी को दुर्गा पूजा एवं नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए बुराई पर अच्छाई की विजय के पर्व की शुभकामनाएं दी।

रेलवे कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए महामंत्री ने वित्त मंत्रालय को लिखा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : रेलवे के परिचालन विभाग में पॉइंट्समैन श्रेणी का कैडर पुनर्गठन बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन अब तक मात्र 1800 और 1900 ग्रेड पे रहने के कारण और वर्षों तक सघन सेवा के बाद भी इनकी पदोन्नति नहीं हो पा रही है । परंतु अब इनके व्यापक पदोन्नति और वित्तीय उन्नयन के लिए ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखा है। उक्त जानकारी देते हुए ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह धनबाद मंडल के पी एन एम प्रभारी मो ज्याऊद्दीन ने बताया कि ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने रेलवे के पॉइंट्समैन कैडर पुनर्गठन से संबंधित मुद्दे को उठाते हुए वित्त मंत्रालय के सचिव डॉ. मनोज गोविल को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने रेलवे बोर्ड द्वारा जारी 7 अक्टूबर 2023 के आदेश के अब तक लागू न होने पर चिंता व्यक्त की है। इसके अंतर्गत दो नए ग्रेड की शुरूआत प्रस्तावित है, जो रेलवे संचालन में अहम भूमिका निभाने वाले पॉइंट्समैन के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रेलवे के परिचालन में पॉइंट्समैन की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं और कैडर पुनर्गठन के तहत उनके लिए नए ग्रेड्स की शुरूआत न केवल उनकी भूमिका को मान्यता देती है, बल्कि उनके भविष्य को भी सुरक्षित करती है। मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा ने बताया कि एआईआरएफ के पहल पर रेलवे बोर्ड ने इन नए ग्रेडों को लागू करने के लिए वित्त मंत्रालय से मंजूरी की मांग की थी। इस पर विभिन्न बैठकों, खासकर रेलवे बोर्ड के साथ पी एन एम बैठकों में व्यापक चर्चा के पश्चात सहमति बनी है। इस मसौदे को नियमानुसार वित्त विभाग के अनुमोदन के लिए भेजा गया है। लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी वित्त मंत्रालय से इस संबंध में आवश्यक स्वीकृति नहीं मिल पाई है।

बंगाली कल्याण समिति के दुर्गा पूजा पंडाल का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : मंगलवार को जिला परिषद परिसर में बंगाली कल्याण समिति के द्वारा दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन महिषासुर मर्दिनी नाटक में मां दुर्गा की भूमिका निभा रहे अर्पिता दास ने फीता काट कर किया।तत्पश्चात पूजा मंडप में दीप प्रज्वलन पूर्व मेयर चंद्र शेखर अग्रवाल उनकी पत्नी वीणा अग्रवाल, डॉ यू एस प्रसाद,डॉ सबिता शुक्ला दास,और डॉ बिद्युत गुहा द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम महिषासुर मर्दिनी की नृत्य प्रस्तुति नुपुर डांस अकादमी, जमाडोबा द्वारा की गई और गोविंदपुर के कलाकारों द्वारा आदिवासी परंपरा पर कर्मा नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसे दर्शकों ने काफी सराहा। पूजा समिति के सचिव पूलक घोष ने बताया समिति का यह छठा वर्ष है जहां महिलाओं के द्वारा पारंपरिक एवं सादगी के साथ दुर्गा पूजा मनाया जा रहा है इसलिए इस वर्ष का थीम नारी सुरक्षा है। हम लोगों ने इस वर्ष ब्लाइंड स्कूल में जाकर गरीब बच्चों को भोजन करवाये एवं नया कपड़ा दिए। सदस्यों द्वारा संग्रहित राशि से पूजा होने के बाद बची हुई राशि का इस्तेमाल समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सहायता के लिए करती है' बंगाली कल्याण समिति के सभी महिला एवं पुरुष सदस्य उपस्थित थे। नूपुर डांस एकेडमी के डायरेक्टर सपना चक्रवर्ती ने बताया कि नृत्य विद्यालय के बच्चे महिषासुर मर्दिनी कार्यक्रम करने जामाडोबा झरिया से आए हैं।

संकल्प सृजन ने किया कन्या पूजन का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आदि अनादि काल से देवी शक्ति पूज्यनीय है। जब भी कभी सृष्टि पर कुदृष्टि पडी, राक्षसी प्रवृत्तियों ने सब तहस-नहस करना चाहा तो सृष्टिकर्ता देवी शक्ति को जाग्रत कर उन्हें आगे किया। वही देवी शक्ति हमारे बीच माँ, बहन, पत्नी, पुत्री के साथ ही अनेक संबंधों के रूप में सृष्टि का वरदान है। नवरात्र के नौ दिन पारंपरिक पूजन अर्चन का तो है हीं, साथ ही कन्या पूजन का विशेष महत्त्व होने के कारण पवित्र और प्रेरणादायक अनुष्ठान है। यह हमें संदेश देता है कि स्त्री जाति के रूप में जितने भी संबंध हमारे बीच विद्यमान हैं, वे सभी आदि शक्ति दुर्गा, रणचंडी व महाकाली की ही परछाईं हैं। और सदैव पूज्यनीय, सम्मानीय हैं। उक्त बातें साध्वी झा ने श्री श्यामामाई काली मंदिर सेक्टर 2 डी में संकल्प सृजन आयोजित कन्या पूजन समारोह के मध्य कहे। सर्वप्रथम भगवती स्वरूपा आमंत्रित कन्याओं के चरण धोते हुए आदि शक्ति की वंदना की गई। चुंदरी,अलता, कुमकुम, अक्षत, तिलक से श्रृंगार कर आरती उतारी गई, इस बीच आरती व भजन गायन का सुंदर समावेश रहा। तत्पश्चात पायस, फल, मिठाई का भोग अर्पण कर श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण करवाया गया। आमंत्रित कन्याओं को उपहार स्वरूप रूमाल, श्रृंगार सामग्री, कॉपी, पेंसिल, पेंसिल बॉक्स एवं दक्षिणा भेंट करते चरण स्पर्श कर आशीष लिए गए। उक्त आयोजन की विशेष बात यह थी कि सभी (51 कन्याएँ) आमंत्रित कन्याएँ अभिवंचित बस्तियों से श्रद्धा पूर्वक बुलाई गई थी।

उपायुक्त ने किया निरसा, चिरकुंडा पंचेत सहित अन्य पूजा पंडालों का भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने आज वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन तथा एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री पीयूष सिन्हा के साथ निरसा बाजार, हाउसिंग कॉलोनी, चिरकुंडा, लक्खीमाता कोलियरी, श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति उपर बाजार चिरकुंडा, झारखंड मैदान सहित विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। इस क्रम में पूजा पंडालों में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार, सीसीटीवी कैमरे, साइन बोर्ड, अग्निशमन यंत्र, विद्युत व्यवस्था, क्यू मैनेजमेंट, वॉलिंटियर्स की संख्या सहित अन्य बिंदुओं का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने पूजा समितियों को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में बताई गई सभी बातों का पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही विसर्जन को लेकर निर्धारित रूट, तिथि व समय का पालन करने तथा चिह्नित नदी - तालाब में प्रतिमा का विसर्जन करने का निर्देश दिया। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरा, आप सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है सहित अन्य साइन बोर्ड लगाने, प्रतिमा के सामने महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के बीच बैरिकेडिंग करने, पंडाल के चारों ओर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने, श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

1950 से हिंडालको में हो रही है दुर्गा पूजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी हिंडालको कॉलोनी में सन 1950 से ही दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। बताते चले कि यहां पहले सिर्फ तिरपाल व बांस के सहारे पंडाल का निर्माण किया जाता था। पूजा के दौरान सिर्फ ढाक, शंख और घंटा की आवाज से वातावरण गूंजायमान रहता था। संध्या को सप्तमी के दिन से आरती शुरू हो जाती थी जो आज भी बदस्तूर जारी है। पूर्व में बड़े बुजुर्ग ही धुना नाच में हिस्सा लेते थे जबकि आज युवा व बच्चों के अलावा लड़कियां भी धुना नाच में बढ़-चढ़कर भाग लेती हैं। मां की विदाई बेला में मूर्ति चुमावन के पश्चात महिलाओं द्वारा आनंदपूर्वक सिंदूर भी आपस में खेला जाता है। विसर्जन के पश्चात पंडाल में सभी महिला पुरुष के बीच पुरोहित द्वारा शांति जल के छिड़काव के पश्चात लोग गले मिलकर एक दूसरे को भी दशमी की शुभकामनाएं देते हैं। विजयदशमी के बाद लक्खी पूजा के अवसर पर मनोरंजन हेतु कोलकाता की नामी गिरामी यात्रा पार्टी द्वारा नाटक यात्रा का मंचन भी किया जाता था। इस यात्रा का आनंद उठाने उन दिनों झालदा, तुलिन, जयपुर, बंता, पतराहातू समेत आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में साइकिल एवं पैदल पहुंचने थे तब के दिनों में दशहरा में कड़ाके की ठंड पड़ती थी। बावजूद इसके देर रात तक महिला पुरुष यात्रा देखने के लिए जमे रहते थे आज के बदलते परिदृश्य में कॉलोनी के बीचो-बीच भव्य स्थायी पंडाल समेत मूर्ति के ठीक सामने पक्का स्टेज का निर्माण किया जा चुका है। जहां स्थानीय बच्चों व कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। मूर्ति व चबूतरे के बीच का स्थान खाली रखा गया है जहां संध्या को लोग परिवार के साथ पहुंचते हैं। यहीं पर धुना नाच का आयोजन किया जाता है एवं विजेता को पुरस्कृत किया जाता है। पंडाल के ठीक पीछे चिल्ड्रन पार्क है जहां मेला देखने पहुंचे बच्चे झुला व स्लीपर का आनंद उठाते हैं।

पंडालों में नवपत्रिका प्रवेश के साथ ही मां दुर्गा की भक्ति में डूबा खूंटी

खूंटी : शारदीय नवरात्र की सप्तमी तिथि बुधवार को विभिन्न पूजा पंडालों में नवपत्रिका प्रवेश के साथ ही पूरा खूंटी जिला माता दुर्गा की भक्ति में डूब गया। क्या शहर और गांव गांव-देहात हर ओर ध्वनि विस्तार यंत्रों से बज रहे भक्ति गीत और भजन पूरा वतावर को भक्तिमय बना रहे हैं। देवी आगमन के साथ ही सभी पूजा पंडालों के पट खोल दिए गए। इसके साथ पंडालों में माता रानी के अलावा अन्य स्थापित मूर्तियों की पूजा-अर्चना शुरू हो गई। इससे पूर्व सुबह विभिन्न पंडालों के लोग बाजे-गाजे के साथ विभिन्न जलाशयों में गए। जलाशय किनारे पूरे विधि-विधान से पूजन अर्चन के बाद नव पत्रिका देवी को बाजे गाजे के साथ जलाशय से डोली में विराजमान कर पंडालों तक लाया गया। नवपत्रिका लाने के दौरान श्रद्धालुओं की भक्ति व आस्था देखते ही बन रही थी। पंडालों में नव पत्रिका देवी प्रवेश के बाद श्रद्धालुओं में मां को नमन करने के लिए होड़ सी मच गई।

एसबीयू के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : नामकोम सरला बिरला विश्वविद्यालय के एमसीए और बीटेक के विद्यार्थियों ने औद्योगिक भ्रमण के तहत रांची के पांचा स्थित वस्त्र निमार्ता कंपनी ऑबर्न डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का दौरा किया। इस क्रम में विद्यार्थियों को कंपनी के उत्पादन की कार्यप्रणाली और बारीकियों से अवगत कराया गया। साथ ही उत्पादन की गुणवत्ता, बाजार की मांगों के अनुरूप नवीनतम प्रयोगों और तयशुदा समय के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धताओं पर भी विद्यार्थियों ने कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त की। विजिट के दौरान एसबीयू के विद्यार्थियों के साथ विवि के शिक्षक डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ. दीप्ति कुमारी, डॉ. अविनाश कुमार और ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के अमित नाथ चरण उपस्थित रहे।

पशुपालक के घर सेंधमारी, 18 खस्सी की हुई चोरी

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड के छतरपुर गांव के कॉलेज मोड़ के पास रहने वाले पशुपालक प्रताप तिर्की के घर मंगलवार की देर रात सेंधमारी कर चोरों ने 18 खस्सी चोरी कर ली। यह घटना बुधवार की सुबह जब प्रताप तिर्की को पता चली, तो उन्होंने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। प्रताप तिर्की ने बताया कि वे कई वर्षों से बकरी पालन करते हैं और उनके घर में लगभग दो लाख रु कीमत की 18 खस्सी चोरी हुई है। वे और उनकी पत्नी बकरी पालन से अपनी जीविका चलाते हैं। इस घटना से वे काफी हताश हैं। इस क्षेत्र में पहले भी कई घरों से खस्सी की चोरी हुई है, लेकिन पुलिस अभी तक चोरों को पकड़ने में असफल रही है। पुलिस ने छापामारी शुरू कर दी है, लेकिन चोरी की घटनाएं जारी हैं। प्रताप तिर्की ने बताया कि उनके पास कुल 35 खस्सी व बकरी थी, लेकिन अब सिर्फ 17 खस्सी बची हैं। उन्होंने कहा कि इस चोरी से उनके समक्ष घोर अर्थिक संकट उत्पन हो गया है। चोरी की घटना के बाद से पीड़ित पशुपालक सदमे में है। इधर लोगों ने पुलिस से मांग की है कि वे चोरों को जल्द से जल्द पकड़ें और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करें। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि वे इस मामले की जांच कर रहे हैं और जल्द ही चोरों को पकड़ लेंगे। इस घटना ने क्षेत्र के लोगों में भय और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। लोगों ने अपने घरों और पशुओं की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने का फैसला किया है।

दुर्गा पूजा को लेकर पुटकी व केंदुआ में पुलिस का फ्लैग मार्च

धनबाद : दुर्गा पूजा को लेकर डीएसपी नौशाद आलम व सीओ विकास आनन्द के नेतृत्व में पुटकी में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। 100 से ज्यादा जवानों ने अधिकारियों के साथ बाइक व पैदल मार्च किया। फ्लैग मार्च पुटकी, कोक प्लांट, श्रीनगर, करकेंद आदि जगहों के पूजा पंडालों तक गया और लोगों में सुरक्षा का संदेश दिया। डीएसपी आलम ने कहा कि पूजा में जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस तत्पर है। इसके बावजूद लोग सतर्क रहें। घर को खाली नही छोड़ें। महिलाएं जेवर पहन घूमने नहीं निकलें।

एसएसबी के द्वारा चलाया गया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान

चैनपुर : प्रखंड के विभिन विद्यालयों में 32 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल सीलम गुमला के कमांडेंट के निदेर्शानुसार असिस्टेंट कमांडेट श्री अपूर्वा आनंद के दिशा निर्देश पर 32 वी वाहिनी चैनपुर रसी वो बी कंपनी के उपनिरीक्षक रवि कुमार धानका के द्वारा चैनपुर प्रखंड के लुथरन उच्च विद्यालय एवं संत अन्ना उच्च विद्यालय में बच्चों को 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें बेटियों के हक अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उनको मिलने वाली सुविधायों के बारे में जागरूक किया गया तथा सुरक्षा बलों में महिलाओ के लिए मिलने वाले छूट एवं महिलाओ के सशक्तीकरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई मौके पर रवि कुमार धानका ने कहा कि बेटियों को कभी बोझ नहीं समझना चाहिए आज हमारे देश की बेटियां हर क्षेत्र में अपना नाम रौशन कर रही है वहीं सरकार भी सभी बेटियों की उच्च शिक्षा पर लगातार फोकस कर रही है इसलिए सभी अभिभावकों को जरूरत है कि वो अपने बेटियों को अच्छी शिक्षा दिलाएं जिससे वो आगे चलकर समाज में एक अच्छा संदेश लेकर आए इस मौके पर मुख्य रूप से स्कूल प्रसासन, छात्र छात्राएं सहित अमित सिंह, शैलेंद्र कुमार यादव,अजोय कुमार रॉय,रवि कुमार यादव, दीपक कुमार चौरसिया,सुखदेव सिंह, अरविंद यादव के जवान उपस्थित थे।

एसएस बी के जवानों ने चलाया स्वच्छता अभियान शहर को स्वच्छ बनाने की लोगों से की अपील

चैनपुर : सशस्त्र सीमा बल 32वीं वाहिनी गुमला के कमांडेंट के निदेर्शानुसार असिस्टेंट कमांडेंट अपूर्व आनंद के दिशा-निर्देश पर चैनपुर एस एस बी कैंप के उपनिरीक्षक रवि कुमार धानका के द्वारा चैनपुर मुख्यालय के कन्या मध्य विद्यालय में एस एस बी के जवानों ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता अभियान चलाया एवं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। सफाई अभियान को देखकर लोगों ने भी एस एस बी कंपनी का आभार प्रकट किया मौके पर उपनिरीक्षक रवि कुमार धानका ने बताया कि शहर एवं मुहल्ले को स्वच्छ रखना हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है। आप हमेशा अपने घर और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखें। गंदगी का अंबार लगने से शहर का वातावरण प्रदूषित तो होता ही है साथ में गंदगी से कई प्रकार की बिमारियों के फैलने का भी खतरा बना रहता है। इसलिए हम सभी आमजनों का फर्ज है कि अपने आस पास के क्षेत्रों को हमेशा स्वच्छ बनाए रखें अपने घर, दुकान का जमा कचड़ा हमेशा कूड़ादान में ही डालें और अपने पड़ोस के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें तभी हमारे देश में स्वच्छ भारत मिशन का अभियान सफल हो पाएगा। इस मौके पर मुख्य अमित कुमार सिंह, शैलेश कुमार यादव, सहित एस एस बी के जवान मौजूद थे।

हिंडालको परिवार ने पहली बार रामलीला मंचन का किया आयोजन

सिल्ली/मुरी : हिंडाल्को मुरी परिवार ने मंगलवार के दिन हिंडालको एलुमिना क्लब परिसर में पहली बार रामलीला का भव्य मंचन का आयोजन किया। इस आयोजन में सिल्ली मुरी क्षेत्र से काफी संख्या में भक्त जनों ने भाग लिया। आज के भव्य मंचन में सीता स्वयंवर से लेकर सीता हरण तक की प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिंडाल्को के प्लांट हेड रोहित चौरसिया ने सभी कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा और सराहना भी की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सांस्कृतिक समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस भव्य आयोजन ने हिंडालको मुरी परिवार की एकता और सांस्कृतिक धरोहर को एक ऊंचाई दी है और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर प्रेरणा दी है।

JAP-IT
Jharkhand Agency for Promotion of Information Technology

(An Autonomous body under Dept. of Information Technology & eGovernance, Govt. of Jharkhand)Ground Floor,Engineer's Hostel – I, Near Golchakkar, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand Phone. 0651-2401041, 2401044, 2401067 https://japit.jharkhand.gov.in

NOTICE INVITING TENDER

e-Tender Ref No.: JAP-IT/JH-VAT/Postgre-Renewal/01/2024

Jharkhand Agency for Promotion of Information Technology (JAP-IT), hereinafter referred as "purchaser" invites online bid through eTendering process on behalf of Government of Jharkhand from reputed IT firms/OEMs or authorized partners (hereinafter referred to as "Bidder" till the award of contract and thereafter on award of contract, referred to as "Selected Bidder") to provide services of 'Renewal of Postgre Database Management System Software with two (02) Years of Support & Warranty for JH-VAT Application commissioned at JH-SDC, Ranchi'.

Tender Schedule

Sl. No.	Index / Item	Description
1.	e-Tender Ref No.	JAP-IT/JH-VAT/Postgre - Renewal/01/2024
2.	Name of the Work	'Renewal of Postgre Database Management System Software with two (02) Years of Support & Warranty for JH -VAT Application commissioned at JH -SDC, Ranchi '
3.	Name & address of the issuer of this tender	The Chief Executive Officer (CEO), JAP-IT, Ground Floor, Engineers hostel - I, Near Dhurwa Golchakkar, Dhurwa, Ranchi – 834 004. Telephone: 0651 - 2401044 Email: ceo.japit@jharkhandmail.gov.in
4.	Start Date for downloading the tender document	From 08.10.2024 by 04:30 pm
5.	Start Date for Submission of Bids online	From 14.10.2024 by 04:30 pm
6	Last Date for Submission of Bids online	From 24.10.2024 by 04:30 pm
7.	Date of Opening of Technical Bid	From 25.10.2024 by 05:00 pm
8.	Date of opening of Commercial Bid	To be announced later
9.	Cost of Tender Document	Rs. 05,000/- (Rs. Five Thousand only) paid through online as per Jharkhand e-Procurement portal
10.	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs. 01,00,000/- (Rs. One Lakh Only) transferred through online as per Jharkhand e-Procurement portal rule.
11.	Validity of Proposal	Proposals must remain valid for 180 days after the finalization of the tendering process

Note: The bid shall be downloaded & submitted online through https://jharkhandtenders.gov.in and bid can also be downloaded from https://japit.jharkhand.gov.in also
The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own Digital Signature Certificate.

Sd/-
Officer on Special Duty, JAP-IT, Ranchi

PR 338539 Information Technology(24-25).D

कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त,खूँटी
(जिला निर्वाचन शाखा)

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित

DEO/DY DEO/ELE/KHUNTI/2024/0008

1. जिला का नाम खूँटी।
2. विषय – आगामी विधानसभा आम चुनाव 2024 के परिप्रेक्ष्य में विडियोग्राफी/फोटोग्राफी/CCTV के निमित् अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण।
3. निविदा प्रपत्र का अग्रधन मूल्य 50000.00 (पचास हजार) (Refundable) राष्ट्रीयकृत बैंक से बैंक ड्राफ्ट के रूप में उप निर्वाचन पदाधिकारी, खूँटी के पदनाम से होगा।
4. Website पर अति अल्पकालीन निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि 10.10.2024 से 17.10.2024 के अपराह्न 04:00 बजे तक।
5. निविदा जमा करने की तिथि 10.10.2024 से 17.10.2024 के अपराह्न 04:00 बजे तक।
6. निविदा खुलने की तिथि/समय/स्थान – 18.10.2024 को पूर्वाह्न 11:30 बजे उप विकास आयुक्त, खूँटी के कार्यालय कक्ष में जिला क्रय समिति के समक्ष खोली जायेगी।
7. संबंधित विस्तृत विवरणी/नियम व शर्तें खूँटी जिला के Website- https://khunti.nic.in से Download कर अथवा जिला निर्वाचन शाखा, खूँटी से प्राप्त किया जा सकता है।

ह0/–
उप निर्वाचन पदाधिकारी,खूँटी

ह0/–
जिला निर्वाचन पदाधिकारी –सह–उपायुक्त, खूँटी

PR 338715 Election(24-25).D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग

ई–अल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– 06/RE/2024-25/RWD/EE/HAZARIBAG दिनांक :– 09.10.2024

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है

1.कार्य की विवरणी :–

क्र0 सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपया में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	कॉल
1	RWD/HAZ/MMGSY/06/2024-25	विष्णुगढ	ग्राम चदकरी से उच्चारना भाया रोलन्यिांडा तक पथ निर्माण कार्य (लं0–2.000 कि0मी0)	2,47,61,615/-	दो करोड़ सैतालिस लाख एकसठ हजार छः सौ पन्द्रह रूपये मात्र	9 (नौ) माह	द्वितीय

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :–18.10.2024
3. ई निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 28.10.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक ।
4. निविदा खोलने की, तिथि, एवं समय 28.10.2024 अपराह्न 5.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग ।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06546–286296

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग

PR 338577 Rural Work Department(24-25).D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा।

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 09/2024-25/RWD/EE/KODERMA दिनांक :-10.09.2024

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेन्डर कॉल
1.	RWD/KODERMA/28/2024-25	प्रखण्ड सतगावां अन्तर्गत पंचायत टेहरो में ग्राम नन्दुडीह से ग्राम भूताही स्कूल होते हुए आर0सी0डी0 रोड ग्राम ठाब तक पथ निर्माण कार्य। (लं0–2.300 कि0मी0)	2,24,26,700/-	दो करोड़ चौबीस लाख छब्बीस हजार सात सौ रू0 मात्र।	09 (नौ) माह	प्रथम

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि–15.10.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय–22.10.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय–24.10.2024 अपराह्न 3.30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता– कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमण्डल, कोडरमा। झारखण्ड, पिन– 825410
5. ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 8709561933/06534-297102
6. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–शुल्क भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता के बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियन्ता,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा

PR 338573 (Rural Work Department) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,गुमला
mail-rdsdgumla123@gmail.com

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/GUMLA/18/2024-25 (2nd Call)

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Bridge over Baghmara Nala in Village Nawatoli, GP- Surhu, under Block – Kamdara, District- Gumla. (4 Spns 6.00x6.00 M Size)	64,52,730.00	1,30,000.00	10,000.00	06 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 15.10.2024
3. ई निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय दिनांक 15.10.2024 से दिनांक 19.10..2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गुमला।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 21.10.2024 अपराह्न 2.00 बजे
6. ई निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता: कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 6524223013 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,गुमला

PR 338700 Rural Development(24-25).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी।

अति अल्पकालीन पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय कॉल)

निविदा आमंत्रण सूचना सं0 905 दिनांक 09.10.2024

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि : 14.10.2024 को 12.00 बजे दिन से 3.00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : 16.10.2024 के अपराह्न 3:00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 16.10.2024 के अपराह्न 3:30 बजे
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थल : (i) मुख्य अभियंता (संतायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, अभियंत्रण हॉस्टल,प्रथम तल्ला,धुर्वा, राँची। (ii) अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, राँची। (iii) कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान : क्रमांक 5 में उल्लेखित कार्यालय में क्रमांक 2, 3 एवं 4 में अंकित तिथि एवं समय अनुसार।।
7. कार्य की विवरणी –

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	मुरहू (जीवनटोली)–इन्दीपीढ़ी –सर्वदा–बिरुबांकी – कोचांग – बन्दगॉव पथ में Road Safety & Boulder Pitching कार्य।	40,00,000.00	80,000.00	5000.00	तीन माह

1) निविदा की शर्तें सूचना पट पर देखा जा सकता है।
2) प्राक्कलित एवं अग्रधन की राशि घट बढ़ सकती है, जो कि परिमाण विपत्र बिक्री के समय देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, खूँटी

PR 338644 (Road) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची।

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/RANCHI/27/2024-25 E-tender

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	राँची जिला के रातू प्रखंड अंतर्गत तिगरा पंचायत में तिगरा पी0डब्लू0डी0 रोड एवं बिजुलिया पी0डब्लू0डी0 रोड के बीच कोयल नदी पर पुल निर्माण।	334.154	6,68,500	10,000	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि 15.10.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 16.10.2024 से दिनांक 22.10.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, राँची।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 23.10.2024 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7903003903
8. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है, तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची।

PR 338537 (Rural Development) 24-25 (D)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT BUILDING DIVISION, HAZARIBAG

e-Procurement Cell
Very Short e-Procurement Notice

Tender Reference No:-BCD/EE/HAZARIBAG/37/2024-25 Date:-08-10-2024

Sl. No	Name of Work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Rate	Time of completion
1	Renovation work for UPV Sonpura, Kaandtari, Block Barkagaon, Hazaribag	3584200/-	72000/-	5000/-	4 Month
2	Renovation work for UUPV BADAM, Block Barkagaon, Hazaribag	3229200/-	65000/-	5000/-	4 Month
3	Renovation work for Shirma, chawaniya school, Block Barkagaon, Hazaribag	3855950/-	78000/-	5000/-	4 Month
4	Construction of Boundary Wall Primary School Tetariya tola vill-Jurjara Panchayat Potanga Block Barkagaon Hazaribag	2637350/-	53000/-	5000/-	4 Month
5	Construction of Boundary Wall Primary School Panchanda Panchayat Ango Block Barkagaon Hazaribag	2637350/-	53000/-	5000/-	4 Month
6	Construction of Boundry wall UPV SEHDHA, Block Barkagaon, Hazaribag	2894300/-	58000/-	5000/-	4 Month
7	Renovation work for PV baskatwa. gondalpura Block Barkagaon, Hazaribag	4920900/-	99000/-	5000/-	6 Month
8	Renovation work for UPV Nalapar,Harli Block Barkagaon, Hazaribag	3272000/-	66000/-	5000/-	4 Month
9	Construction of Boundary Wall UMV Palandu Block Barkagaon Hazaribag	4803100/-	97000/-	5000/-	6 Month
10	Renovation of Rajkiye Prathmik Vidyalay Mukunganj, Block- Sadar ,District- Hazarbag	4920600/-	99000/-	5000/-	6 Month
11	Renovation work for HSC Huwag ,Block-Dadi Hazaribag	2809600/-	57000/-	5000/-	4 Month
12	Construction of Boundary wall at upgraded High School Berhmoriya Block-chouparn Dist- Hazaribag	3327350/-	67000/-	5000/-	4 Month
13	Construction of Boundary wall at Govt High School Chaithi , Vill-Papro ,Chouparan ,Dist-Hazaribag.	2870900/-	58000/-	5000/-	3 Month
14	Renovation Work for District Transport office Hazaribag	3675250/-	74000/-	5000/-	04 Month
15	Renovation of 32 Chamber Toilets for Judicial Officers in Civil Court Hazaribag , Dist-Hazaribag	4843550/-	97000/-	5000/-	04 Month
16	Construction of Boundary wall Campus of Magistrate Colony near DVC Chowk Hazaribag .	3138500/-	63000/-	5000/-	04 Month

A.	Date of Publication of Tender on website	16-10-2024
B.	Last date/Time for receipt of bids	22-10-2024 03.00 PM
C.	Name & address of office Inviting tender	Office of the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division,Hazaribag
D.	Contact no. of Procurement officer	9348952485
E.	Helpline number of e-Procurement cell	06546-225723

Further details and subsequent amendments can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division, Hazaribag

PR.NO.338563 Building(24-25):D

हरियाणा में जीतते जीतते क्यो हार गई कांग्रेस..!

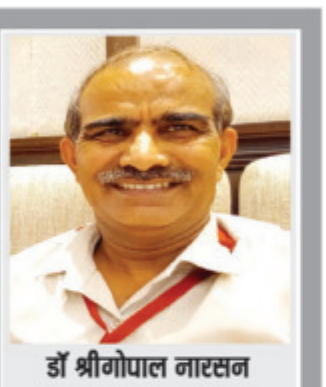

डॉ श्रीगोपाल नारसन

कांग्रेस पार्टी के भीतर गुटबाजी ने कार्यकताओं तक को एक दूसरे से दूर रखा । इस गुटबाजी को साफ तौर पर देखा भी गया है।कांग्रेस पार्टी के तीन वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला के समर्थकों में एक राय न होना , तीनों ही नेताओं के कार्यकर्ता अपने अपने नेताओं को सीएम पद की दौड़ में सबसे आगे देखने की होड़ के चलते यह लुटिया डूबी है।

हरियाणा के चुनाव परिणाम और रुझानों ने एक बार फिर एग्जिट पोल को झूठा साबित कर दिया है ।यहां बीजेपी लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाने जा रही है। अभी तक के रुझानों के हिसाब से बीजेपी पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है। हरियाणा को लेकर जारी एग्जिट पोल पर खुशी मनाते कांग्रेस के कार्यकताओं के लिए मतगणना का दिन अच्छा नहीं रहा। जम्मू कश्मीर के चुनाव परिणाम भी कांग्रेस पार्टी के लिए बहुत ज्यादा खुशी लेकर नहीं आए हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हो रही है।यहां उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।भाजपा यहां मजबूत विपक्ष के रूप में उभरी है।कांग्रेस पार्टी जम्मू कश्मीर के चुनाव में जम्मू क्षेत्र में यदि अच्छा प्रदर्शन करती तो शायद वह पार्टी और उसके भविष्य के साथ साथ गठबंधन की सरकार को मजबूती प्रदान करता ,लेकिन परिणाम उसके उलट ही रहे है।हार के कारणों को गिने तो 10 सालों से सत्ता से बाहर रही कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता कुछ शिथिल पड़ गए हैं। पार्टी ने चुनाव के लिए देर से कमर कसती है। 10 सालों में राज्य में कांग्रेस पार्टी बीजेपी सरकार की कमी और लोगों के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठा नही पाई। लोकसभा चुनाव में हालांकि कांग्रेस ने बेहतर परिणाम दिए थे और हरियाणा राज्य की 10 में से 5 सीटों पर जीत दर्ज की थी।कांग्रेस पार्टी के भीतर गुटबाजी ने कार्यकर्ताओं तक को एक दूसरे से दूर रखा । इस गुटबाजी को साफ तौर पर देखा भी गया है।कांग्रेस पार्टी के तीन वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला के समर्थकों में एक राय न होना , तीनों ही नेताओं के कार्यकर्ता अपने अपने नेताओं को सीएम पद की दौड़ में सबसे आगे देखने की होड़ के चलते यह लुटिया डूबी है। रणदीप सुरजेवाला की ओर से भले ही कोई बयान न आया हो, लेकिन हरियाणा राज्य की कांग्रेस पार्टी की राजनीति में वह भी एक धुरी बन गए थे. वहीं, भूपिंदर सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा के बीच की कड़वाहट सार्वजनिक मंचों पर देखने को मिल रही थी। दोनों ही नेताओं की सीएम बनने की इच्छा उनके ही बयानों से सामने आ रही थी। उक्त दोनों ही नेता पार्टी आलाकमान पर नेता चुनने की बात कह रहे थे लेकिन अपनी बात भी स्पष्ट रख रहे थे।पार्टी का सीएम पद का

ऐलान न करना भी नुकसान देह रहा है। यदि पार्टी पहले से ही सीएम पद का ऐलान कर देती तो यह गुटबाजी देखने को नहीं मिलती। कार्यकताओं में जोश बराबर रहता और सभी एक नेता के नाम के साथ जनता के बीच जा सकते थे। जनता के मन में भी किसी प्रकार का कोई संशय नहीं होता। लेकिन कांग्रेस पार्टी अपने नेताओं की अंतर्कलह को अंत तक सुलझाने में कामयाब नहीं हो पाए। हालात कितने खराब थे इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता एग्जिट पोल के बाद से ही अपनी-अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने में लगे रहे, यहां तक की आज मतगणना के दिन भी मीडिया को दिए बयानों में कांग्रेस के सीएम पद के दावेदार अपनी कुर्सी पक्की मानकर चल रहे थे।भूपिंदर सिंह हुड्डा तो दिल्ली का दौरा भी कर गए।दलित समाज के वोटों का सरकना भी कांग्रेस हार का एक कारण रहा। लोकसभा चुनाव में जाट और दलित वोटों ने कांग्रेस पार्टी का बेड़ा पार किया था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि पिछले कुछ महीनों में दलित वोट एक बार फिर छटक कर बीजेपी के पाले में चला गया था। राज्य में जाटों का वोट प्रतिशत करीब 22 प्रतिशत है, जबकि 20 प्रतिशत दलित वोट हैं। दलितों का वोट पार्टी से जाना कांग्रेस के लिए एक सदमा दे गया। राज्य में ओबीसी वोट और दलित वोट इस बार फिर बीजेपी के पक्ष में चला गया है। साथ ही कांग्रेस पार्टी का पूरा जोर जाट वोट पर था ,जिसका खामियाजा पार्टी अब हार के रूप में भुगत रही है। राज्य में इंडी अलायंस न बन पाने के कारण इंडी अलायंस के दो दल कांग्रेस से नाराज हो गए। राज्य में आम आदमी पार्टी कांग्रेस पार्टी से 90 सीटों में से 10 सीटों की मांग कर रही थी जबकि समाजवादी पार्टी भी राज्य में 2 सीटों को चाह रही थी। लेकिन अंतिम समय तक इन दलों में सहमति नहीं बन पाई। आम आदमी पार्टी ने नाराजगी में अपने 29 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी ,हालांकि उसे भी शून्य पर सिमटना पड़ा है।आम आदमी पार्टी केवल 4 सीटों पर कुछ असर डाल रही थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी का कहना है कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस की अच्छे परफॉर्मेंस वाली सीटों की मांग कर रही थी। ऐसे में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं भूपिंदर सिंह हुड्डा, रणदीप सुरजेवाला ने गठबंधन के विरोध में अपनी राय व्यक्त की थी। पार्टी की ओर इस कार्य के लिए तैनात किए गए नेता अजय माकन ने दोनों की बात को स्वीकारा और अंततः गठबंधन नहीं हो पाया।जिस कारण आम आदमी पार्टी का दो प्रतिशत वोट कांग्रेस के हाथ से फिसल गया।कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रीय स्तर के बाद राज्य स्तर पर आंतरिक गुटबाजी को खत्म करना चाहिए था,यह साफ देखा जा सकता है कि भीतरी कलह पार्टी को नुकसान पहुंचाती है और भविष्य में इस प्रकार के नुकसान से बचने के लिए पार्टी को कदम उठाने पड़ेंगे।कांग्रेस पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओ को हर अहम मुद्दे पर लोगों के बीच जाना होगा और सरकार पर दबाव बना होगा ताकि पार्टी का रुख लोगों के सामने साफ हो सके।कांग्रेस पार्टी अपने वोटों को बिखरने से बचाने के लिए कदम उठाए और नए वोटों को जोड़ने के लिए कदम उठाए। कांग्रेस की सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने की क्षमता में बाधा डालने वाला एक और कारक उसकी अप्रभावी अभियान रणनीति रही। पार्टी का चुनाव अभियान काफी हद तक प्रतिक्रियात्मक था, जिसमें हरियाणा के लिए एक सम्मोहक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के प्रदर्शन की आलोचना करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। जबकि बेरोजगारी, किसान संकट और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दे उठाए गए, कांग्रेस इन चिंताओं पर मतदाताओं से पर्याप्त रूप से जुड़ने या ठोस समाधान पेश करने में विफल रही है।सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद, भाजपा स्थानीय वास्तविकताओं के अनुसार अपनी रणनीति को ढालकर कुछ हद तक नुकसान को कम करने में कामयाब रही। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, हालांकि किसान विरोध और कानून व्यवस्था के मुद्दों से निपटने के लिए आलोचना के शिकार हुए, लेकिन साथ ही वे एक गैर-भ्रष्ट, सुलभ नेता की छवि बनाए रखने में कामयाब रहे। गैर-जाट समुदायों से उनकी अपील ने भाजपा को वोटों का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने में मदद की। इसके अलावा, भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और राष्ट्रवादी अपील का प्रभावी ढंग से लाभ उठाया। एक मजबूत नेता के रूप में मोदी की छवि, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के भाजपा के आख्यान के साथ मिलकर, शहरी और अर्ध-शहरी मतदाताओं के बीच गूंजती रही, जो स्थानीय मुद्दों से कम और राष्ट्रीय चिंताओं से अधिक प्रभावित थे। दूसरी ओर, कांग्रेस मोदी की अपील का मुकाबला करने के लिए एक समान एकीकृत आख्यान पेश करने में असमर्थ रही। जिन कांग्रेस नेताओं को फील्ड में भेजा गया, उनमें ज्यादातर सिफारसी थे और प्रभावहीन भी,जो कांग्रेस को हार की तरफ खींच ले गए।

संपादकीय

भाजपा लगातार तीसरी बार

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव के मंगलवार को घोषित नतीजों में भाजपा ने हरियाणा में बहुमत हासिल कर लिया जबकि जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का चुनावपूर्व गठबंधन सरकार बनाने की तरफ अग्रसर है। चूंकि अभी अंतिम नतीजे घोषित नहीं हुए हैं, इसलिए बढ़त से जो तस्वीर उभरी है, पूरे नतीजे घोषित होने के बाद वो कमोबेश ऐसी ही रहनी है। हरियाणा में भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश मिला है और पहली बार है कि जब कोई पार्टी तीसरी बार अपनी सरकार बनाने जा रही है। जम्मू-कश्मीर में जरूर भाजपा को उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले हैं, जहां जम्मू क्षेत्र की विधानसभा सीटें बढ़ने के बावजूद उसकी सीटें कम आई हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए जम्मू-कश्मीर के नतीजे संजीवनी बूटी की तरह हैं क्योंकि लोक सभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को शिकस्त मिली थी। उमर, जो इस बार दो विधानसभा क्षेत्रों से लड़े. ही इसलिए थे कि पराजय के अंदेशे को दूर रख सकें, यदि चुनाव हार जाते तो 1996 के बाद पहली बार होता जब अब्दुल्ला परिवार का कोई भी संसद या विधानसभा में नहीं होता। कईलोग मान रहे थे कि यह चुनाव उमर के राजनीतिक कॅरियर का भविष्य निर्धारित करेगा। जम्मू-कश्मीर में एक अन्य परिणाम ने भी चौंकाया है। बिजबेहरा विधानसभा सीट से पीड़ीपी की टिकट पर पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले ही चुनाव में हार गईं। इस तरह राजनीति में जीत के साथ पदार्पण करने से चूक गईं। पीड़ीपी के लिएभी चुनाव बेहद निराशाजनक रहे क्योंकि पिछली बार पीड़ीपी ने भाजपा के समर्थन से राज्य में सरकार बनाई थी। माना जा रहा है कि भाजपा के साथ गठबंधन करके सरकार चलाने के कारण ही इस बार उन्हें अपने कोर मतदाताओं के कोप का शिकार होना पड़ा। बहरहाल, घाटी में दस साल हुए विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक हुए। लोगों में चुनाव को लेकर खासा उत्साह था, जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। हरियाणा में चुनाव-पूर्व अनुमानों में कांग्रेस को बढ़त दिखाई जा रही थे। माना जा रहा है कि जाट बनाम गैर जाट का मुद्दा भी चला। किसान, पहलवान और जवान तीनों ही वर्गों को भाजपा से नाराज बताया जा रहा था लेकिन कयासबाजियों को धता बताते हुए भाजपा ने जीत का डंका पीट दिया। अन्य राज्यों में आसन्न चुनावों में उसे इसका फायदा मिलना तय है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती।

आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवसः बेहतर दुनिया बनाने के लिये मन को स्वस्थ करना जरूरी

मन की स्वस्थता शरीर की स्वस्थता से भी ज्यादा जरूरी है, क्योंकि जीवन की पूर्णता, सार्थकता एवं सफलता मानसिक स्वास्थ्य पर ही निर्भर है। मन से स्वस्थ व्यक्ति ही दुनिया का सबसे धनी व्यक्ति हो सकता है। मन स्वस्थ रहे एवं आगे से आगे मानसिक स्वास्थ्य बढ़ता जाये, इसी उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को दुनिया भर में मनाया जाता है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डालने, मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वाले लोगों का समर्थन करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का महत्व मानसिक स्वास्थ्य को वैश्विक प्राथमिकता बनाने के अपने मिशन में निहित है। यह दिन मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पहल को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य महासंघ ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2024 के लिए थीम 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य' की घोषणा की है। मानसिक स्वास्थ्य मानसिक तंदुरुस्ती की एक ऐसी स्थिति है जो लोगों को जीवन के तनावों से निपटने, अपनी क्षमताओं को पहचानने, अच्छी तरह से सीखने और काम करने तथा अपने समुदाय में योगदान करने में सक्षम बनाती है। यह स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती का एक अभिन्न अंग है जो निर्णय लेने, संबंध बनाने और जिस दुनिया में हम रहते हैं उसे आकार देने की हमारी व्यक्तिगत और सामूहिक क्षमताओं को रेखांकित करता है।

सुरक्षित, मनोरम, हास्यवर्द्धक, भाररहित, सहायक कार्य वातावरण मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सुरक्षात्मक भूमिका निभाते हैं। हालाँकि भेदभाव, उत्पीड़न, असुरक्षित और खराब कार्य स्थितियों जैसी अस्वस्थ स्थितियाँ मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा कर सकती हैं। ये चुनौतियाँ जीवन की समग्र गुणवत्ता, कार्य भागीदारी और उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। भारतीय परिप्रेक्ष्य में कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को ताजा करने और एक स्वस्थ और खुशहाल कार्य वातावरण बनाने की ज्यादा अपेक्षा है। शोध के अनुसार, 6 व्यक्तियों में से 1 व्यक्ति कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करता है और हर साल 12 बिलियन कार्य दिवस अवसाद, तनाव और चिंता के कारण बर्बाद हो जाते हैं। देश में कार्यस्थलों में बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता की स्पष्ट आवश्यकता है, जिससे न केवल व्यक्ति को बल्कि संगठन को भी लाभ होगा। वास्तव में, जो कर्मचारी खुश रहते हैं वे 13 प्रतिशत अधिक उत्पादक होते हैं, इसलिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करना व्यावसायिक रूप से समझदारी है। मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकता है। जैसे शरीर की सफाई दिन में कई बार आवश्यक है, वैसे ही मन की सफाई कई बार होनी चाहिए। मिल या अन्य औद्योगिक ईकाइयों में काम करने वालों का कपड़ा थोड़ा-थोड़ा करके शाम तक खराब हो जाता है, वैसे ही मन भी कार्यस्थलों पर तरह-तरह के संकटों, तनावों एवं परेशानियों से खराब होता है। इसके लिये लंबी, गहरी सांस से मानसिक स्वास्थ्य की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। मन से लड़े नहीं, बल्कि उसे समझाएं। प्रमोदभाव-गुणात्मक दृष्टि का विकास करें। मन को वॉचमैन बनाकर रखिये। क्योंकि जीने का वास्तविक अर्थ है हर पल स्वयं के द्वारा स्वयं का निरीक्षण। देखना है कि मन कब राग-द्वेष, तनाव, अवसाद, विकास एवं कुंठाग्रस्त हो रहा है।

कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है। कार्यस्थल पर बढ़ते तनाव और उससे जुड़ी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के साथ, नियोक्ताओं के लिए अपने कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को पहचानना और उसे प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चला है कि कार्यस्थल पर ज्यादा से ज्यादा कर्मचारी दबाव और तनाव महसूस कर रहे हैं और इसकी संख्या बढ़ती जा रही है। 55 प्रतिशत कर्मचारियों को लगता है कि उनका काम ज्यादा तीव्र और मांग वाला होता जा रहा है। इसके अलावा, शोध से पता चलता है कि ब्रिटेन के पाँच में से एक कर्मचारी ने कार्यस्थल पर तनाव और दबाव को प्रबंधित करने में असमर्थता महसूस की। लगभग ऐसी ही स्थितियां भारत में भी देखने को मिल रही है। भारी कार्यभार, तंग समय सीमा और सहायता की कमी जैसे तनाव कर्मचारियों में चिंता, तनाव, अवसाद और बर्नआउट का कारण बन सकते हैं। कई कर्मचारी कमजोर समझे जाने, संभावित रूप से अपनी नौकरी खोने या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी परेशानियों के कारण मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने से डरते हैं। नियोक्ता अपने कर्मचारियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की आम बात को तेजी से पहचान रहे हैं और कर्मचारियों को उनके मानसिक स्वास्थ्य को समझने और प्रबंधित करने में मदद करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज के आँकड़ों के अनुसार, ज्ञान की कमी, मानसिक बीमारी के कलंक और देखभाल की उच्च लागत जैसे कई कारणों की वजह से 80 प्रतिशत से अधिक लोगों की देखभाल सेवाओं तक पहुँच नहीं है। वर्ष 2012-2030 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के कारण 1.03 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। भारत में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को प्रायः कलंकित किया जाता है और गलत समझा जाता है। कई व्यक्ति एवं परिवार सामाजिक भेदभाव के डर और मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में जागरूकता की कमी के कारण मदद लेने से झिझकते हैं। स्त्रियों एवं पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य में असमानताओं में उनके लैंगिक भिन्नताओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत में महिलाओं को अवसाद, चिंता और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है तथा उनके पास मदद मांगने हेतु स्वायत्तता अक्सर सीमित होती है। गरीबी और आर्थिक असमानता मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की वृद्धि में योगदान देती है। वित्तीय अस्थिरता के चलते तनाव और शैक्षिक अवसरों की सीमितता भी मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकती है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य के समान रूप से महत्वपूर्ण घटक हैं। उदाहरण के लिए, अवसाद कई प्रकार की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं, विशेष रूप से मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी दीर्घकालिक स्थितियों के जोखिम को बढ़ाता है। इसी तरह, पुरानी स्थितियों की उपस्थिति मानसिक बीमारी के जोखिम को बढ़ा सकती है। प्रतिकूल बचपन के अनुभव, जैसे आघात या दुर्व्यवहार का इतिहास उदाहरण के लिए, बाल दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न, हिंसा देखना, आदि। अन्य चल रही दीर्घकालिक चिकित्सा स्थितियों से संबंधित अनुभव, जैसे कि दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, कैंसर, या मधुमेह। मस्तिष्क में जैविक कारक या रासायनिक असंतुलन, शराब या नशीली दवाओं का उपयोग, अकेलेपन या अलगाव की भावना होना आदि मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। मन को बीमार करने के ये कुछ कारण है। मन हमारे व्यक्तित्व का दर्पण है।

- ललित गर्ग

सामयिकः टैगोर से दूर जाता बांग्लादेश

प्रहलाद सबनानी

आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श गढ़े जा रहे हैं। हाल के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। कुछ देशों के संबंध में प्रायः कुछ विमर्श गढ़े गए हैं, जैसे अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि वहां व्यापार पर अधिक ध्यान दिया जाता है। ब्रिटेन के बारे में धारणा है कि वहां राजनीति पर अधिक ध्यान दिया जाता है। जर्मनी के संबंध में कहा जाता है कि वहां युद्ध कौशल के बारे में अधिक चर्चा की जाती है।

इसी प्रकार, भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है परंतु अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं, और नित नये विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि हाल के समय में वैश्विक स्तर पर मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभरा है, तो भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही एवं ये देश भारत के संबंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां।

हालाँकि चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में ये एक हो गई हैं।

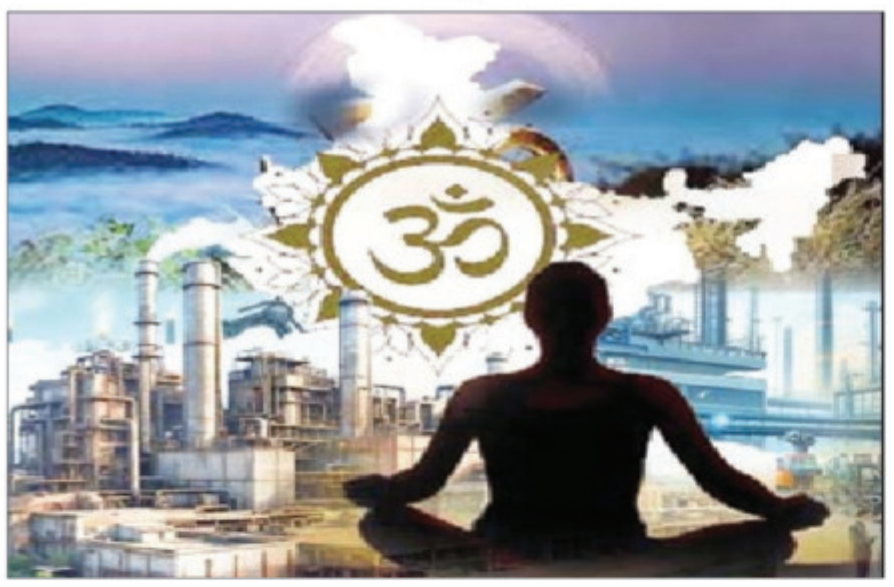

पश्चिमी एवं भारतीय विचारधारा में जमीनआसमान का अंतर है। जैसे भारत में व्यापार के मामले में 'शुभ लाभ' की विचारधारा पर कार्य किया जाता है परंतु पश्चिमी देशों में पूंजीवाद का अनुसरण करते हुए व्यापार में अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए चाहे सामान्यजन को कितना ही नुकसान क्यों न उठाना पड़े, लेकिन इसे 'शुद्ध लाभ' की संज्ञा दी जाती है। इसी प्रकार, वामपंथी विचारधारा में अप्रत्यक्ष रूप से 'शून्य लाभ' के लिए कार्य होता दिखाई देता है जिससे अंततः व्यापार ही समाप्त होने की ओर बढ़ जाता है।

भारतीय परंपरा में व्यापार में शुभ लाभ इसलिए कहा गया है क्योंकि भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि व्यापार में होने वाले लाभ को 7 हिस्सों में बांट कर अति गरीबों को भी हिस्सा उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि वे भूखे न रहें। यह संस्कार भारतीय नागरिकों में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का संचार करता है। इसी कारण से आज विश्व भर में फैले आतंकवाद से निपटने में भारतीय सनातन संस्कृति ही सक्षम दिखाई देती है। यह विमर्श खड़ा किए जाने की सख्त आवश्यकता है। भारत में 'संयुक्त परिवार भारतीय नागरिकों के सुख का आधार है'। पश्चिमी देशों में तो संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते और इसके दुष्परिणाम के रूप में वहां सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता दिख रहा है। इन देशों में तलाक की दर अधिक है, और नागरिक एक जीवन में 7 शादियां तक कर लेते हैं जबकि भारत में शादी को पवित्र बंधन मानते हुए पति-पत्नी के लिए विवाह नामक संस्था को 7 जन्मों का बंधन माना जाता है। एक से अधिक शादियां करने के चलते पश्चिमी देशों में बच्चों को अपने पिता के बारे में ही जानकारी नहीं रह पाती। बुजुर्ग दंपति अपने अंतिम समय पर पीड़ादायी जीवन जीने को मजबूर हैं। बच्चों में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है एवं बच्चे अवसाद के शिकार हो रहे हैं। 'भारत ने विश्व का दिल जीता है' एवं 'भारतीय संयुक्त परिवार ही सुख का आधार है', 'सेवा कार्य भारतीय नागरिकों के डीएनए में है' जैसे विमर्श गढ़ने की जरूरत है। पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है।

इस्लाम एवं ईसाइयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता। जो कुछ करना है, इसी जन्म में करना है। इसके विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है। इसलिए भारतीय उपभोग में संयम बरतते हैं एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है, 'प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा न रहूं और अन्य कोई भी भूखा न सोए'। हिन्दू जीवन पद्धति है। इसे धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। धर्म का आशय अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करने से है जबकि कई बार हिन्दू शब्द को धर्म से जोड़ दिया जाता है, और हिन्दू को अलग धर्म मान लिया जाता है।

हिन्दू राष्ट्र भारत की संकल्पना है। कुछ विदेशी शक्तियां भारत के विरुद्ध झूठे विमर्श गढ़ने में व्यस्त हैं तो भारत को भी अपने बारे में सत्य पर आधारित विमर्श गढ़ने की जरूरत है। भारतीय सनातन संस्कृति तो धरा पर समस्त जीवों के भले की बात करती है, इसीलिए भारत में पर्वत, नदी, पेड़, पौधों, जंतुओं आदि को भी पूजा जाता है। भारतीय संस्कृति में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है परंतु दुर्भाग्य से आज पूरे विश्व में हिंसा व्याप्त है। हिंसा को सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपना कर ही रोका जा सकता है। भारत के बारे में वास्तविक एवं सत्य पर आधारित विमर्श गढ़ कर अन्य देशों के नागरिकों को भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

एक नजर

गिरिडीह में खाद्य प्रतिष्ठानों का हुआ औचक निरीक्षण

गिरिडीह : दुर्गा पूजा एवं आगामी त्योहार को लेकर फूड सेफ्टी विभाग के द्वारा बुधवार को गिरिडीह शहरी क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों होटल, रेस्तरां, मिठाई दुकान एवं राशन दूकानों में जाँच अभियान चलाया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ पवन कुमार ने बताया कि त्योहार को लेकर खाद्य पदार्थों विशेषकर मिठाइयों में मिलावट की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए फूड सेफ्टी विभाग के द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर प्रतिष्ठान में साफ-सफाई का जायजा लिया गया। खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा के नियमो के अनुरूप कारोबारों करने, प्रतिष्ठान में उचित स्वच्छता के साथ खाद्य सामग्रियों के निर्माण एवं विक्री करने का निर्देश दिया गया। खाद्य नमूनों को संग्रहित कर जांच के लिए खाद्य जाँच प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। यह अभियान छठ पूजा तक जारी रहेगा। खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन करने वाले कारोबारियों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अधीन कार्रवाई की जाएगी। इस क्रम में पपरवाटाड़ स्थित कान्हा स्वीटस, यादव मिष्ठान, बोडो स्थित विशाल मेगा मार्ट एवं साई स्वीटस, कोर्ट रोड अवस्थित पंजाबी रसोई, अन्नपूर्णा स्वीट, रजनी कांत डोसा सेंटर एवं बस स्टेंड अवस्थित गोपाल स्वीट की जाँच की गई साथ ही साथ मिठाईयों, जैम एवं नूडल्स का नमूना जाँच लेकर जाँच के लिए भेजा गया।

रामगढ़ में खुले पूजा पंडालों के पट उमड़े श्रद्धालु

रामगढ़ : शारदीय नवरात्र की सप्तमी तिथि को मां दुर्गा के पट खोल दिए गए हैं। इसके साथ पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। रामगढ़ शहर के विभिन्न पूजा पंडालों में मंगलवार को श्रद्धालुओं की कतार दर्शन के लिए लगी रही। माता वैष्णो देवी मंदिर में भी सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मेन रोड पूजा पंडाल, बिजोलिया पूजा पंडाल, रांची रोड पूजा पंडाल को बेहद आकर्षक तरीके से बनाया गया है। महामाया दरबार में भी किए गए सजावट को देखने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंच रहे हैं। पहाड़ों पर बसी महामाया मां के दरबार की छटा काफी अनूठी लग रही है। चुटूपालू घाटी से ही माता का दरबार दिखाई देता है। नवरात्र में वहां की गई विद्युत साज लोगों को लुभा रही है। श्रद्धालु उसे देखने के लिए भी पहुंच रहे हैं। इसके अलावा रामगढ़ का मुख्य मेला बरकाकाना घुटुवा में लगता है। वहां मेला घूमने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। वहां के पूजा पंडालों में भी काफी रौनक हो गई है।

त्योहारों के मद्देनजर मिठाई दुकानों का निरीक्षण, लगा जुर्माना

रामगढ़ : त्योहारों में मिलावटी मिठाई की बिक्री होने की संभावना काफी अधिक रहती है। डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीपश्री श्रीवास्तव ने मंगलवार को रामगढ़ शहर में कई दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें कहीं बिना लेबल के नमकीन की बिक्री होती हुई दिखाई दी, तो कहीं जलेबी में ही इंडस्ट्रियल कलर मिलाकर बेचा जा रहा था। कुछ ऐसे उत्पाद भी मिठाई में मिले जा रहे थे, जिससे शरीर को काफी नुकसान हो सकता है। जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने ऐसे दुकानदारों पर न सिर्फ कार्रवाई की, बल्कि उन्हें आर्थिक दंड भी लगाया है। साथ ही सभी दुकानदारों को यह चेतावनी भी दी है कि त्योहारों में मिलावटी खाद्य सामग्री नहीं बेची जाए। यदि शिकायत आती है तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मोतीलाल और जनप्रिया चनाचूर के मालिकों पर आर्थिक दंड लगाया है। इसके अलावा चट्टी बाजार में हरियाणा जलेबी बेचने वाले को भी जुर्माना लगाया गया है।

मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता कराएं सुनिश्चित : कमिश्नर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : प्रमंडलीय आयुक्त-सह-मतदाता सूची प्रेक्षक बाल किशुन मुंडा अपने कार्यालय में मतदान केन्द्रों पर न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को लेकर समीक्षा बैठक की। शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने आगामी विधानसभा आम चुनाव, 2024 के दृष्टिगत पलामू प्रमंडल के तीनों जिले यथा पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के मतदान केंद्रो पर दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनूरूप सभी न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के पदाधिकारी अपने संबंधित जिले के स्कूलों में अवस्थित मतदान केंद्रों तथा समाज कल्याण पदाधिकारी एवं उनसे जुड़े पदाधिकारी आंगनवाड़ी केंद्रों में अवस्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता की जांच कर लें और समय रहते वहां कि कमियों को दूर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा निदेशों का शत प्रतिशत अनुपालन करते हुए दिव्यांग, वरिष्ठ/वृद्ध मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर रैंप, व्हीलचेयर की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। साथ ही रनिंग वाटर, शुद्ध पेयजल, बिजली, शौचालय आदि न्यूनतम सुविधाओं का उपलब्धता सुनिश्चित करायें, ताकि मतदान प्रतिशत बेहतर हो सके। उन्होंने बीएलओ के माध्यम से वैसे दिव्यांग या वृद्ध मतदाता, जो मतदान केंद्र तक आने में असक्षम हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए होम वोटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही सक्षम दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर उपस्थित होकर मतदान के लिए प्रेरित करने तथा निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई जिम्मेदारियों का समयबद्धता से निर्वहन करने का निदेश दिया। उन्होंने स्वीप की गतिविधियों के माध्यम से भी मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध कराई जा रही न्यूनतम सुविधाओं से मतदाताओं को अवगत कराते हुए जागरूक करने का निदेश दिया। बैठक में आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा के अलावा पलामू, गढ़वा एवं लातेहार जिले के जिला शिक्षा अधीक्षक एवं समाज कल्याण विभाग से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

नगर निगम की ओर से स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का होगा आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : दुर्गा पूजा के अवसर पर मेदिनीनगरनगर निगम की ओर से स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।इसके तहत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जाना है।पूजा एवं त्योहारों के मौके पर अक्सर श्रद्धालुओं की भीड़ द्वारा पंडालों के समीप खाद्य पदार्थों एवं अन्य ठोस अपशिष्ट का बढ़ना आम बात है जिससे गंदगी फैलती है। बेहतर सफाई के प्रबंधन का उत्तरदायित्व आयोजनकर्ता, स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं का भी है। इस प्रयास को प्रभावी बनाने व स्वच्छता के प्रति शहर वासियों के बीच जागरूकता का प्रसार करने के उद्देश्य से स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। कुल 80 अंको की होगी प्रतियोगिता,निगम के टीम द्वारा कुल 8 बिंदुओं पर किया जायेगा मूल्यांकन यह प्रतियोगिता कल 80 अंकों का होगा। जिसमें 8 बिंदु शामिल है। सभी बिंदु के 10 अंक निर्धारित किए गए हैं. निकाय द्वारा गठित टीम के सदस्य 10,11 व 12 अक्टूबर को पंडालो का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान जिन पंडालों में गाइडलाइन के अनुरूप सबसे बेहतर व्यवस्था पाई जाएगी उसी के अनुरूप उसे नंबर प्रदान किया जायेगा जिसके बाद सर्वश्रेष्ठ तीन पंडालो को पुरस्कृत किया जाएगा। इस संदर्भ में अधिक जानकारी हेतु नगर निगम के एसबीएम कोषांग के मो नंबरः 7277311538 पर कार्यालय अवधि में संपर्क किया जा सकेगा।

पलामू में अफीम तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के कचरवा डेम रोड में स्थित संत जेवियर स्कूल के सामने नहर रोड के पास अफीम बेचने आए दो युवकों में से एक को गिरफ्तार किया गया है। युवक जूता में छुपा कर अफीम की बिक्री करने पहुंचा था। एक युवक खरीदार को ढूंढने के लिए निकला था। मौके पर मौजूदगी नहीं रहने कारण वह पकड़ में नहीं आ सका। उसकी पहचान हो गई है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी में जुटी हुई है। एसडीपीओ सदर मणिभूषण प्रसाद ने बुधवार को शहर थाना में बताया कि पुलिस अधीक्षक से सूचना मिली कि कचरवा डेम रोड संत जेवियर स्कूल के सामने नहर रोड के पास दो संदिग्ध व्यक्ति अवैध रूप से अफिम की बिक्री करने वाले हैं। पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार उनके नेतृत्व में टीम का गठन करते हुए कचरवा डेम रोड संत जेवियर स्कूल के सामने नहर रोड के पास पुलिस पहुंची तो पुलिस को देखकर, वहां से एक व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के सहयोग से घेराबंदी करते हुए युवक को पकड़ा गया तथा नाम पता पूछते हुए उससे भागने का कारण पूछा तो उसके के द्वारा अपना नाम इजराईल आलम उर्फ गोल्डेन आलम पिता कलीम मियां, जमुना, थाना तरहसी बताते हुए भागने के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उसके पास मादक पदार्थ पाये जाने की संभावना देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा तलाशी ली गई। युवक के बांये पैर के जूता के अन्दर सफेद प्लास्टिक में पैक हुआ 260.36 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (अफीम) की बरामदगी हुई। आरोपित ने बताया कि उसी के गांव का कलाम मियां के साथ यहां अफीम बेचने आये थे। कलाम मियां की तलाश की जा रही है।

दलितों का विकास भगवान भरोसे जनप्रतिनिधि जुमलेबाज : रूचिर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रूचिर कुमार तिवारी ने बदलाव यात्रा के 17वां दिन नगर निगम के वार्ड नंबर 1 ग्राम सिंगरा खुर्द एवं सिंगरा कला में लोगों से मिलकर उनकी जन समस्याओं से अवगत हुआ। और उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र बनने के बाद निगम में भाजपा के मेयर सांसद विधायक का ही राज पाट रहा फिर भी वार्ड नंबर 1 में दलित एवं गरीबों के इलाकों में कोई विकास का काम नहीं हुआ ना तो सड़क बना ना नाली बना और न हीं एक लाइट भी लगा एक भी आवास योजना का लाभ दलित बस्ती के लोगों को नहीं मिला है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि भाजपा के विधायक एवं जनप्रतिनिधि गरीब एवं दलित विरोधी है। इन्हें सिर्फ बड़े पूंजीपति और कॉपोरेट घराने का काम करना अच्छा लगता है जितना विज्ञापन के खर्चे से शहर के पूर्व मेयर वर्तमान विधायक एवं पूर्व विधायक ने अपना चेहरा चमकाया है। उतना में दलित इलाकों में कई आवास बन जाता। सैकड़ो खपड़ैल मकान में प्लास्टिक लगाकर रहने को दिवस है दलित परिवार। जनसंपर्क अभियान में सिंगर के बिहारी शुक्ला ने कहा कि सीपीआई के बदलाव यात्रा के अगुवाई करने वाले रुचिर तिवारी का साथ सभी लोग दें यह समय की मांग है। मौके पर युवा कम्युनिस्ट नेता अभय कुमार भूइंया ने कहा कि दलित, गरीब मजदूरों के विकास के लिए सीपीआई को मजबूत करें एवं भाकपा के विस उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी को बिधानसभा भेजने का काम करें। बदलाव यात्रा में किसान नेता रामराज तिवारी, अधिवक्ता ललित शुक्ला, रवि भूइंया, बाबुलाल भूइंया, सुशील शुक्ला, रितेश आर्यन सहित कई लोग थे।

दो बाइक की टक्कर में पिता-पुत्र की मौत, तीन जख्मी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के परशुराम चौक सह बेदानी मोड़ पर बुधवार को दो बाइक में जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें एक मोटरसाइकिल पर सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई जबकि पोता जख्मी हो गए। दूसरी बाइक पर सवार दो युवक जख्मी हुए। तीन घायलों में से दो को एमआरएमसीएच में रेफर किया गया है। एक का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। मृतक की पहचान बेदानी खुर्द निवासी 82 वर्षीय मुनेश्वर मांझी और उनके पुत्र 62 वर्षीय पुत्र रामदास पासवान के रूप में हुई है जबकि 22 वर्षीय पोता नीतीश पासवान उर्फ भोला के रूप में हुई है। दूसरी बाइक पर सवार युवकों की पहचान बिहार के घोरीघाट निवासी तस्लीम कुरैशी और नूर आलम के रूप में हुई है। दोनों युवक एक ही गांव के हैं। तस्लीम अपनी भांजी से मिलने के लिए डालटनगंज आ रहा था। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बेदानी खुर्द से मुनेश्वर मांझी, रामदास पासवान और नीतीश पासवान उर्फ भोला एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तरहसी जा रहे थे जबकि बिहार के घोरीघाट से दोनों युवक मोटरसाइकिल से पदमा की ओर से आ रहे थे। बेदानी मोड़ पर जैसे ही नीतीश ने मोटरसाइकिल मोड़ी वैसे ही तस्लीम की मोटरसाइकिल से उसकी बाइक में टक्कर हो गई। घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजा, वहां से नूर, तस्लीम और रामदास को एमआरएमसीएच में रेफर कर दिया गया है जबकि नीतीश का इलाज वहीं पर चल रहा है। रामदास के सिर में गंभीर चोट आई थी। एमआरएमसीएच में उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया।

बेलवरण के साथ दुर्गा बाड़ी में महाषष्ठी पूजा प्रारम्भ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : बेलवरण पूजा के साथ बुधवार की सुबह बंगीय दुगार्बाड़ी में महाषष्ठी पूजा शुरू की गयी। दुर्गा बाड़ी सञ्चालन समिति के अध्यक्ष देवेश मोइत्रा व सचिव दिवेन्दु गुप्ता ने बताया की इस वर्ष चूँकि बारिश हो सकती है तो पूजा के दौरान भक्तो को कोई दिक्कत न हो इसका प्रयास किया जा रहा है। दोनों पदाधिकारियों ने बताया की दुर्गा बाड़ी के भवन को अत्याधुनिक बनाने का काम शुरू कर दिया गया है, इसके निर्माण में सहयोग करने में इच्छुक लोगो के लिए अलग काउंटर बनाया गया है जहाँ वे संपर्क कर सकते है। इसके लिए देवाशीष सेनगुप्ता को कोश संग्रह प्रभारी बनाया गया है। दोनों पदाधिकारियों ने बताया की पूजा को लेकर सभी तैयारियां कर ली गई है। इसके लिए सुबह और शाम की अलग अलग पाली बनाया गया है। जिसमे अलग अलग सदस्यों को जिम्मेदारी दी गयी है। बेलपूजन कार्यक्रम सतेंद्रनाथ भट्टाचार्य, दीपक बागची, देवी प्रसाद बनर्जी, नीलकमल भट्टाचार्य के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बासुदेव गोस्वामी, कुसुमिता मुखोपाध्याय व प्रशांत भट्टाचार्य ने सहयोग किया। बंगीय दुगार्बाड़ी के पूजा समिति के अध्यक्ष आशीष दाशगुप्ता व सचिव जयंत विश्वास ने बताया की इस वर्ष सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी को कई कार्यक्रम किये जायेंगे। उन्होंने बताया की इस वर्ष कहीं-कहीं 12 अक्टूबर दिन शनिबार को दशमी पूजा व विसर्जन किया जा रहा है, दुर्गा बाड़ी में 13 अक्टूबर दिन रविवार को विसर्जन किया जायेगा। इसी दिन दोपहर को सिंदूर खेला होगा। 10 को सप्तमी, 11 को अष्टमी व 12 अक्टूबर को नवमी मनाया जायेगा। 12 अक्टूबर को ही शाम में खिचड़ी भोग वितरण होगा। इसके अलावा तीनो दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जायेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रभारी सुमित भट्टाचार्या और मुनमुन चक्रवर्ती ने बताया की सप्तमी को मासूम आर्ट ग्रुप के द्वारा हिंदी नाटक प्यार की फुलझड़ी प्रस्तुत किया जायेगा, जो एक हास्य नाटक है। अष्टमी को कोलकाता के कलाकारों द्वारा गीत संगीत का कार्यक्रम होगा, इसके साथ स्थानीय कलाकार राजा सिन्हा के नेतृत्व में अपनी प्रस्तुति देंगे। नवमी की शाम को भी कोलकाता व स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति होगी। इसी के साथ बंगाली समुदाय के बच्चों के बीच कई तरह के प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी बच्चे भाग लेंगे। इसे सफल बनाने के लिए अलग-अलग उप समितियां बनाई गई है। पूजा आयोजन को सफल बनाने में प्रसेनजित दाशगुप्ता, सौभिक दत्ता, शिवेश मोइत्रा, अमर कुमार भांजा, गौतम घोष, बिपुल दत्ता, सुमित डे, दीपू साहा, रोबिन साहा, दिलीप साहा, जयदीप साहा, सौभिक बोराल, नयन गोस्वामी, शिवनाथ चटर्जी, शुभंकर चक्रवर्ती आदि का सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

मुझे न्यायालय से न्याय मिल गया है, अब जनता से न्याय की बारी है : के एन त्रिपाठी

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू जिला डाल्टनगंज के एम० पी०, एम० एल० ए० कोर्ट के जज अमित कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने केस संख्या-448/20 जो कि 2019 में विधानसभा चुनाव के दिन डाल्टनगंज- भण्डरिया विधान सभा के चैनपुर प्रखंड के कोशियारा ग्राम में बूथ पर घुमने के क्रम में विधायक आलोक चौरसिया के 500 लोगों ने जान से मारने के नियत से घेर लिया था और पत्थर बाजी करते हुए प्रत्याशी के एन त्रिपाठी के दोनों वाहनों को तोड़ दिया था,जिस पर के० एन० त्रिपाठी वहां से जान बचाकर किसी तरह निकले। पत्थर बाजी करने वाले को पकड़ कर उपायुक्त कार्यालय में समर्पित किया था, जिस पर उपायुक्त ने विधायक चौरसिया, मुख्यमंत्री मंत्री के कहने पर दर्ज कराया, जिस पर आज दिनांक 09 अक्टूबर दिन बुधवार को माननीय व्यवहार न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा त्रिपाठी को निर्दोष पाया एवं केस से बरी किया और केस को समाप्त किया गया।

पूजा पंडालों में अग्निशमन और सीसीटीवी की व्यवस्था करें पूजा समिति के पदाधिकारी : डीसी

खूंटी : दशहरा और शारदीय नवरात्र को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी लोकेश मिश्रा ने जिले में विधि व्यवस्था संधारण और पूजा पंडालों में आवश्यक सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी पूजा समितियों और जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिये हैं। पूजा समितियों को सभी पूजा पंडालों में अग्निशमन की व्यवस्था रखने, सीसीटीवी की व्यवस्था रखने, श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास का मार्ग अलग-अलग रखने और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखकर पार्किंग स्थल बनाने का निर्देश प्रशासन द्वारा दिया गया है। उपायुक्त ने जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को भी आवश्यक निर्देश दिए हैं। त्योहारों के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने, आकस्मिक स्थिति के लिए अग्निशामक को सक्रिय रखने, सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने, शराब बंदी आदेश का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने, विसर्जन स्थल पर स्थानीय प्रशिक्षित तैराक तैनात करने, नियंत्रण कक्ष में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सक्रिय रहने समेत अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये हैं। इसके अलावा चौक चौराहों पर पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करने, महिलाओं के साथ छेड़ाछाड़ जैसी घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने, अफवाहों का खंडन करने, स्वास्थ्य विभाग को आवश्यकता अनुसार एम्बुलेंस सेवा एवं चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर समारोह का हुआ आयोजन

मेदिनीनगर (पलामू) : झरिवा पंचायत भवन, चैनपुर, पलामू के प्रांगण में अन्तराष्ट्रीय बालिका दिवस पर समारोह का आयोजन उमंग परियोजना के अन्तर्गत जे एस एल पी एस एवं पी सी आई, इंडिया के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य में किशोरियों एवं माताओं को बालिकायों के अधिकार पर जागरूक करना था। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जे एस एल पी एस के डी पी एम अनीता केरकेट्टा ने कहा कि अगर लड़कियों की शादी सही उम्र में हो तो समाज के लिए भी अच्छा है एवं परिवार के लिए भी। समाज में बालिकाओं के प्रति रूड़ीवादी सोच एवं बालिकायों के विकास में अवरोध पैदा करने वाले सामजिक नियम को बदलना होगा। इसके लिए सामाज में महिलाओं खासकर माताओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। जे एस एल पी एस के डी एम एस डी प्रवीण जी ने कहा कि अभी भी समाज में बच्चियों की शादी कम उम्र में उनके इच्छा के विरुद्ध कर दी जाती है। इसे रोकने की जरुरत है। जीवन में निर्णय लेने के लिए कभी कभी ना कहना भी जरूरी होता है इसीलिए एक नारा भी है सहेंगे नहीं, कहेंगे। बी पी एम ओमप्रकाश जी ने कहा की लड़का एवं लड़की में भेद नहीं होना चाहिए और लडको के समान ही लड़कियों भी आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। प्रदान संस्था से ओमप्रकाश शर्मा कहा कि झारखण्ड में बाल विवाह ज्यादा है, कम उम्र में शादी होने से किशोरियां मानसिक एवं शारीरक दोनों रूप से कमजोर हो जाती है। इसीलिए उनकी शादी सही उम्र में हो तो उनके लिए एवं परिवार के लिए भी अच्छा है। चाइल्ड लाइन से बताया गया है कि बाल विवाह से जुड़े समस्या के लिए 1098 पर कॉल कर सकते हैं एवं स्पोंसरशीप योजना के बारे में जानकारी दी।

नृत्य एकेडमी का आगाज एक नई शुरुआत : साहेब सिंह नामधारी

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू स्थित महेंद्र आर्केड मैं खुला नित्यांगनी डांस एकेडमी उद्घाटन मे शामिल हुए सोनू सिंह नामधारी के पुत्र साहेब सिंह नामधारी और एकेडमी के डायरेक्टर राजन वर्मा को दी बधाई। साहेब नामधारी ने बताया की राजन वर्मा एक एक्सपर्ट नृत्य अध्यापक है काफी लोग इनके नृत्य से प्रभावित है, राजन वर्मा ने उपस्थित लोगों के माध्यम से इस संस्थान के उद्देश्यों पर सहयोग मांगते हुए कहा कि कलाकी दुनिया और भी विस्तार ले रही है। आज गीत नृत्य संगीत प्रत्येक व्यक्ति के जीवन से जुड़ा हुआ है। बच्चों में बचपन से ही कला के प्रति रुचि जागृत करने सहित कला के क्षेत्र में अपने सुंदर भविष्य के लिए प्रशिक्षण बहुत ही कारगर साबित होता है। बिल्कुल कम शुल्क पर जिले के लिए यह संस्थान आने वाले समय में मिल का पत्थर साबित होगा। मौके पे बॉलीवुड निर्देशक रतन रवानी पंकज लोचन अशोक प्रसाद, डेडीकेटेड अकादमी के संचालक इंजीनियर विनय मेहता, कुमारी अर्चना वर्मा, अलका सिंघानिया, श्वेता जैन, सवेरा कला मंच के सचिन सह निर्देशक जावेद अहमद, रोहित बजाज, दीपा सराफ, नीतू देवी, रितु कुमारी महिला कांग्रेस की सुनीता श्रीवास्तव सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

एक नजर

खुला मां का पट्ट, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सरिया (गिरिडीह) : शारदीय नवरात्र के निमित्त शक्ति की अधिष्ठात्री देवी मां दुर्गा की पूजा के साथ में दिन मां का पट्ट खुला। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ दुर्गा के सातवें रूप कालरात्रि की शोड़षोपचार विधि से पूजा की गई। पूजा को लेकर सरिया क्षेत्र के सरिया बाजार,केश्वारी,बगडो,बागोडीह,कु सुमाड़ीह,बंदखारो, नावाडीह सहित विभिन्न गांव में पूजा पंडालून में श्रद्धालुओं की भीड़ दिनभर लगी रही। लोग उत्साह के साथ मां दुर्गा की आराधना कर तथा सुख संपन्नता की कामना की। इस दौरान स्वयंसेवक तथा पुलिस प्रशासन मेले में व्यवस्था बनाई में तत्पर दिखे।

पथरगामा में 40 पेटी अवैध शराब जब्त

गोड्डा : अवैध शराब के अड्डे पर छापेमारी करने गई गोड्डा जिला उत्पाद विभाग टीम पर शराब तस्करों ने तीन राउंड फायरिंग की और भाग निकले। यह वारदात पथरगामा थाना क्षेत्र के बोहा गांव में मंगलवार की रात करीब 10 बजे हुई। विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव के बाहर पानी टंकी के समीप पेड़ के नीचे काले रंग के तिरपाल से ढककर अंग्रेजी शराब की कई पेटियां रखी हैं, जिसे देर रात बॉर्डर पार कर बिहार भेजने की तैयारी है। सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर निलेश सिन्हा के नेतृत्व में टीम ने गांव पहुंचकर छापेमारी कर अंग्रेजी शराब की 40 पेटियों को बरामद किया। टीम को देख अंधेरे में छुपे तस्करों ने टीम पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। सूचना मिलते ही पथरगामा थाना की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

तालाब में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

चाईबासा : ईचागढ़ थाना क्षेत्र के हुंडी में तालाब में डूबने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान हुंडी गांव के पुरेंद्र महतो के रूप में की गई है। इस संबंध में मृतक की पत्नी सुंदरा महतो ने बताया कि उनके पति पुरेंद्र महतो बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे घर से कुछ दूर स्थित तालाब में नहाने गए थे। करीब 2 घंटे बाद तक जब वे वापस घर नहीं लौटे तो खोजबीन की गयी।

स्वास्थ्य मंत्री ने 534 लाभुकों को दिया पेंशन स्वीकृति पत्र

जमशेदपुर : कदमा कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने 534 लाभुकों के बीच सर्वजन पेंशन योजना के तहत स्वीकृत पेंशन प्रमाण पत्र वितरित किया। उन्होंने सभी लाभुकों को एक-एक स्वच्छता बाल्टी भी प्रदान कर स्वच्छता अपनाने की अपील की। मंत्री बन्ना गुप्ता ने पार्टी के कार्यकताओं को निर्देश दिया कि वे क्षेत्र में घूम-घूम कर जरुरतमंद लोगों को सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें। कार्यक्रम में मनोज झा, भोलेनाथ गोस्वामी, बबुआ झा, विजेंद्र तिवारी, संजय तिवारी, अमित कुमार, सोंटी रजक, बाबू प्रमाणिक, राजा मंडल, सहित बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गैंता से ससुर की हत्या करने वाला दामाद गिरफ्तार

चाईबासा: चांडिल थाना अंतर्गत कपाली ओपी क्षेत्र के इस्लामनगर बाबा गुंडी निवासी 65 वर्षीय अब्दुल सलीम की गैंता से हमला कर हत्या करने वाले तलाकशुदा दामाद फैजल अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना में पूछताछ करने के बाद पुलिस ने बुधवार को उसे जेल भेज दिया। इसकी जानकारी चांडिल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार बिन्हा ने दी। कपाली ओपी में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि हत्या के आरोपी तलाकशुदा दामाद की गिरफ्तारी लोहरदगा स्थित उसके घर से की गई है।

जिला प्रशासन व शांति समिति के वॉच टावर का हुआ उद्घाटन

जन सहयोग से ऐतिहासिक रूप से सफल होगी पूजा : रवि प्रकाश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर: जिला प्रशासन, पुलिस एवं शांति समिति सरायकेला-खरसावां द्वारा एमपी टावर बनाए गए वॉच टावर का उद्घाटन प्रशासक आदित्यपुर नगर निगम रवि प्रकाश, उप नगर आयुक्त पारुल सिंह एवं दित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इससे पूर्व वॉच टावर पहुंचने पर आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह एवं वरिष्ठ समाजसेवी रवींद्रनाथ चौबे ने बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर अपर नगर आयुक्त रवि प्रकाश ने कहा कि विशेषकर आदित्यपुर- गम्हरिया क्षेत्र में बड़े स्तर पर दुर्गा पूजा का आयोजन होता है, जिसे शांति,

सद्भाव और भाईचारे के साथ सफल बनाना एक चुनौती होता ह। लेकिन यहां की पूजा समिति, शांति समिति और प्रबुद्ध लोग काफी सक्रिय हैं और प्रशासन को अपना बेहतर सहयोग देते हैं. यही कारण है कि दुर्गा पूजा सहित आने वाले सभी पर्व त्योहार जन सहयोग और जन भागीदारी के साथ ऐतिहासिक रूप से सफल होंगे। उप नगर आयुक्त पारुल सिंह ने कहा कि नगर निगम प्रशासन की पूरी टीम पूजा को सफल बनाने में सक्रिय है। नगर निगम से जुड़े किसी भी काम की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को पूजा को दौरान कोई दिक्कत ना हो. पुलिस निरीक्षक थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने कहा कि पूजा के दौरान यातायात व्यवस्था पर बेहतर कार्य किया गया है। उन्होंने पूजा घूमने वाले लोगों से प्रशासन द्वारा निर्धारित रूट एवं पार्किंग का पालन करने का आह्वान किया। पुरेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि वॉच टावर के बगल में स्वास्थ्य विभाग, सरायकेला-खरसावां की टीम एंबुलेंस के साथ पूजा के दौरान आवश्यकता होने पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए उपस्थित हो चुकी है। उद्घाटन कार्यक्रम में रिटायर्ड पुलिस उपाधीक्षक सरयू पासवान, शिक्षाविद एसडी प्रसाद, समाजसेवी प्रमोद गुप्ता, सत्येंद्र प्रभात, पूर्व पार्षद सिद्धनाथ सिंह यादव, संतोष कुमार सिंह, रघुनाथ प्रसाद सिंह, समाजसेवी नगीना सिंह, महेश प्रसाद, शैलेंद्र कुमार, कमलेश कुमार सिंह, बैजू यादव, राजेश यादव, मनीष कुमार उपस्थित थे।

डालसा ने तिरुलडीह थाना में नियुक्त किये पीएलवी, मिलेगी कानूनी जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकडू : अब सरायकेला जिले के सभी थाना में लोगों को कानून कि जानकारी मिलेगी। इसका लाभ उन लोगो को होगा जो अपनी शिकायत को लेकर थाना में आते हैं साथ ही एफआईआर दर्ज करने से पहले उन्हें निः शुल्क कानूनी मदद भी मिलेगीं। जिले के सभी थानों में पीएलवी की नियुक्ति की गई हैं। सभी पीएलवी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के देखरेख में काम करेंगे। इधर तिरुलडीह थाना में पीएलवी फागु राम महतो को नियुक्त किया गया है। जो हर सप्ताह बुधवार और रविवार को लोगों को कानून की जानकारी उपलब्ध देंगे। फागुराम महतो ने बुधवार को तिरुलडीह थाना में योगदान दिया और तिरुलडीह थाना प्रभारी अलम चांद महतो से परिचय भी किया। इस दौरान तिरुलडीह थाना प्रभारी ने कहा की पीएलवी फागु राम महतो अलग से बैठने के लिए हेल्प डेस्क उपलब्ध कराया गया है, लोग आकर पीएलवी से कानूनी जानकारी लें सकतें हैं।

हर गांव, हर घर तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने की होगी प्राथमिकता : राजश्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकडू: बुधवार को कुकडू प्रखंड के नए प्रखंड विकास पदाधिकारी के रूप में राजश्री ललिता बाखला ने स्वतः पदभार ग्रहण किया। इस दौरान नव पदस्थापित बीडीओ राजश्री ललिता बाखला ने कहा कि अबुआ आवास योजना, पीएम आवास योजना, मंईयां सम्मान योजना, मनरेगा योजना आदि राज्य और केंद्र सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को हर गांव, हर घर तक सुचारु रूप से पहुँचाने की प्राथमिकता होगी। वहीं इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को भी अपनी प्राथमिकता बताई। इस दौरान उन्होंने कहा कि आमलोग आसानी से कार्यालय में आकर मिल सकतें हैं, अपनी समस्याओ को रख सकतें हैं, लोगों की समस्याओं पर त्वरित समाधान करने का प्रयास होगा। इसके अलावे उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर खेल को बढ़ावे देते हुए खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर

पहचान दिलाने का प्रयास होगा। वहीं स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र एवं क्षेत्र का लगातार निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान बीडीओ ने सभी उपस्थित कर्मियों से परिचय भी प्राप्त किया। मालूम हो की कुकडू प्रखंड की नवपदस्थापित बीडीओ राजश्री ललिता बाखला 1988-98 तक राष्ट्रीय स्तर की बॉलीवॉल खिलाड़ी रह चुकी हैं। 1999 से 2013 तक बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के लिए पंडरा सरकारी स्कूल में सरकारी शिक्षिका भी रही हैं। वहीं वर्ष 2013 में जेपीएससी सीमित परीक्षा में सफलता अर्जित कर झारखंड प्रशासनिक अधिकारी बनीं हैं। राजश्री महिलाओं को अधिकार दिलाने में हमेशा प्रयासरत रहती हैं। कुकडू में बीडीओ के रूप में पदभार लेने के दौरान एई सुदर्शन राणा, जेई भोलानाथ महतो, पंचायत सचिव धरनी प्रमाणिक, बुद्देश्वर सिंह, आनंद महतो, सागर कुमार, अरुण कुमार, शिवशंकर महतो आदि मौजूद थे।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत उधवा प्रखंड के राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में 24 साल की विवाहित महिला का शव बूधवार को सुबह उसके ससुराल में फांसी के फंदे से लटका मिला राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण सरफराजगंज पंचायत अंतर्गत मनिहारी टोला गोहलबाड़ी में एक विवाहिता महिला का शव घर में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। हत्या या आत्महत्य पुलिस गंभीरता से जांच पड़ताल कर रही है। जानकारी के अनुसार दक्षिण सरफराजगंज पंचायत के गोहलबाड़ी निवासी जैदूर शेख की पत्नी नरगीस खातून (24) वर्षीय अपने घर में फांसी के फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लीया। हालांकि घटना की सूचना आग की तरह चारो ओर फैल गई। धीरे-धीरे आसपास के लोगों की भीड़ जूट गई। उधर घटना की सूचना पाकर राधानगर थाना के एसआई संजय कुमार सिंह, एएसआई फुलेश्वर कुमार अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर परिजनों से घटना से संबंधित जानकारी हासिल की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु अनुमंडल अस्पताल राजमहल भेज दिया। हालांकि मामले को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है।

मृतिका की शादी लगभग 5 साल पहले हुई थी

उधवा बकाई टोला निवासी अनसुर शेख की पुत्री नरगीश खातून की शादी दक्षिण सरफराजगंज पंचायत के गोहल बाड़ी गांव के ताजुद्दीन शेख के पुत्र जैदूर शेख के साथ 5 साल पूर्व मुस्लिम रिति रिवाज के अनुसार हुई थी। बताया जाता है कि मृतिका लगभग एक माह से मायके में थी। मंगलवार की शाम को उनके ससुर,एवं गांव के कुछ व्यक्तियों उनके मायके उधवा, बकाई टोला से अपने घर गोहलबाड़ी लेकर आया था। मृतिका किसी के साथ बातचीत भी नही की ना ही रात को खाना खाई। मृतिका के पति जैदूर शेख लगभग दो महा से मुंबई शहर में मजदूरी के लिया गया है। मृतिका एक तीन साल की बच्ची अपने पीछे छोड़ कर दुनिया से चली गई।

2 करोड़ 94 लाख की लागत से 78 योजनाओं का हुआ शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहेबगंज : राजमहल विधायक अनन्त ओझा ने बुधवार को साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन में 2 करोड़ 94 लाख की लागत से 78 विभिन्न विधायक निधि मद से योजनाओं का शिलान्यास एक साथ ऑनलाइन किया। राजमहल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत राजमहल, उधवा और साहेबगंज सदर प्रखंड में विधायक निधि मद से 78 विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया गया हैं। विधायक निधि मद से मास्क लाइट, छतदार चबूतरा, अटल मंडपम, जलमीनार, पीसीसी सड़क सहित कई विकास कार्य किये जाएंगे। राजमहल विधायक अनंत ओझा ने कहा कि राजमहल विधानसभा में आधारभूत संरचनाओं का काम तेजी से चल रहा हैं। विधायक निधि मद से 2 करोड़ 94 लाख की लागत से 78 विभिन्न योजनाओं से राजमहल विधानसभा में विकास कार्य होंगे। विधायक ने कहा कि राजमहल विधानसभा में लगातार विभिन्न विकास योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र का विकास हो रहा है। इस अवसर पर रहे नगर अध्यक्ष संजय पटेल,भाजपा नेता रामानंद साह, गौतम यादव, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष गरिमा साह,भाजपा नेता युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज पासवान,पूर्व नगर अध्यक्ष मनोज पासवान,विनोद चौधरी, संतोष चौधरी, दिनेश पांडेय सहित सैकड़ों कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

सभी जरूरतमंदों को योजनाओं का मिले लाभ : उपायुक्त

- कृषि , सहकारिता, पशुपालन, मत्स्य, उधान, भूमि संरक्षण, लघु सिंचाई विभाग, जेएसएलपी एवं मनरेगा अभिसरण की हुई समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उधान विभाग, भूमि संरक्षण,लघु सिंचाई, जेएसएलपी, मनरेगा की अभिसरण की समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में विभागों द्वारा दिए गए टारगेट एवं उनके अनुसरण किये जा रहे विषय की जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त द्वारा जिला में नोडल लैंपस की जानकारी एवं निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक प्रखण्ड में नोडल लैंपस को जल्द स्थापित करना सुनिश्चित करें। पशुपालन एवं गव्य विभाग को दिए गए टारगेट के विषय में जानकारी लेते हुए ससमय दिए गए कार्य को पूर्ण करने को कहा एवं कहा गया कि योजनाओं का लाभ उन लाभुकों को देना है जिनके पास सेड निमार्ण हुए हैं। मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ हरिशंकर झा, भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल कुमार गुप्ता, जिला मत्स्य पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार विन्हा, बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमार, अग्रिम बैंक प्रबंधक सुधीर कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अगरतला-आनंद बिहार तेजस राजधानी का साहिबगंज स्टेशन पर आज से होगा ठहराव

साहेबगंज: अगरतला-आनंद बिहार तेजस राजधानी का ठहराव गुरुवार से साहेबगंज स्टेशन पर होगा। साहेबगंज-हावड़ा इंटरसिटी भी गुरुवार से साहिबगंज स्टेशन से नियमित रूप से चलने लगेगी। दोनों ट्रेनों का हरि झंडी दिखाकर रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव करेंगे। साहेबगंज स्टेशन पर मुख्यरूप से राजमहल विधायक अनंत ओझा रहेंगे। कार्यक्रम का समय- 1:30 रखा गया हैं। राजमहल विधायक अनंत ओझा लगातार रेल मंत्री से अगरतला-आनंद बिहार तेजस राजधानी और हावड़ा इंटरसिटी की मांग कर रहे थे। लगातार विधायक नई दिल्ली में रेल मंत्री से आग्रह किया था। विधायक ने कहा कि जो कहा सो किया जनता का आशीर्वाद से सब कुछ हो रहा हैं जनता ने जिस काम के लिए मुझे चुना हैं उस काम को पूरा करना मेरा कर्तव्य हैं।

मांगे पूरी नहीं होने पर आंगनबाड़ी सेविका एवं साहियकाओं ने किया विरोध प्रदर्शन

साहिबगंज: जिला अंतर्गत तालझारी प्रखंड परिसर में अपनी मांगों को लेकर बुधवार को आंगनबाड़ी सेविका एवं साहियका प्रखंड परिसर के सामने पुर्ण जोर विरोध किया। कहा कि झारखंड सरकार जबतक हमलोगों की मांग पुरा नही करती है तबतक हमलोग कोई भी सरकारी कामकाज नहीं करेंगे क्योंकि झारखंड सरकार हमलोगों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। मईया योजना निकालकर सरकार सभी का ध्यान मईया योजना में लगा दिया है और हमलोगों के साथ खिलवाड़ कर रही है लेकिन जबतक हमलोगों की मांग को सरकार पुरा नही करती है तब तक हमलोग विधानसभा चुनाव में जो विलो का काम हमलोगों से सरकार लेती है वह भी काम नहीं करेंगे जब सरकार हमारी जायज मांगों को पूरा कर देगी। तब सभी आंगनबाड़ी सेविका एवं साहियका अध्यक्ष रीता प्रीतिवन्ती हेंब्रम, सचिव कल्पना देवी,कोषाध्यक्ष लुसी मरांडी,रूठ मेरी मुर्मू, सेविका बेली वास्को सेविका, सुनीता सोरेन साहियका, सुशीला मुर्मू साहियका, सबीना हंसदा सेविका, रेखा देवी साहियका सभी मिलकर प्रखंड परिसर के सामने झारखंड सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नजर आए।

मां दुर्गा के कई पंडालों का हुआ उद्घाटन

पटमदा: पटमदा और बोड़ाम प्रखंड के कई पूजा पंडालों को बुधवार की शाम विधिवत उद्घाटन किया गया।आदर्श ग्राम बांगुडदा का पंचायत की मुखिया कल्याणी सिंह ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि माता दुर्गा से क्षेत्र की खुशहाली की कामना करती हूं। माता दुर्गा सभी परिवारों को सुख शांति और समृद्धि प्रदान करे।इस दौरान उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मुखिया कल्याणी सिंह, अश्वनी सिंह,दिलीप महतो, नगेन गोप,चेतन कर्मकार,युधिष्ठिर महतो, प्रदीप भट्ट,मनमोहन महतो सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। वही बेलटांड बाजार में बने भव्य पंडाल का भी उद्घाटन मुख्य अतिथि सेवानिवृत शिक्षक शिशुपाल सिंह के द्वारा किया गया।इस दौरान कमिटी के सदस्य और ग्रामीण उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण माहौल में हुआ विद्यालय प्रबंध समिति का पुनर्गठन

बरहरवा: बीआरसी बरहरवा अंतर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मिजार्पुर टिलहा में बीते दिनों शांतिपूर्ण माहौल में विद्यालय प्रबंध समिति का पुनर्गठन किया गया। देर से मिली जानकारी के अनुसार पर्यवेक्षक शमीम अंसारी के उपस्थिति में बुलाई गई आमसभा में विद्यालय के पोषक क्षेत्र के बालक बालिकाओं के माता-पिता एवं अभिभावकगण उपस्थित थे। बताया जाता है कि पूर्व के समिति के अच्छी कार्यशैली को देखते हुए सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने फिर से इस कमेटी को चयनित करते हुए उसे यथावत स्थिति में रखने का प्रस्ताव पारित कर दिया है। जानकारी देते हुए पर्यवेक्षक शमीम अंसारी ने बताया कि इकरामुल सेख, को अध्यक्ष जोशो देवी को उपाध्यक्ष, तथा गफूर शेख, सनाउल शेख , इशा शेख, उषा देवी, लीली देवी, ईसमोतारा ,तथा यासमीनआरा बीबी, यीशु मंडल, एवं सुमित्रा देवी, तथा उषा देवी, समेत कुल 16 सदस्य समिति का पुनर्गठन किया गया है। इस दौरान काफी संख्या में छात्र-छात्रा के माता एवं उनका अभिभावक भी उपस्थित थे।

सरकार के द्वारा मनरेगा कर्मचारी की मांगों को पूरा करने के बाद काम पर लौटे कर्मचारी

साहिबगंज: जिला अंतर्गत तालझारी प्रखंड में झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के द्वारा विभिन्न मांगों को समर्थक हेतु आवाहन पर बीते 22 जुलाई से तालझारी प्रखंड के सभी मनरेगा कर्मचारी हड़ताल पर गये थे,जो आठ अक्टूबर को झारखंड राज्य कर्मचारी संघ एवं ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार के समझोता के उपरांत संघ के द्वारा हड़ताल की घोषणा की गई। तत्पश्चात बुधवार को तालझारी क्षेत्र के सभी मनरेगा कर्मचारी 79 दिनों के बाद अपने हड़ताल को समाप्त करते हुए योगदान पत्र बीडीओ सालखू हेम्ब्रम को समर्पित किया। मौके पर बीपीओ जेनी किस्कु,जेई अजीत कुमार, मोहम्मद निहाल, रोजगार सेवक शविणा प्रवीण, अरूण कुमार उपाध्याय, मनोज दुबे, प्रिय रंजन दास, पंकज मोहन, निरंजन ओझा, मेरी स्ट्रेला, मेरी टुडु, सहित अन्य मनरेगा कर्मचारी मौजूद थे।

जन सुराज की एंट्री से अलर्ट हुए नीतीश

2020 में चिराग के कारण 25 सीट का हुआ था नुकसान, इस बार पीके के निशाने पर हैं

पटना। नीतीश के इस बयान को जन सुराज के साइड इफेक्ट से जोड़ कर देखा जा रहा है। दरअसल, जदयू इस बार ऐसी कोई गलती नहीं करना चाहती है, जिससे चुनाव में नुकसान हो। पिछली बार चिराग पासवान की चुनौती को नजरअंदाज करने का खामियाजा पार्टी भुगत चुकी है। एनडीए में रहते हुए चिराग पासवान ने नीतीश कुमार को कम से कम 25 सीटों का नुकसान पहुंचाया था। यही कारण है कि जब प्रशांत किशोर नीतीश कुमार की नीतियों पर हमलावर हुए तो नीतीश खुद सामने आकर उसका जवाब दिया।

अब समझिए नीतीश को खतरा क्यों1. लालू कोर वोट बैंक में सेंधमारी कर रहे लव-कुश (कोइरी- कुर्मी) को नीतीश कुमार का कोर वोट बैंक माना जाता है। पिछले 17 वर्षों से इन्हीं के सपोर्ट से नीतीश बिहार पर राज कर रहे हैं। अब लालू यादव इसमें सेंधमारी करना शुरू कर दिए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से 8 कुशवाहा उम्मीदवार को टिकट दिया था। शाहाबाद की दो सीटों औरंगाबाद और काराकाट में ये जीतने में सफल भी रहे। अब तेजस्वी यादव विधानसभा चुनाव में इसे भुनाना चाहते हैं। यही कारण है कि वे कुशवाहा-यादव भाई-भाई का नारा भी दे दिए हैं।सवर्ण और महिला में पीके बना रहे हैं पैठ कोइरी-कुर्मी के बाद महिलाओं और सवर्णों के वोट पर एनडीए का अधिकार माना जाता रहा है। शराबबंदी, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की अन्य नीतियों के कारण महिलाएं नीतीश कुमार को अपना सपोर्ट देते रही हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों में भी आंकड़े इस ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन प्रशांत किशोर अब यहां भी अपनी पैठ बनाने में जुट गए हैं।चिराग के कारण जदयू को क्या नुकसान हुआ था 2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान की एलजेपी केंद्र में गठबंधन में शामिल होने के बाद भी बिहार विधानसभा का चुनाव अकेले लड़ी थी। चिराग पासवान ने खुद को पीएम नरेंद्र मोदी का हनुमान बताया था। उन्होंने कहा था कि उनका ध्येय नीतीश कुमार को सीएम की कुर्सी से हटाना है। वे लगभग अपनी मुहिम में कामयाब भी हो गए थे। पिछले विधानसभा चुनाव में एलजेपी 135 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इसमें मात्र एक सीट जीतने में सफल रही थी। जबकि, 10 सीटों पर दूसरे और 94 सीटों पर तीसरे स्थान पर रही थी। सबसे बड़ा खेल ये हुआ कि ये तीसरे स्थान पर रहने के बाद भी उतना वोट ले आए थे, जिसके कारण जदयू के कैंडिडेट की हार हुई थी। चुनाव आयोग के आंकड़े की माने तो विधानसभा की 25 ऐसी सीटें हैं, जहां एलजेपी के कारण जदयू के कैंडिडेट की हार हुई है। यानी जहां राजद या विपक्षी पार्टी के नेताओं की जीत का अंतर एलजेपी कैंडिडेट को प्राप्त वोट से कम है। अगर एलजेपी एनडीए के साथ चुनाव लड़ती तो वो सीट जदयू के खाते में होती। जबकि, बीजेपी एलजेपी के कारण मात्र एक सीट हारी। इसे उदाहरण से ऐसे समझिए कि महुआ विधानसभा में राजद के मुकेश रौशन जेडीयू की आसमां परवीन से मात्र 14 हजार वोट से जीते। जबकि, एलजेपी उम्मीदवार संजय कुमार सिंह को 25 हजार वोट मिले। अगर एलजेपी एनडीए में रहती तो शायद परिणाम कुछ और होता। लगभग यही नतीजा 25 विधानसभा सीटों की रही। अगर एलजेपी एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़ती तो नीतीश कुमार का ग्राफ 70 से ऊपर का हो सकता था।

सवर्ण और महिला में पीके बना रहे हैं पैठ

कोइरी-कुर्मी के बाद महिलाओं और सवर्णों के वोट पर एनडीए का अधिकार माना जाता रहा है। शराबबंदी, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की अन्य नीतियों के कारण महिलाएं नीतीश कुमार को अपना सपोर्ट देते रही हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों में भी आंकड़े इस ओर इशारा कर रहे हैं।

कायस्थों की नीति से सोशल इंजीनियरिंग का फॉमूर्ला

नीतीश कुमार ने गठबंधन को पटना से पंचायत स्तर तक दुरुस्त करने के लिए संगत-पंगत कार्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिया है। पॉलिटिकल एक्सपर्ट अरुण पांडेय कहते हैं कि 'ये कायस्थ नेताओं की नीति रही है। नीतीश कुमार इस नीति के माध्यम से भूमिहार, राजपूत और कायस्थ के साथ पिछड़े नेताओं को एक पंगत में लाना चाहते हैं।'यहां भी अपनी पैठ बनाने में जुट गए हैं।

संक्षिप्त डायरी

दबंगों ने युवक को जमकर पीटा, किया अधमरा

मुजफ्फरपुर। में एक युवक की पिटाई का मामला सामने आया है। यहां मजदूरी का पैसा मांगने गए युवक को दबंगों ने जमकर पीटा। युवक को अधमरा कर दिया। इतना ही नहीं उसके चेहरा पर थूका और साथ में मौजूद एक दबंग से पेशाब भी करवाई। इस पिटाई का वीडियो भी सामने आया है, जहां दो लोग युवक को सड़क पर गिरा कर पीट रहे हैं। इस दौरान कुछ लोग सड़क किनारे खड़े होकर युवक को पिटता हुआ देख रहे हैं। मारपीट का ये वीडियो 4 अक्टूबर का बताया जा रहा है। मामला मुजफ्फरपुर के बोचहां थाना क्षेत्र के चौपार मदन गांव से सामने आया है।चौपार मदन गांव के पीड़ित रिंकू मांझी ने मंगलवार को पुलिस से इसकी शिकायत की। शिकायत में कहा है कि करणपुर उत्तरी गांव के रमेश पटेल के मुर्गी फार्म में वो 2 दिन काम किया। इसके बाद वह किसी दूसरी जगह काम करने चला गया। इस पर रमेश पटेल ने 2 दिन की मजदूरी के 1200 रुपए नहीं दिए।मजदूरी का पैसा मांगने पर पीटा इसी बीच 4 अक्टूबर की सुबह 8 बजे वो काम करने जा रहा था। रास्ते में रमेश पटेल अपने मुर्गी फार्म पर बैठे हुए थे। उनसे मजदूरी मांगी। इस पर वे आग-बबूला हो गए। जाति सूचक शब्द कहने लगे। मना करने पर अपने बेटे गौरव कुमार के साथ मिलकर पीट कर घायल कर दिया। जान मारने की धमकी दी। चेहरे पर थूक लगा दिया। बेटे से मुंह में पेशाब करवाई। इसके बाद एक व्यक्ति मौके पर पहुंचा। तब मैं दर्द से कराह रहा था। व्यक्ति ने आसपास के लोगों के साथ मिलकर मुझे इलाज के लिए ळश्रड बोचहां पहुंचाया। जहां मेरा इलाज किया गया है। पीड़ित इलाज करवा कर 5 अक्टूबर को जब अपने गांव पहुंचा, तो दबंगों ने पहले मामला पंचायती तौर पर सलटाने की कोशिश की। लेकिन मामला सुलझा नहीं। इसके बाद पीड़ित मंगलवार 8 अक्टूबर को थाने पहुंचा और शिकायत की। पूरे मामले पर बोचहा थाना प्रभारी राकेश कुमार यादव ने बताया कि मजदूरी के पैसा को लेकर युवक की पिटाई का मामला सामने आया है। इसमें गलौज और मारपीट का वीडियो मुझे मिला है। गांव के रमेश पटेल, उसके भाई अरुण पटेल और बेटा गौरव कुमार पर नामजद ऋक्षक दर्ज की गई है। मामले की छानबीन करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पर्यटकों से भरी मिनी बस गड्ढे में पलटी 8 यात्री घायल

जहानाबाद। में पर्यटकों से भरी ट्रेवलर (मिनी बस) को अज्ञात ट्रक ने बुधवार की सुबह टक्कर मार दिया। इसके कारण ड्राइवर ने संतुलित खो दिया और गाड़ी सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। इसमें 8 पर्यटक गंभीर रूप से घायल हो गए । फिलहाल सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार घटना गया-पटना एनएच-83 पर कडौना थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास की है। सभी घायलों का चल रहा इलाज पर्यटकों के ट्रांस्लेटर शिव शंकर कुमार ने कहा कि ट्रेवलर में कुल 23 लोग सवार थे। सभी लोग नेपाल से बोध गया जा रहे थे। जैसे ही गाड़ी सलेमपुर गांव के पास पहुंची। दूसरी दिशा से आ रहे अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दिया। इसके कारण गाड़ी गड्ढे में पलट गई। इसके बाद घटना की सूचना कडौना थाने की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया।तीन पर्यटकों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उन्हें पीएमसीएच रेफर कर दिया है।

महुआ थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक इस कदर हावी हो गया है कि चौकीदार का बेटा भी चोरी करने लगा है। दिन में पिता की वर्दी पहनकर कभी कभी महुआ थाना में ड्यूटी भी कर लेता है। रात में मौका मिलने पर हाथ भी साफ कर लेता है। घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें साइकिल पर सवार होकर महुआ थाना क्षेत्र के कुशहर चौक स्थित मार्केट के पास आरोपी पहुंचता है। इसके बाद साइकिल के पीछे एक पैकेट सरसों लोड करके निकल जाता है। इस तरह से चौकीदार के बेटे ने चार पैकेट सरसों यानी ढाई क्विंटल की चोरी कर ली। वहीं जब सुबह में गद्दीदार दुकान पहुंचा तो चार बोरा सरसों का पैकेट गायब था। जब दुकान में लगे सीसीटीवी को देखा गया तो महुआ थाना में तैनात चौकीदार राजाराम पासवान का बेटा सुनील कुमार पासवान वीडियो में दिखा। जब दुकानदार ने चौकीदार से बेटे की शिकायत की तो चौकीदार आग बबूला होकर उल्टे ही गलत केस में फंसा देने की धमकी देने लगा।

पटना में इस बार बिहारी अंदाज में दिखेगा रावण

पटना। पटना के गांधी मैदान में इस बार बिहारी अंदाज में रावण दिखेगा। पुतले को मैथिली लुक दिया जा रहा है। इसमें राजस्थानी स्टाइल को भी जगह दी गई है। साथ ही इस साल के रावण की ऊंचाई को 80 फीट किया गया है। पिछले साल की तुलना में 10 फीट बढ़ाया गया है। करीब 45 मिनट तक लगातार आतिशबाजी होगी। प्रदूषण का ध्यान रखते हुए ईको फ्रेंडली आतिशबाजी का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें भी अमोनियम फ्री आतिशबाजी होगी।गांधी मैदान में पुतलों का अभी निर्माण हो रहा है। एक महीने पहले से काम शुरू हो जाता है। इस बार 12 कारीगर की टीम काम कर रही है। यहां काम कर रहे कलाकार अमर ने बताया कि रावण की ऊंचाई 80 फीट होगी। पिछले साल रावण 70 फीट का था। वहीं, 70 फीट का कुंभकर्ण और 75 फिट का मेघनाद का पुतला बनाया जा रहा है। इसके निर्माण का 95% काम पूरा हो चुका है। अशोक वाटिका और लंका नगरी भी

बनाया जा रहा है। खराब मौसम में भी पुतले मजबूती से बने रहेंगे रावण वध के दौरान तेज हवा में पुतलों को नुकसान नहीं पहुंचे। इसका ध्यान रखा गया है। मजबूती देने के लिए पाइलिंग की गई है। इससे रस्सी के जरिए पुतलों को बांधा जाएगा। गांधी मैदान में सीमेंटेड पीलर बनाया गया है। इससे खराब मौसम में भी मजबूती से पुतले खड़े रहेंगे।श्री दशहरा कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि रावण दहन के साथ आतिशबाजी का नजारा दिखेगा। पुतला निर्माण में बांस, कपड़ा, हार्ड बोर्ड और प्लास्टिक पेंट का उपयोग किया जा रहा है। बिहार से बांस और कोलकाता से जुट मंगाया गया है। तीन पुतलों को बनाने में करीब 12 लाख का खर्च आया है। तीनों पुतलों के आगे-पीछे दोनों तरफ चेहरे बनाए गए हैं, जिससे दूर से और हर तरफ से लोगों को दिख सके।रावण के पुतले में 350 बम और चकरी बम लगाए गए हैं। 240 शॉट वाले दो सेट स्काई शॉट और 10 हजार पटाखों वाले दो चटाई बम छोड़ी जाएगी। इनमें रावण के पुतलों में 125 बम, मेघनाद, कुंभकर्ण और अशोक वाटिका में 75-75 बम के साथ नाभि पर चकरी लगाई गई है। इस बार रावण दहन के लिए 25 लाख का खर्च आया है। पुतलों को बारिश से बचाने के लिए पतली पॉलीथिन का कवर भी बनाया जा रहा है। गांधी मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे। रावण दहन का कार्यक्रम शाम 5 बजे शुरू होगा। श्री दशहरा कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया जाएगा। सीसीटीवी कैमरा और ड्रोन की मदद से असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी की जाएगी।

सपेरे को कोर्ट ने सुनाई 10 साल की सजा

भागलपुर। में एक सपेरा को 10 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। व्यवहार न्यायालय के ADJ-14 विवेक कुमार की अदालत ने सपेरा मो.शमसुल को 10 साल की कैद और 1 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई है। ये सजा घटना के 13 साल बाद सपेरा को दी गई है। दरअसल, 2011 में पीरपैंती के दुलदुनिया गांव में शमसुल, सांप का खेल दिखा रहा था। तभी एक युवक के गले में सांप लपेट खेल दिखा रहा था। उसी समय सांप ने उस युवक को डंस लिया, जिससे उसकी मौत हो गई थी। उसी मामले में दोषी सपेरे को 10 साल की सजा सुनाई गई है। मो. शमसुल पीरपैंती थानाक्षेत्र के खानपुर गोविंदपुर का रहने वाला है। इस दौरान सरकार की तरफ से मुहम्मद अकबर खां ने बहस में हिस्सा लिया।अगस्त 2011 में अभियुक्त सपेरा मो. शमसुल अपने कई सांपों को लेकर पीरपैंती के ओलापुर पंचायत के दुलदुलिया गांव सांप का खेल दिखाने पहुंचा था। सांप के खेल से पहले मो. शमसुल ने डमरू और बांसुरी बजाकर काफी भीड़ इकट्ठी कर ली थी। उस भीड़ में से दुलदुलिया गांव के राजेंद्र राम बिंद के बेटे दिवाकर राम बिंद अन्य लड़कों के साथ आगे खड़ा होकर सांप का खेल देख रहा था। इस बीच डमरू बजाते सपेरा मो.शमसुल ने दिवाकर को भीड़ से अपनी तरफ हाथ पकड़ कर खींच लिया। वहीं, सपेरे द्वारा उसे निडर बताते हुए कुछ नहीं होने की बात कहकर पिटारे में से रखे ताबीज के ढेर से एक ताबीज निकाल दिवाकर को दे दिया। बोला ताबीज के रहते कोई सांप तेरा कुछ भी बाल-बांका नहीं कर सकता। इतना बोल कर फिर पिटारे से एक सांप निकाला और दिवाकर के गले में लपेट दिया। सांप ने चंद मिनटों के बाद ही दिवाकर को डस लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सपेरा मो. शमसुल के द्वारा उसे बचाने का प्रयास किया गया था, लेकिन दिवाकर की मौके पर ही मौत हो गई।

दुर्गा पूजा को लेकर डीएम-एसपी ने किया पंडालों का निरीक्षण

मोतिहारी। दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, भय मुक्त और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर मोतिहारी डीएम सौरभ जोरवाल और एसपी स्वर्ण प्रभात लगातार सभी पूजा पंडालों का निरीक्षण कर रहे है। पूजा समिति के लोगों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दे रहे है। इस दौरान मंगलवार की शाम डीएम और एसपी ने शहर सहित जिले के चकिया अनुमंडल क्षेत्र में होने वाले दुर्गा पूजा पंडाल का निरीक्षण किया।

डीएम और एसपी ने शहर के पूजा पंडाल का निरीक्षण करने के बाद चकिया और पिपरा मे होने वाले पूजा पंडाल का निरीक्षण किया। चकिया नगर क्षेत्र, सीता कुंड और पिपरा में स्थापित पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पूजा समिति के लोगों को पंडाल प्रबंधन से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए। विशेष रूप से सभी बड़े पंडालों में CCTV कैमरे का अधिष्ठापन, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग अलग प्रवेश और निकास की व्यवस्था के साथ साथ पूजा पंडालों के सेफ्टी मेजर के संबंध में निर्देश दिए गए।

गलत सर्टिफिकेट पर 10 साल से पढ़ा रहे फर्जी शिक्षक

2025 में चुनावी ड्यूटी को तैयार, 2013-14 में दूसरे के सर्टिफिकेट पर बने थे शिक्षक

बिहार। के स्कूलों में दूसरे के सर्टिफिकेट पर 10 साल से 42 फर्जी शिक्षक स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। डंके की चोट पर वे इसे स्वीकार भी रहे हैं और वर्ष 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में ड्यूटी के लिए भी तैयार हैं। यह खुलासा तीन महीने पहले ही शिक्षा विभाग की जांच में इन शिक्षकों का सर्टिफिकेट सही नहीं पाया गया। विभाग ने जिला शिक्षा पदाधिकारियों को इनके विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, लेकिन वे शिक्षक अब भी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। पड़ताल के दौरान जब इन शिक्षकों से पूछा कि 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में ड्यूटी के लिए शिक्षकों की लिस्ट वेरिफाई की जा रही है तो उन्होंने खुद स्वीकार भी लिया कि वर्तमान में वहीं पढ़ा रहे हैं, जिस स्कूल में वे पहले से पढ़ा रहे थे। स्टिंग में स्कूल में पढ़ाते मिले फर्जी शिक्षक खोज शुरू की जिनका

प्रमाण पत्र वेरिफिकेशन में सही नहीं पाया गया। लिस्ट के हिसाब से हमने उन शिक्षकों से संपर्क साधा। हमने उनसे कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर शिक्षकों की लिस्ट वेरिफाई की जा रही है। उनसे वर्तमान पदस्थापन और उनका मोबाइल नंबर भी पूछा। 25 से अधिक शिक्षकों ने बातचीत के दौरान इस बात को स्वीकार किया कि वे अभी उसी स्कूल में पढ़ा रहे हैं। इधर, शिक्षक वास्तव में पढ़ा रहे हैं या नहीं, स्कूल के अटेंडेंस रजिस्टर में शिक्षक का नाम पाया और प्रिंसिपल से भी पुष्टि की।वर्ष 2024 में स्थानीय निकाय सक्षमता परीक्षा में शिक्षकों को प्रमाण पत्र अपलोड करना था। अपलोडिंग के बाद कई के सर्टिफिकेट डुप्लीकेट पाए गए। जिन वास्तविक शिक्षकों के सर्टिफिकेट पर फर्जी शिक्षकों ने नौकरी पाई थी उनका सर्टिफिकेट मैच कर गया। इन्हें वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया। जांच में 860 में 42 शिक्षकों के सर्टिफिकेट सही नहीं पाए गए। 81 का मामला संदिग्ध पाया गया। 321 शिक्षक वेरिफिकेशन के लिए आए ही नहीं। वर्ष 2013-14 में टीचर इलिजिबिलिटि टेस्ट के तहत शिक्षकों की बहाली हुई थी। कई अभ्यर्थियों ने एक से अधिक जिलों में आवेदन किया था। जिस जिले में उनका सलेक्शन हुआ, उन्होंने वहां ज्वॉइन कर लिया। दूसरे जिलों में जहां उन्होंने आवेदन किया था, वहां उनके सर्टिफिकेट और प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल फर्जी अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए किया गया। दूसरे के सर्टिफिकेट पर वे 10 साल नौकरी करते रहे और वेतन भी लेते रहे।

धरती का स्वर्ग कश्मीर

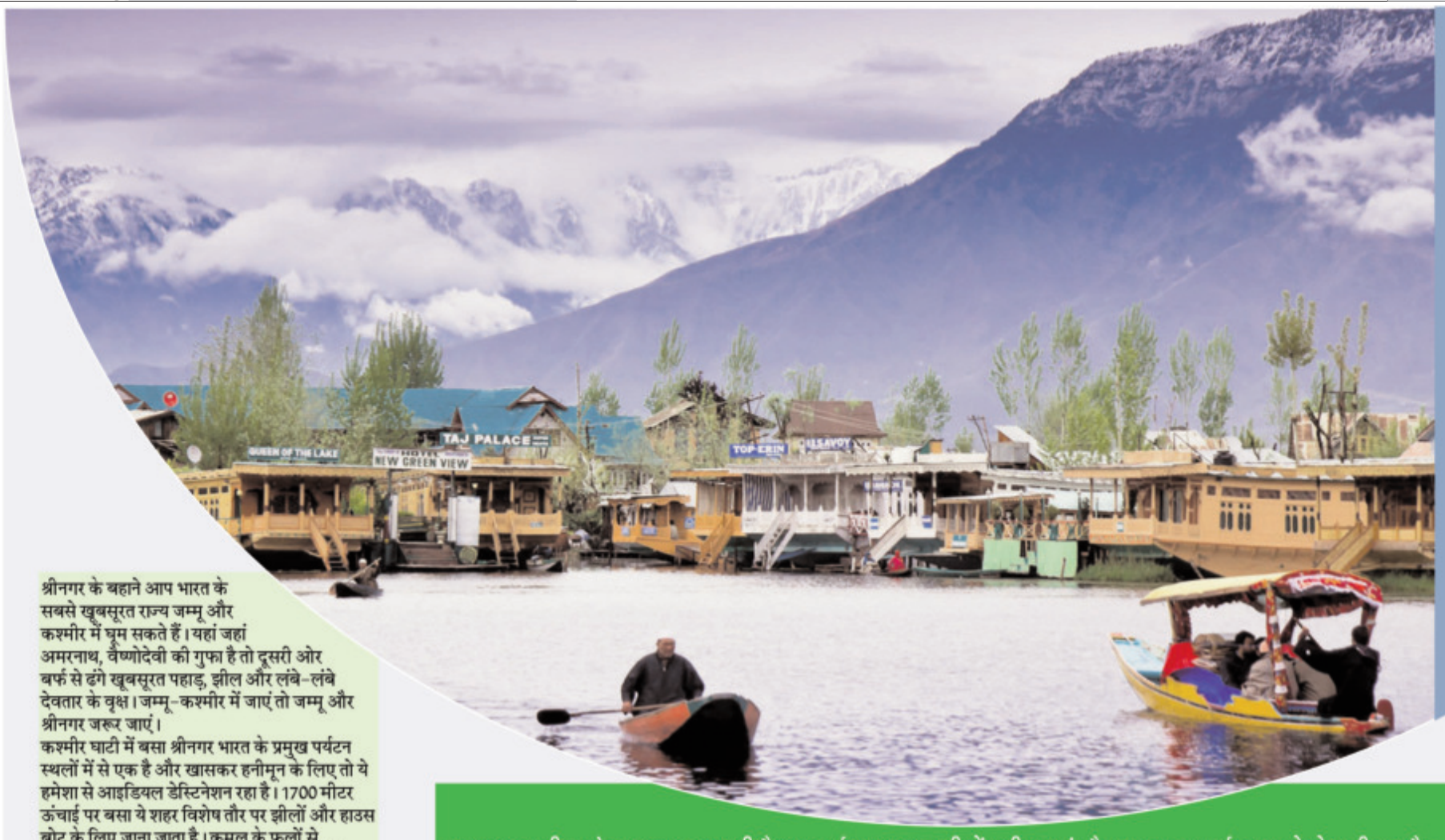

श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां जहां अमरनाथ, वैष्णोदेवी की गुफा है तो दूसरी ओर बर्फ से ढंगे खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। जम्मू-कश्मीर में जाएं तो जम्मू और श्रीनगर जरूर जाएं।

कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है और खासकर हनीमून के लिए तो ये हमेशा से आइडियल डेस्टिनेशन रहा है। 1700 मीटर ऊंचाई पर बसा ये शहर विशेष तौर पर झीलों और हाउस बोट के लिए जाना जाता है। कमल के फूलों से सुसज्जित डल झील पर कई खूबसूरत नावों पर तैरते घर हैं जिन्हें हाउस बोट कहा जाता है।

अगर आपको भीड़-भाड़ से दूर एकदम शांत वातावरण में किसी हाउस बोट में रहने की इच्छा है तो आप नागिन लेक या झेलम नदी पर खडे हाउस बोट में ठहर सकते हैं। नागिन झील भी कश्मीर की सुंदर और छोटी-सी झील है। आमतौर पर यहां विदेशी सैलानी ही ठहरना पसंद करते हैं।

खूबसूरत झील के बाद बात आती है आकर्षक बाग-बगीचों की। यहां मौजूद मुगल गार्डन इतने बेहतरीन और सुनियोजित ढंग से तैयार किया गया है कि मुगलों का उद्यान-प्रेम इनकी खूबसूरती के रूप में यहां आज भी झलकता है। इसके अलावा शालीमार बाग, निशात बाग जैसे कई महत्वपूर्ण उद्यानों को देखे बिना श्रीनगर का सफर अधूरा-सा लगता है। इन उद्यानों में चिनार के पेड़ों के अलावा और भी छायादार वृक्ष हैं। रंग-बिरंगे फूलों की तो इनमें भरमार रहती है। इन उद्यानों के बीच बनाए गए झरनों से बहता पानी भी बेहद आकर्षक लगता है।

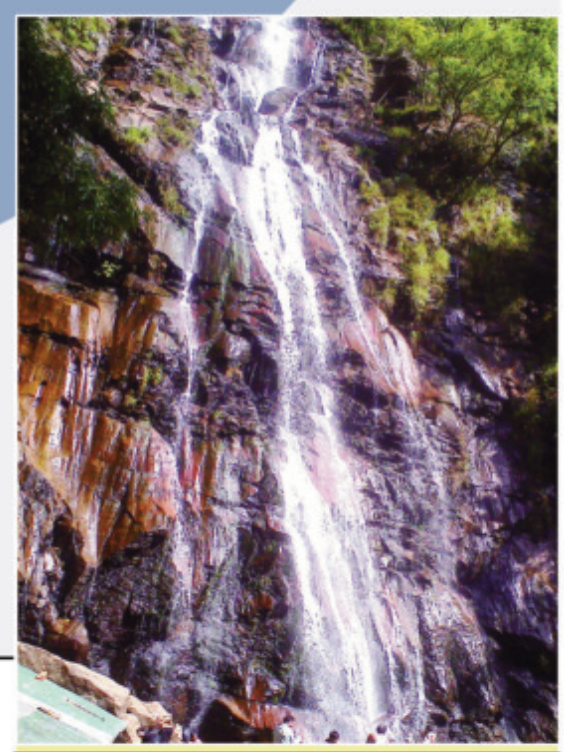

मध्य भारत का खूबसूरत पर्यटन स्थल

पचमढ़ी

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्य भारत का सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां के हरे-भरे और शांत वातावरण में बहुत-सी नदियों और झरनों के गीत पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इसके साथ ही यहां शिवशंकर के कई मंदिर भी है, जो आपको तीर्थयात्रा का सुकून देते हैं। वैसे तो ऐसा बहुत कम होता है कि आप कहीं छुट्टी मनाने जाएं और लगे हाथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाए। लेकिन यकीन मानिए, अगर आप मध्यप्रदेश के एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल पचमढ़ी जाएंगे, तो प्रकृति का भरपूर आनंद उठाने के साथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाएगी।

लोकप्रिय जलप्रपात

यहां आप कई जलप्रपात का मजा ले सकते हैं जिसमें रजत प्रपात, बी फॉल्स तथा डचेज फॉल्स सबसे लोकप्रिय हैं। इसका बी फॉल्स नाम इसलिए पड़ा है क्योंकि पहाड़ी से गिरते समय यह झरना बिलकुल मधुमक्खी की तरह दिखता है। यह पिकनिक स्पॉट भी है, जहां आप नहाने का भी मजा ले सकते हैं। रास्ते में आम के पेड़ बहुतायत में दिखते हैं। डचेज फॉल पचमढ़ी का सबसे दुर्गम स्पॉट है। यहां जाने के लिए करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर पैदल तय करना पड़ता है। इसमें से 700 मीटर घने जगलों के बीच से और करीब 800 मीटर का रास्ता पहाड़ पर से सीधा ढलान का है।

महादेव का दूसरा घर पचमढ़ी

दरअसल, पचमढ़ी को कैलाश पर्वत के बाद महादेव का दूसरा घर कह सकते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भस्मासुर (जिसे खुद महादेव ने यह वरदान दिया था कि वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा और भस्मासुर ने यह वरदान खुद शिवजी पर ही आजमाना चाहा था) से बचने के लिए भगवान शिव ने जिन कंदाराओं और खोहों की शरण ली थी वह सभी पचमढ़ी में ही हैं। शायद इसलिए यहां भगवान शिव के कई मंदिर दिखते हैं। पचमढ़ी पांडवों के लिए भी जानी जाती है। यहां की मान्यताओं के अनुसार पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ काल यहां भी बिताया था और यहां उनकी पांच कुटिया या मढ़ी या पांच गुफाएं थीं जिसके नाम पर इस स्थान का नाम पचमढ़ी पड़ा है।

सतपुड़ा की रानी

पौराणिक कथाओं से बाहर आकर आज की बात करें तो मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी समुद्रतल से 1,067 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। सतपुड़ा की पहाड़ियों के बीच होने और अपने सुंदर स्थलों के कारण इसे सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान का भाग होने के कारण यहां चारो ओर घने जंगल हैं। पचमढ़ी के जंगल खासकर जंगली भैंसे के लिए प्रसिद्ध हैं। इस स्थान की खोज कैप्टन जे. फॉरसोथ ने 1862 में की थी। पचमढ़ी की गुफाए पुरातात्विक महत्व की हैं क्योंकि इन गुफाओं में शैलचित्र भी मिले हैं। पचमढ़ी से निकलकर जब आप सतपुड़ा के घने जंगलों में जाएंगे तो आपको बाघ, तेंदुआ, सांभर, चीतल, गौर, चिंकारा, भालू आदि अनेक प्रकार के जंगली जानवर मिलते हैं।

ऐसे पहुंचे

अगर आप दिल्ली से जा रहे हैं तो आपको पहले भोपाल पहुंचना होगा। यहां से पचमढ़ी की दूरी 211 किलोमीटर है और यह दूरी तय करने के लिए बसें मिलती रहती हैं। ये 211 किलोमीटर अगर अपनी गाड़ी से तय करें तो अति उत्तम। वैसे पचमढ़ी का नजदीकी रेलवे स्टेशन पिपरिया है जो कि पचमढ़ी से 52 किलोमीटर दूर है।

कहां ठहरें

मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण होटलों के मामले में पचमढ़ी बेहद समृद्ध है। यहां पंजाबी के अलावा जैन, गुजराती और मराठी व्यंजन भी आसानी से उपलब्ध हैं, क्योंकि साल में एक बार यहां मेला लगता है जिसमें पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और गुजरात के लोगों की भागीदारी सबसे अधिक होती है। मध्यप्रदेश टूरिज्म के होटलों के अलावा यहां प्रायवेट होटल भी बहुतायत में हैं।

मनाली प्रकृति का अद्भूत नजारा

मनाली भारत के हिमाचल प्रदेश प्रान्त का एक शहर है। मनाली कुल्लु घाटी के उत्तर में स्थित हिमाचल प्रदेश का लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से 2050 मीटर की ऊंचाई पर स्थित मनाली व्यास नदी के किनारे बसा है। गर्मियों से निजात पाने के लिए इस हिल स्टेशन पर हजारों की तादाद में सैलानी आते हैं। सर्दियों में यहां का तापमान शून्य डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। आप यहां के खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के अलावा मनाली में हाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, राफ्टिंग, ट्रैकिंग, कायकिंग जैसे खेलों का भी आनंद उठा सकते है। यहां के जंगली फूलों और सेब के बगीचों से छनकर आती सुगंधित हवाएं दिलो दिमाग को ताजगी से भर देती हैं।

अर्जुन गुफा

इस गुफा को देखने के लिए देशभर से सैलानी यहां आते हैं। यह गुफा पिरनी गांव में है। मान्यता है कि महाभारत काल में अर्जुन ने यहां ठहर करके पशुपति अस्त्र हासिल किया था।

नेहरू कुंड

रोहतांग मार्ग पर बना यह सुन्दर प्राकृतिक झरना मनाली से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां सुबह-शाम सैलानियों का जमावड़ा रहता है।

सोलंग घाटी

सोलंग घाटी मनाली से 13 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां बर्फ व ग्लेशियरों के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। स्कीइंग के लिए मशहूर यहां की ढलानों पर सैलानी इस खेल का खूब आनन्द लेते हैं।

आसपास के दर्शनीय स्थल

मनाली से कुछ दूरी पर है कुल्लू घाटी। यहां कलकल करती नदियां, पहाडियों से गिरते झरने, देवदार के घने वृक्ष कुल्लू घाटी के प्राकृतिक सौन्दर्य को बयां करते हैं। कुल्लू में ढेर सारे दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें प्रमुख हैं मणिकर्ण। यहां कुदरती गर्म पानी के चश्मे (झरने) हैं। मणिकर्ण की दूरी कुल्लू से 40 किलोमीटर है। मणिकर्ण से 30 किलोमीटर आगे बर्फ से ढका ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क है, जिसमें कलरव करते रंग-बिरंगे पक्षी, कस्तूरी मृग, तेंदुए तथा तीतर भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा व्यास नदी के किनारे फलों के बागों की खूबसूरती देखते ही बनती है। 'कुल्लू' का दशहरा भी विश्व प्रसिद्ध है। यह त्योहार दशहरे के बाद शुरू होता है और करीब पन्द्रह दिन तक चलता है।

ऐसे पहुंचे

सड़क मार्ग

कुल्लू मनाली, दिल्ली से 600 किलोमीटर की दूरी पर है। यह शिमला से सीधे सड़क मार्ग से जुड़ा है। दिल्ली, शिमला व चंडीगढ़ से मनाली के लिए हिमाचल परिवहन निगम की बसें उपलब्ध हैं। साधारण किराया 480 रुपए, डीलक्स बस का किराया 850 रुपए है।

रेल मार्ग

यहां के लिए सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। निकटतम रेलवे स्टेशन चंडीगढ़ है। चंडीगढ़ से मनाली 260 किलोमीटर दूर है। आप शिमला होते हुए मनाली पहुंच सकते हैं। पिंजौर तक रेल द्वारा जाया जा सकता है। दिल्ली से कालका का किराया 150 रुपए है।

वायु मार्ग

कुल्लू मनाली वायु मार्ग द्वारा भी जाया जा सकता है। यहां का निकटतम हवाई अड्डा भुयंक है, जो मनाली से 50 किलोमीटर दूरी पर है। हवाई जहाज का किराया लगभग 6000 रुपए है।

हिडिम्बा मंदिर

लकड़ी से बना हिडिम्बा मन्दिर मनाली का मुख्य आकर्षण है। चार मंजिल का यह मंदिर 1553 में बनाया गया था, जो भीम की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है। पूरे मंदिर में काष्ठ पर हिन्दू मिथकों से ली गई गाथाएं उकेरी गयी हैं। ढूंगरी वन विहार में स्थित इस मंदिर में मई के महीने में भव्य उत्सव होता है। मनाली से दो किलोमीटर उत्तर पश्चिम में स्थित पुराना मनाली भी पर्यटकों को मुग्ध कर देता है। यह स्थान गेस्ट हाउसों और फूलों के बागीचों के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर स्थित है मनु महर्षि मंदिर। मान्यता है कि आदिपुरुष मनु ने यहीं पर ध्यान लगाया था। मनाली में माल रोड से करीब चार किलोमीटर दूरी पर वशिष्ठ नामक एक छोटा-सा गांव बसा हुआ है। इस गांव में मुनि वशिष्ठ और भगवान राम को समर्पित कई पुराने मंदिर हैं। यहीं पर ठंडे और गर्म चश्मे हैं, जहां आप भी स्नान कर सकते हैं। इसके अलावा तिब्बती शरणार्थियों द्वारा 1960 में निर्मित गाधन थेकचोलिंग गोम्पा स्थित है। पारम्परिक गोम्पाओं की तरह चटख सुनहरे और लाल रंग से सजे इस बौद्ध मंदिर में शाक्य मुनि बुद्ध की प्रतिमा विराजमान है। गोम्पा की बाहरी दीवार पर तिब्बत में 1987 से 1989 के बीच चीनी कार्रवाई में मारे गए नागरिकों के नाम लिखे हुए हैं। दरअसल मनाली का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रा ही है। ज्यादातर लोग रोहतांग दर्रा की वजह से यहां आते हैं। यहां पर अक्तूबर से फरवरी के मध्य बर्फ पड़ती है। रोहतांग से लेह का राष्ट्रीय राजमार्ग भी छह महीने के लिए बन्द कर दिया जाता है, क्योंकि यहां मौसम पल-पल बदलता रहता है। बर्फ का लुत्फ उठाने के लिए सैलानी यहां पर आते हैं। गिरती हुई बर्फ को देख कर सैलानियों का मन आकाश की ऊंचाइयों को छूने लगता है।

एडवेंचर/ट्रेकिंग

मनाली न केवल प्राकृतिक दृश्यों के कारण पर्यटकों को बांधे रखने में सक्षम है, बल्कि यहां उपलब्ध एडवेंचर टूरिज्म के कारण बार-बार यहां आने का मन करता है। एक ओर हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग लर्जी, कटरैन तथा कसौल में मछली के शिकार की सुविधा देता है तो वहीं रोहतांग-ला में आप माउन्टेन बाइकिंग का मजा ले सकते हैं। मई से मध्य जून, सितम्बर से मध्य अक्तूबर तक व्यास नदी में राफ्टिंग का लुफ्त लिया जा सकता है। अगर आप अधिक रोमांच चाहते हैं तो मनाली के उत्तर में सोलांग नल्ला बाहें पसारे आपका स्वागत करता है। यहां पर पर्वतारोहण, ट्रैकिंग के लिए भी ढेर सारी जगहें हैं।

अर्शदीप ने गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 बनाई जगह

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाते हुए आठवें पायदान पर पहुंच गए।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पिछले रविवार को ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। वह 642 रेटिंग अंकों के साथ आठ पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वह शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद सबसे छोटे प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'ताजा रैंकिंग अपडेट में अर्शदीप को भी काफी फायदा हुआ है, बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने टी20 गेंदबाजों की अपडेट की गई सूची में आठ पायदान की छलांग लगाई है और बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है।'

बांग्लादेश के खिलाफ 16 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन की पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या बल्लेबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए। इस शीर्ष भारतीय ऑलराउंडर ने 26 रन देकर एक विकेट भी चटकाया और ऑलराउंडरों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर आ गए। उन्हें पाकिस्तान के बाबर आजम ने पीछे छोड़ दिया। जायसवाल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। वाशिंगटन सुंदर ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह टी20 गेंदबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय टीम की जीत का श्रेय गंभीर नहीं रोहित को दें: गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में जीत का श्रेय कोच गौतम गंभीर को नहीं कप्तान रोहित शर्मा को दिया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम पिछले कुछ साल में आक्रामक रणनीति से उतरते हुए जीत दर्ज कर रही है। रोहित के इस निडर प्रयास से टीम की शैली बदल रही है।

गावस्कर ने कानपुर टेस्ट में भारत की जीत के लिए लिए गंभीर को अधिक मान्यता देने को गलत बताया है। साथ ही कहा कि ये एक प्रकार की चापलूसी है। गावस्कर ने लिखा, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स और कोच मैकुलम के आने के बादद तहत इंग्लैंड की बल्लेबाजी का तरीका पूरी तरह से बदल गया, वहीं हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि रोहित भी इसी तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं और अपनी टीम को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। गंभीर को कोचिंग दिए हुए अभी कुछ महीने ही हुए हैं, इसलिए इस रवैये को गंभीर का बताना गलत है। साथ ही कहा कि गंभीर ने शायद ही कभी इस तरह से बल्लेबाजी की हो, जैसा मैकुलम किया करते थे। अगर कोई श्रेय दिया जाना चाहिए, तो वह केवल रोहित को है और किसी और को नहीं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंग्लैंड के आक्रामक अंदाज के लिए बाजबॉल शब्द का प्रयोग हो रहा वह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा है। इसमें बल्लेबाज आउट होने का डर नहीं रखता और खुलकर खेलता है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में यशस्वी के होने से भारत को पुजारा की कम नहीं खलेगी: वॉटसन

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वॉटसन ने कहा है कि इस बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पास चेतेश्वर पुजारा जैसा बल्लेबाज नहीं है। वॉटसन के अनुसार इसके बाद भी भारतीय टीम को परेशानी नहीं होगी क्योंकि उसके पास यशस्वी जायसवाल जैसा युवा सलामी बल्लेबाज है। पुजारा के बारे में बात करते हैं, तो वह कोई गलती नहीं करते। जबकि आपने भारत के कई ऐसे बल्लेबाजों को देखा है जो काफी हद तक ऐसे ही हैं। जैसे कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज यशस्वी उन्होंने बहुत तेजी से रन बनाए हैं, लेकिन उन्होंने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने विपक्षी टीम को अब तक बहुत कम ऐसे मौके दिए कि वे उन्हें आउट करने में सक्षम हो पाएं। मुझे लगता है कि अगर ऐसे बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया आकर आक्रामकता के साथ खेलें और खराब गेंदों पर पर बड़े स्ट्रोक लगाये तो गेंदबाजों पर दबाव आ जाएगा। पिछले कुछ समय में भारतीय टीम लगाता बेहतर हुई है। सीमित ओवरों के बाद अब टीम टेस्ट फॉर्मेट में भी अपनी श्रेष्ठता साबित कर रही है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पिछले दो दौरे भारत के नाम रहे, और उसमें पुजारा ने अहम भूमिका निभाई थी पर इस बार वह टीम में नहीं हैं। यशस्वी टीम में मुख्य बल्लेबाज की भूमिका में नजर आयेंगे। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रेस में अपना अभियान ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ समाप्त करेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। आस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत के पास ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट सीरीज जीतने वाली इस सदी की दूसरी टीम बनने का मौका होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पिछला दो टेस्ट सीरीज जीता है और अब वह अपनी जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगा। हालांकि पुजारा की गैर हाजिरी में भारतीय टीम के लिए यह इतना आसान नहीं हो सकता। टीम से बाहर चल रहे पुजारा ने भारत की दोनों सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 2018-19 और 2020-21 के दौरों पर पुजारा ने 2186 गेंदों का सामना करते हुए 792 रन बनाए थे। 2018/19 सीरीज में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीती थी।

पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद ईशान किशन की झारखंड के कप्तान के तौर पर वापसी

रांची (एजेंसी)। । भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन की झारखंड रणजी टीम में कप्तान के रूप में वापसी हुई जिन्हें पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। दिसंबर 2022 में ऋषभ पंत की सड़क दुर्घटना के बाद भारत की सफेद गेंद वाली टीम में नियमित रूप से शामिल हुए ईशान ने पिछले साल भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद उन्होंने बीसीसीआई के किसी भी आधिकारिक मैच में हिस्सा नहीं लिया जबकि बोर्ड ने खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने पर जोर दिया था।

इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने फरवरी में वापसी की और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले निजी तौर पर आयोजित डीवाई पाटिल टी20 कप में खेले। इससे फ्रेंचाइजी क्रिकेट और राज्य प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन को लेकर बहस शुरू हो गई। घरेलू क्रिकेट से इस दौरान उनकी अनुपस्थिति ने उन्हें बीसीसीआई के 2023-24 केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया। हालांकि ईशान ने घरेलू क्रिकेट में मजबूत प्रदर्शन से बीसीसीआई का ध्यान आकर्षित किया। पिछले महीने उन्होंने दलीप ट्रॉफी में भारत सी के लिए शतक जड़ा। फिर उन्होंने ईरानी कप में शेष भारत का भी प्रतिनिधित्व किया और एकमात्र पारी में 38 रन बनाए।

अब झारखंड की 16 सदस्यीय टीम के कप्तान के रूप में वह युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। पिछले सत्र के कप्तान विराट सिंह उप कप्तान और कुमार कुशाग्र विकेटकीपर होंगे। झारखंड एलीट ग्रुप डी में गुवाहाटी में असम के खिलाफ अपना रणजी ट्रॉफी अभियान शुरू करेगा। पिछले सत्र में झारखंड ग्रुप ए में नीचे से तीसरे स्थान पर रहा था। उसने अपने सात मैचों में से दो जीते, दो हारे और तीन ड्रॉ किए। झारखंड की चयन समिति के अध्यक्ष सुब्रतो दास ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' से कहा, ''ईशान एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनके पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। हमने युवा टीम चुनी है। सौरभ तिवारी, शाहबाज नदीम और वरुण आरोन सभी ने पिछले सत्र के बाद संन्यास ले लिया इसलिए हमें अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ा।

जो रूट ने एलिस्टेयर कुक का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा, टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुल्तान। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने बुधवार को मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन 12,473 रन बनाकर एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़ दिया है। रूट टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रूट ने दिन की शुरुआत पाकिस्तान की पहली पारी के 556 रनों के जवाब में 32 रन से की और इंग्लैंड के दिग्गज कुक (12472 रन) को पीछे छोड़कर सर्वकालिक टेस्ट सूची में पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए उन्हें सिर्फ 39 रन की जरूरत थी। उन्होंने आगे बढ़कर एक शानदार ऑन-ड्राइव खेला जो तेजी से बाउंड्री तक पहुंचा और रिकॉर्ड बनाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 147 टेस्ट और 268 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि कुक ने 161 टेस्ट और 291 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रनों की सूची में रूट से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ हैं। इससे पहले रूट ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपना 33वां और 34वां टेस्ट शतक जड़कर कुक को पीछे छोड़ दिया था। इस तरह वे टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गए थे।

विराट को आदर्श मानते हैं नित्या पंड्या

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाने वाले भारतीय अंडर-19 टीम के खिलाड़ी नित्या पंड्या अपना आदर्श विराट कोहली को मानते हैं। नित्या के अनुसार विराट की तरह स्लेज करो और किंग की तरह बल्लेबाजी करो। नित्या ने ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाये थे। नित्या की इस पारी से ही भारतीय अंडर-19 टीम ने मैच के पहले दिन ही 5 विकेट पर 316 रन बना लिए थे। नित्या ने इससे पहले यूथ टेस्ट मैच में 9 और 51 रन बनाये थे। नित्या के कोच दिग्विजय ने कहा, 'वह अपना स्वाभाविक खेल खेलता है और दबाव में नहीं आता।' वह शुरू से ही विराट से प्रभावित रहा है। उन्होंने कहा, 'मैदान पर लगातार बातें करना या स्लेज करना उसने कोहली को देखकर ही सीखा है। वह कोहली की तरह बनना चाहता है। कोहली के जैसे शॉट खेलना, आक्रामक रहना उसे सबसे अधिक पसंद है। इसलिए अगर वह मैदान पर शांत है तो समझ लीजिए कि उसके दिमाग में कुछ चल रहा होगा।'

युवराज ने की अभिषेक की खिंचाई, दिमाग का सही इस्तेमाल करें

ग्वालियर। युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। अभिषेक 7 गेंदों पर 16 रन बनाकर रन आउट हो गए। इससे वह बेहद निराश नजर आये। अभिषेक ने सोशल मीडिया में पोस्ट साझा कर लिखा, हर रन, हर गेंद-यह सब टीम के लिए है। इसी को लेकर पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी उनकी खिंचाई की है। युवराज ने लिखा कि हमें दिमाग का सही इस्तेमाल करना चाहिये। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही अभिषेक ने अपना पहला टी20 शतक लगाया था। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में अभिषेक ने शतक के बाद युवराज सिंह के साथ अपनी बातचीत के बारे में बताया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब वह शून्य पर आउट हुए थे तो युवराज बहुत खुश थे। उन्होंने कहा था, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो वह बहुत खुश थे। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है। मुझे लगता है कि उन्हें मेरे परिवार की तरह ही मुझ पर बहुत गर्व होना चाहिए। युवराज और अभिषेक के बीच का रिश्ता काफी गहरा है। ये ऐसा ही है जो एक पूर्व और एक मौजूदा भारतीय क्रिकेटर के बीच होता है। अभिषेक ने एक वीडियो में कहा था, मैं उनकी वजह से इस स्तर पर खेल रहा हूं। उन्होंने मुझ पर बहुत मेहनत की है।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल पाकिस्तान में नहीं दुबई में होगा! भारत के हिसाब से बदलेगा वेन्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होना है। भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले ही साफ-साफ इनकार कर दिया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट खेले जाने को लेकर मांग की है।

वहीं इस बीच टेलीग्राफ यूके की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान से बाहर कराए जा सकते हैं। अगर भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई तो इसे भी बाहर ही कराया जाएगा।

दरअसल, पाकिस्तान में अगले साल आयोजित होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर चर्चा काफी तेजी से हो रही है। टेलीग्राफ यूके कि रिपोर्ट के मुताबिक, अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल लाहौर से दुबई कराया जा सकता है।

ऐसे में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से कुछ दिन पहले तक आयोजन वेन्यू को लेकर सस्पेंस बना रहेगा। भारत अपने मैच पाकिस्तान में नहीं खेलेगा क्योंकि कथित तौर पर पड़ोसी देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण बीसीसीआई टीम भेजने को तैयार नहीं है।

अभी तेज गेंदबाजी से अधिक निरंतरता पर ध्यान दे रहे मयंक यादव

ग्वालियर। युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने कहा है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता जरूरी है। इसलिए वह अभी उसी पर ध्यान दे रहे हैं हालांकि गेंद की गति भी हमेशा से ही उनके दिमाग में रही है। मयंक ने चोट से वापसी के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले ही टी 20 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया था। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि तेज गति से वह प्रभावित रहे हैं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिटनेस बनाये रखने के लिए अभी वह सिर्फ निरंतरता पर ध्यान दे रहे हैं। इस साल आईपीएल में 150 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक की गति से गेंदबाजी कर रिकार्ड बनाने वाले इस गेंदबाज ने अपनी गति से बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था। उनका पहला ओवर मेडन रहा। उन्होंने अपने चार ओवर 14 डॉट गेंद डाली और 21 रन देकर एक विकेट हासिल किया। मयंक ने कहा, 'मैं डेब्यू को लेकर उत्साहित था पर थोड़ा घबराया भी हुआ था। इसका कारण है कि पिछले कुछ समय में मुझे प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के अधिक अवसर नहीं मिले थे और अचानक ही मुझे भारतीय टीम से बुलावा आ गया। मुझे मौका मिला। मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण कर रहा था इसलिए थोड़ा घबराया हुआ था। आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलते हुए लगातार दो मैचों में मैन ऑफ द मैच रहे मयंक को पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा था। मयंक जानते है कि उन्हें पहचान तेज गेंदबाजी से मिली है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे बने रहने के लिए वह लाइन व लेंथ में निरंतरता जरूरी मानते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी गति हमेशा मेरे दिमाग में रहती है पर अपनी आईपीएल यात्रा के दौरान मैंने सीखा है कि इस प्रारूप में और खासकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता सबसे अहम है। इस गेंदबाज ने कहा, 'लाइन और लेंथ महत्वपूर्ण हैं। लगातार सही लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करने से वास्तव में मदद मिलती है क्योंकि बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाते हैं। मैं अपनी लाइन और लेंथ को सटीक रखने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। मयंक ने कहा कि उनके लिए चोट से उबरने के दौरान पिछले चार महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे। उन्होंने कहा, 'मेरी चोट के दौरान का समय वास्तव में कठिन था क्योंकि पिछले चार महीनों में मुझे कई चरणों से गुजरना पड़ा, उतार-चढ़ाव देखना पड़ा। आईपीएल के दौरान उन्होंने लेंथ और अत्यधिक गति पर ध्यान केंद्रित किया लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ इस गेंदबाज ने धीमी गेंदों को भी फेंका। उन्होंने कहा, 'मैंने आईपीएल के दौरान धीमी गेंदों का अधिक उपयोग नहीं किया क्योंकि उनकी वास्तव में आवश्यकता नहीं थी। साथ ही कहा कि पिच से अगर मदद मिले तो मैं ज्यादा विविधता पर ध्यान नहीं देता हूं।

एशियाई टेटे चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष टीम ने लगातार तीसरा पदक सुनिश्चित किया, महिला टीम को कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने बुधवार को क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान को 3-1 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार तीसरा पदक पक्का कर लिया। पुरुषों की टीम स्पर्धा में पदक तब सुनिश्चित हुआ जब महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से हार गई और उसे पहली बार कांस्य पदक मिला।

पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में विश्व के 60वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने कजाखस्तान के शीर्ष रैंकिंग के विश्व के 41वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमेंको को 3-0 (11-9, 11-7, 11-6) से हराकर उलटफेर किया। कजाखस्तान के एलन कुरमंगलियेव (विश्व रैंकिंग 183) ने अपनी टीम को वापसी दिलाते हुए हरमीत देसाई को 3-0 (11-6, 11-5, 11-8) से हराया और मैच को 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी अनुभवी शरत कमल ने तीसरे मैच में ऐडोस कैजिगुलोव को 3-0 (11-4, 11-7, 12-10) से आसानी से हराया और भारत की बढ़त 2-1 हो गई। हरमीत ने चौथे मैच में गेरासिमेंको को हराकर भारत की जीत तय की। अस्थिर शुरुआत के बाद विश्व के 91वें नंबर के खिलाड़ी हरमीत ने अपने पैर जमाए। उन्होंने दूसरे और चौथे गेम जीतने के बाद पांचवें गेम में 6-1 की बढ़त बनाई।

गेरासिमेंको ने वापसी की कोशिश की लेकिन हरमीत ने पांचवां और निर्णायक गेम जीतकर भारत को सेमीफाइनल में जगह दिलाई। भारत की पुरुष टीम ने 2023 और 2021 में पिछले दो सत्र में कांस्य पदक जीता था। भारत ने इस जीत के साथ एशियाई चैंपियनशिप में अपना सातवां पदक सुनिश्चित किया। भारत गुरुवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे और जापान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से खेलेगा। इससे पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने यहां कांस्य पदक जीता जो इस स्पर्धा में उनका पहला पदक है।

भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जापान ने 3-1 से हराया था। भारत की अयहिका मुखर्जी ने जापान की मिवा हरीमोतो को कड़ी टक्कर दी लेकिन 8-11, 11-9, 8-11, 13-11, 7-11 से हार गईं। वहीं मनिका बत्रा ने सत्सुकी ओडो को दूसरे मैच में 11-6, 11-5, 11-8 से हराया। अगले मैच में सुतीर्था मुखर्जी के खिलाफ जापान की मिमा इतो ने 11-9, 11-4, 15-13 से जीत दर्ज की। दी। मिमा ने इसके बाद मनिका को 11-6, 6-11, 11-2, 11-3 से हराकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

संन्यास के आपके फैसले से हैरान हूं: खेलमंत्री मांडविया ने जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को लिखा पत्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली = खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को पत्र लिखकर खेल से संन्यास लेने के उनके फैसले पर हैरानी जताई। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनी दीपा रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने सोमवार को खेल को अलविदा कह दिया।

मांडविया ने दीपा को लिखे पत्र में कहा, 'मुझे पता चला कि आपने जिम्नास्टिक से संन्यास ले लिया है। आपके फैसले पर मैं आश्चर्यचकित हूं लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपने जीवन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया होगा। मैं आपके इस निर्णय का पूर्ण सम्मान करता हूं।' उन्होंने कहा, 'आपकी जिम्नास्टिक की यात्रा जो मात्र छह वर्ष की आयु से प्रारंभ हुई, अत्यंत ही प्रेरणादायक रही। आपने इस खेल में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए सफलता के उच्च शिखरों को छुआ और देश को गौरवान्वित किया। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित होना आपके अद्वितीय योगदान का प्रमाण है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'आपका ओलंपिक में हिस्सा लेकर भारतीय जिम्नास्टिक्स में एक नया अध्याय जोड़ना और इस खेल में भाग लेने वाली प्रथम भारतीय महिला बनना न केवल आपके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम बल्कि पूरे देश के लिये गर्व का विषय है। विशेष रूप से प्रोडुनोवा वॉल्ट में आपका प्रदर्शन अद्वितीय रहा है। आपकी उपलब्धियों ने न केवल खेलप्रेमियों को प्रेरित किया है बल्कि विशेष रूप से हमारी बेटियों को भी खेलों में अपने सपनों को साकार करने का साहस प्रदान किया है।'

उन्होंने कहा, 'ओलंपिक के वह ऐतिहासिक क्षण जब आप मात्र 0.15 अंकों से पदक से चूक गईं, फिर भी आपने अपने धैर्य और समर्पण से पूरे राष्ट्र का दिल जीत लिया।' मांडविया ने लिखा, 'आपकी यह यात्रा देश के लिए अनमोल धरोहर है और मैं आशा करता हूं कि आप अपनी इस अद्वितीय प्रतिभा और अनुभव को आने वाली पीढ़ी के साथ साझा करेंगी।'

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हेड को सलामी बल्लेबाज के तौर पर न भेजें: इयान चैपल

सिडनी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले माह शुरु हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर दिग्गज क्रिकेटरों की बयानबाजी जारी है। इसी कड़ी में आज ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा है कि इस सीरीज में ट्रेविस हेड को पारी की शुरुआत के लिए नहीं भेजा जाना चाहिये। चैपल ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को सुझाव दिया है कि वह इस प्रकार की गलती नहीं करे। चैपल का मानना है कि हेड एकदिवसीय और टी20 में एक जबरदस्त सलामी बल्लेबाज हैं पर टेस्ट क्रिकेट इससे अलग है और उन्हें इसका कम ही अनुभव है। गौरतलब है कि डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया को उनकी जगह पर सलामी बल्लेबाज के तौर पर अभी तक कोई अच्छा बल्लेबाज नहीं मिल पाया है। इस कारण स्टीवन स्मिथ और हेड पारी की शुरुआत कर रहे हैं। स्मिथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर अब तक सफल नहीं हुए हैं। सलामी बल्लेबाज के तौर पर उनका औसत 30 से भी कम रहा है, जबकि नंबर तीन और चार पर वे 60 से ज्यादा के औसत से खेलते रहे हैं।

लुधियाना में बाबा के खिलाफ मामला दर्ज... किशोर के साथ अश्लील हरकत

-3 से 4 बच्चों के साथ किया कुकर्म

लुधियाना । पंजाब के लुधियाना में गुरुद्वारा नानकसर ठाठ साहिब में कीर्तन करने वाले एक बाबा के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। बाबा पर आरोप है कि एक किशोर के साथ अश्लील हरकतें की है। पुलिस ने उक्त आरोपी बाबा जसबीर सिंह जस्सी के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। पुलिस बाबा से कड़ी पूछताछ कर रही है, ताकि पता चल सके कि आज तक और कितने लोगों के साथ गंदा काम किया है।पुलिस ने बताया कि आरोपी जस्सी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि मैं छठी कक्षा तक पढ़ा हूं। 3 साल पहले जस्सी बाबा गांव काउंके कलां मुझे कमरे में प्रसाद देने के बहाने ले गया। वहां बाबा ने मेरे कपड़े उतार कर गलत हरकतें करनी शुरू कर दी। पीड़ित ने कहा कि जस्सी मेरे गुप्तांगो से छेड़छाड़ करने लगा। इतना ही नहीं बाबा ने वीडियो भी बनाई। बाबा ने धमकी दी की यदि उसने किसी को इस घटना के बारे बताया, तब वह उसकी वीडियो वायरल कर देगा। आज अपनी मां को उसने सारी बात बताई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बाबा जस्सी की दो वीडियो सामने आई है। वीडियो में जस्सी बाबा ने बच्चे के साथ शारीरिक संबंध बनाए है। शारीरिक संबंध भी इस तरह से बनाए जो कि किसी को दिखा भी नहीं सकते। जब अपने स्तर पर जांच की और पता चला कि बाबा ने किसी एक बच्चे के साथ ऐसा नहीं किया बल्कि 3 से 4 बच्चों के साथ कुकर्म हुआ है।

दूसरे दलों के भरोसे चलने वाली पार्टी बन गई कांग्रेस : गुप्ता

जम्मू । जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। चुनाव में एनसी को 42 सीटें, वहीं कांग्रेस महज 6 सीट जीतने में कामयाब रही। बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता कविंदर गुप्ता ने चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन पर चुटकी लेकर कहा कि कांग्रेस को अपनी मोहब्बत की दुकान पर शटर लगा देना चाहिए।कांग्रेस के एक प्रत्याशी ने राजौरी में कुछ हजार वोटों से जीत हासिल की। कांग्रेस बस एनसी के कंधे पर चलने वाली पार्टी बनकर रह गई है। इनके दिग्गज नेताओं की चुनाव में बुरी हालत देखने को मिली है।उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन के पास स्पष्ट बहुमत है, इस कारण सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस की बनेगी। अगर वे विकास के एजेंडे के साथ आगे बढ़ते हैं और जम्मू-कश्मीर की बेहतरी के लिए काम करते हैं, तब यह फायदेमंद होगा। जम्मू-कश्मीर में जो शांति व्यवस्था बनी है, उस शांति को कायम रखने का काम सरकार करती है, तब संभावित है कि सभी लोग का सरकार को समर्थन मिलेगा। गुप्ता ने कहा, 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में कई विकास कार्य हुए हैं। आज एम्स, केंद्रीय विश्वविद्यालय, आईआईटी, रिंग रोड, रेलवे लाइन और मेडिकल कॉलेज बने। आगामी सरकार अगर इसी राह पर चलती है, तब यह सभी के लिए बेहतर होगा। मैं सलाह दूंगा कि कश्मीर में जिनकी भी सरकार रही, जम्मू के साथ दूसरे दर्जे का भेदभाव करती रही, वह अब सहनीय नहीं होगा।इसलिए अगर सरकार बराबर का काम करेगी, तब अच्छा होगा। उमर ने हरियाणा चुनाव पर सवाल उठाए। इस पर भाजपा नेता गुप्ता ने कहा, चुनाव आयोग पर सवाल खड़े करना गलत है। यहां इनकी जीत हुई है, ये सभी ने स्वीकार किया है।

भाजपा नेताओं को कई गांवों में घुसने नहीं दिया जा रहा था फिर भाजपा कैसे जीत गई: शिवसेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में भाजपा और उसके नेताओं की स्थिति बहुत खराब थी। लोगों में भारी गुस्सा था। इनकी हालत इतनी खराब थी कि कई गांवों में उन्हे घुसने नहीं दिया। फिर भाजपा कैसे जीत गई है? ये सवाल शिवसेना के उद्धव गुट ने कांग्रेस की हार पर उठाए हैं। पार्टी ने निशाने साधते हुए इसे अति आत्मविश्वास और स्थानीय नेताओं की नाफरमानी का परिणाम बताया। सामना के संपादकीय में लिखा गया है, हरियाणा में कांग्रेस की हार की वजह फाजिल आत्मविश्वास और स्थानीय नेताओं की नाफरमानी है। ऐसा माहौल था कि भाजपा के मंत्रियों और उम्मीदवारों को गांवों में घुसने नहीं दिया जा रहा था, फिर भी परिणाम कांग्रेस के खिलाफ गए। शिवसेना ने भूपेंद्र हुड्डा की भूमिका पर भी सवाल उठाया है, यह पूछते हुए कि क्या उन्होंने कांग्रेस की नैया डुबो दी। संपादकीय में हुड्डा और कुमारी शैलजा के बीच के विवाद को भी हार का बड़ा कारण बताया गया है। सामना ने कहा कि हुड्डा और उनके समर्थकों ने कुमारी शैलजा का सार्वजनिक अपमान किया, और कांग्रेस आलाकमान उनकी इस नाफरमानी को रोकने में विफल रहा। शिवसेना का मानना है कि हरियाणा चुनाव का असर महाराष्ट्र में नहीं होगा, लेकिन उसने कांग्रेस को सलाह दी है कि वह हरियाणा वाली गलतियाँ न दोहराए। सामना में कहा गया है, महाराष्ट्र की जनता हरियाणा की राह पर नहीं जाएगी और महाविकास आघाड़ी की जीत होगी।महाराष्ट्र की राजनीति में महाविकास गठबंधन की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही है, जबकि कांग्रेस नेताओं को हरियाणा के नतीजों से सीख लेने की जरूरत है। शिवसेना का कहना है कि कांग्रेस ने 'आप' समेत कई घटकों को दूर रखा, जिससे पार्टी को सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिली और अंततः हरियाणा में सत्ता हाथ से निकल गई। इस प्रकार, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणामों ने कांग्रेस के लिए एक बड़ा सबक दिया है, जिससे वह आगामी चुनावों में रणनीति और गठबंधन की दिशा में सोचने को मजबूर होगी। बता दें कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के नतीजे आ गए हैं, जिनमें हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीसरी जीत हुई है। इस जीत ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं, विशेष रूप से हरियाणा में, जहां भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। जम्मू-कश्मीर में हालांकि कांग्रेस ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन में रहने के कारण सत्ता का कुछ सुख भोगने की संभावना दिखाई है। लेकिन हरियाणा में मिली हार ने पार्टी की स्थिति को कमजोर कर दिया है।

मानसून की विदाई होते-होते बारिश ने फिर दी दस्तक, 25 राज्यों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली। देश से मानसून की विदाई के चलते बारिश ने एक बार फिर दस्तक दे दी है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत 25 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है। मध्य प्रदेश के 21 जिलों से मानसून अभी विदा नहीं हुआ है। अगले 24 घंटे में छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है। 12 अक्टूबर के बाद मानसून लौट जाएगा। राजस्थान में मंगलवार को कई जिलों में बादल छाने के साथ तेज हवा भी चलीं। जैसलमेर में दोपहर बाद 2मिमी बारिश हुई। चूरू में दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश ने गर्मी से राहत दिलाई। छत्तीसगढ़ के रायपुर में भी मंगलवार को तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक 18 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के कारण मौसम में बदलाव आया है। दूसरी तरफ, नेपाल में हुई भारी बारिश ने बिहार में बीते दिनों 30 जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा कर दी। गंडक, गंगा, कोसी जैसी नदियां उफाने लगीं। अब नदियों का जलस्तर घट रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य से अगले 4 से 5 दिनों में मानसून पूरी तरह से खत्म होगा। मध्य प्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्से में अगले तीन दिन गरज-चमक के आसार हैं। यहां अगले कुछ दिनों से बूंदाबांदी हो रही है। अगले 24 घंटे में छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में हल्की बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन में आसमान साफ रहेगा। 12 अक्टूबर के बाद से बारिश का दौर खत्म हो सकता है।

हरियाणा-जम्मू में चला योगी का जादू, जहां-जहां किया प्रचार, खिल गया कमल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हालिया विधानसभा चुनावों में भी अपना प्रभाव दिखाया है। उनकी रैलियों की मांग हमेशा बनी रही और उम्मीदवारों के बीच उनकी उपस्थिति जीत की पक्की गारंटी मानी जाती है। योगी ने हरियाणा में 14 रैलियां और जम्मू में 4 रैलियां की थी। जम्मू में उन्होंने जिन विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया, वहां बीजेपी ने जीत हासिल की।

हरियाणा में भी एंटी-इन्कंबेंसी माहौल के बावजूद योगी की रैलियों ने बीजेपी को 14 में से 9 सीटें जीतने में मदद की। क्योंकि पार्टी को पिछले दस सालों में सत्ता के खिलाफ जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ा था। योगी की रैलियों में उमड़ने वाली भीड़ और उनका बोलने का अंदाज चुनावी नतीजों में सीधे तौर पर परिवर्तित होता है। उनकी लोकप्रियता के चलते बीजेपी ने दोनों राज्यों में उनकी रैलियों को एक प्रमुख रणनीति का हिस्सा बनाया था।

इन चुनावों के परिणाम ने यह साबित कर दिया कि सीएम योगी, पीएम मोदी के बाद, बीजेपी के सबसे लोकप्रिय चेहरे हैं। उनके प्रभावी प्रचार से न केवल बीजेपी की स्थिति मजबूत हुई, बल्कि उन्होंने पार्टी की जीत तय करने में भी अहम भूमिका निभाई है। इस प्रकार योगी की रैलियों की सफलता ने साबित किया है कि उनकी रणनीतियां अन्य राज्यों के चुनावों में भी बीजेपी के लिए फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

हरियाणा चुनाव का असर महाराष्ट्र, झारखंड में होने वाले चुनावों पर दिखेगा

-6 राज्यों की 28 सीटों पर भी होना है उपचुनाव, दशहर बाद हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन 15 साल बाद सरकार बनाने जा रहा है। वहीं हरियाणा में बीजेपी तीसरी बार सत्ता में वापसी कर रही है। हरियाणा के गठन के बाद से अब तक कोई पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार नहीं बना सकी है। हरियाणा जीत से पार्टी को बूस्ट मिला है, जिसका असर अगले तीन महीने में होने वाले महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव में भी दिखाई दे सकता है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर 2024 और झारखंड का 5 जनवरी, 2025 को खत्म हो रहा है। चुनाव आयोग दशहरे के बाद महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है साथ ही 6 राज्यों की 28 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान भी हो सकता है।

महाराष्ट्र में महायुति यानी शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी अजित गुट की सरकार है। एंटी इन्कंबेंसी और छह बड़ी पार्टियों के बीच बंटने वाले वोट को साधना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती होगी। 2024 लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों में इंडिया गठबंधन को 30 और एनडीए को 17 सीटें मिली थीं। इनमें बीजेपी को 9, शिवसेना को 7 और एनसीपी को 1 सीट हासिल हुई थी। बीजेपी को 23 सीटों का नुकसान हुआ था। 2019 लोकसभा चुनाव से एनडीए को 41 सीटें मिली थीं। 2014 में यह आंकड़ा 42 था। यानी आधे से भी कम।

विपक्षी गठबंधन के एक सर्वे में राज्य की 288 सीटों पर एमवीए यानी महाविकास अघाड़ी को 160 सीटें मिलने का अनुमान है। बीजेपी के लिए मराठा आंदोलन सबसे बड़ी चुनौती है। इसके अलावा शिवसेना और एनसीपी में तोड़फोड़ के बाद उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ लोगों की सिंपथी है।

झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाली सरकार है। इसमें कांग्रेस, राजद और वाम दल शामिल हैं। बीजेपी को झारखंड में सरकार बनाने के लिए संथाल परगना और कोल्हान प्रमंडल की 32 सीटों पर फोकस करना होगा। संथाल परगना की 18 विधानसभा सीटों में से सिर्फ तीन सीटें बीजेपी के पास हैं। पिछले चुनाव में कोल्हान प्रमंडल की 14 विधानसभा सीटों पर तो बीजेपी का खाता भी नहीं खुल पाया। जमशेदपुर पूर्वी से तत्कालीन सीएम रघुवर दास को भी हार का सामना करना पड़ा।

जनवरी में भ्रष्टाचार के मामले में सीएम पद से इस्तीफा देकर हेमंत सोरेन को जेल जाना पड़ा। हालांकि, जमानत मिलने के बाद वे बाहर आए और चंपई सोरेन से 156 दिन में सीएम का पद वापस ले लिया। इसके बाद चंपई बीजेपी में शामिल हो गए। झारखंड आंदोलन में शिबू सोरेन के साथी रहे चंपई को कोल्हान टाइगर भी कहा जाता है।

यूपी में 10, राजस्थान में 6, पंजाब में 5, बिहार में 4, मध्य प्रदेश में 2 और छत्तीसगढ़ में एक सीट पर उपचुनाव होना है। इनमें से पंजाब छोड़कर सभी जगह बीजेपी सत्ता में है। लिहाजा एंटी इन्कम्बेंसी फैक्टर से लड़ने के साथ उम्मीदवार का लोकल कनेक्ट ही चुनाव नतीजे तय करेगा। चुनाव लिस्ट में अगला नाम दिल्ली का है, जहां विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म होगा। दिल्ली में पिछले 10 साल से आम आदमी पार्टी सत्ता में है। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल नवंबर में चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

लंदन से दिल्ली आ रही विस्तारा की फ्लाइट में बम की धमकी

एजेंसी

नई दिल्ली : लंदन से दिल्ली आ रही विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट में बुधवार को बम होने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि, यह विमान नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गया। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि लंदन से नई दिल्ली आ रही विस्तारा की फ्लाइट संख्या वङ18 में एक पैसेंजर ने विमान के बाथरूम में एक टिशू पेपर पर लिखी धमकी वाली चिट्ठी मिलने की जानकारी क्रू मेंबर को दी। संबंधित अधिकारियों ने प्रोटोकॉल पर अमल करते हुए दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंड कराया। यात्रियों के उतरने के बाद विमान को अनिवार्य जांच के लिए आइसोलेशन बे में ले जाया गया। हालांकि, जांच के बाद यह सूचना अफवाह साबित हुई। एयरलाइंस के प्रवक्ता ने जारी बयान में कहा, हमने आवश्यक सुरक्षा जांच पूरी करने में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया। इस विमान को सुबह 11:45 बजे सुरक्षित बिना किसी घटना के सुरक्षित उतार लिया गया। मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए गहन जांच की गई और कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इस विमान में 290 यात्री सवार थे, जो सुरक्षित हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**